हिंदी दैनिक
# कोयलांचल संवाद
रांची व धनबाद से एक साथ प्रकाशित
रांची, शुक्रवार, 25 जुलाई, 2025 वर्ष : 13 अंक : 66 मूल्य : 3 रुपए
YouTube Subscribe Koylanchal samvad news
www.koylanchalsamvad.com

राहुल बोले- चुनाव आयोग ने कर्नाटक में धोखाधड़ी की: हजारों बोगस वोटर... | भारतीय संसद में चुनाव आयोग के एसआईआर पर चर्चा... | शिमला मिर्च की जैविक खेती, किस्में और पैदावार

### झारखंड कैबिनेट... पुलिस बहाली में 5 साल की उम्र सीमा में छूट समेत 21 प्रस्तावों पर मुहर

# उग्रवादी घटना में या सीमा पर शहीद होने वाले झारखंड के अर्द्धसैनिक बल के कर्मियों के आश्रितों को मिलेगी सरकारी नौकरी

**▪ अटल मोहल्ला क्लीनिक का नाम अब मदर टेरेसा एडवांस हेल्थ क्लीनिक होगा**

**रांची:** झारखंड मंत्रिपरिषद की बैठक में 21 प्रस्ताव पारित किए गए. कैबिनेट सचिव वंदना दादेल ने बताया कि राज्य सरकार के वैसे कर्मी जो 30 जून और 1 जुलाई को रिटायर होंगे उन्हें नोशनल वेतन वृद्धि 1 मई 2023 की तिथि से दिया जागेगा. चिकित्सा पदाधिकारी बोकारो रीना कुमारी और कमरी रेखा को सेवा से बर्खास्त किया गया. पुलिस बहाली में आर्थिक प्रतियोगिता परीक्षा का विज्ञापन रद्द किया गया और अब नया विज्ञापन जारी होगा जिसमें उम्र सीमा 1.8 2019 से लागू होगी. ऐसी उम्र सीमा में आवेदकों को 5 साल की छूट मिलेगी. अटल मोहल्ला क्लीनिक का नाम बदलते हुए आज सरकार ने मदर टेरेसा हेल्थ एडवांस्ड क्लीनिक करने की मंजूरी दी. स्वास्थ्य अधिकारी वीणा कुमारी को बर्खास्त किया गया. उग्रवादी घटना में या सीमा पर अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए शहीद होने वाले झारखंड के रहने वाले अर्द्धसैनिक बल के कर्मियों के आश्रितों को सरकारी नौकरी मिलेगी.

झारखंड राज्य विश्वविद्यालय विधेयक 2025 को स्वीकृति दी गई. इसके तहत मेडिकल और एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी को छोड़ कर सारे विश्वविद्यालय इसके अधीन होंगे. नियुक्ति के लिए अलग से स्टेट यूनिवर्सिटी सर्विस का गठन होगा. वाइस चांसलर की उम्र सीमा 70 वर्ष की गई है. प्रारंभिक विद्यालय में सहायक आचार्य के 4339 पदों का सृजन किया गया. झारखंड आयुष भर्ती प्रोन्नति नियमावली बनाई गई. चिकित्सकों की नियुक्ति के लिए नियम बनाए गए. रिटायर सरकारी कर्मचारी किसी मामले में गवाही देने के लिए न्यायालय जाते हैं तो उन्हें सरकार की ओर से आने जाने का भत्ता का भुगतान किया जाएगा.

### केंद्रीय अर्धसैनिक बलों में कर्मियों के आश्रितों को भी 10 लाख रु. विशेष अनुग्रह अनुदान

उग्रवादी आतंकवादी घटनाओं अथवा राष्ट्र की सीमा के रक्षक कर्तव्य निर्वहनरत वीरगति प्राप्त होने वाले राज्य निवासी केंद्रीय आर्सेनिक बल कर्मियों के आश्रित को विशेष अनुग्रह अनुदान के रूप में 10 लख रुपए भुगतान एवं अनुकंपा आधार पर सरकारी सेवा में नियुक्ति प्रदान करने का प्रावधान पूर्व की तरह जारी रखा जाएगा. दरअसल गृह विभाग के 8 मार्च 2019 द्वारा जारी संकल्प में वीरगति प्राप्त होने वाले केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के आश्रितों को परिभाषित नहीं किया गया है एवं सैनिक तथा आश्रित का राज्य के स्थानीय निवासी होने से संबंधित स्थिति स्पष्ट नहीं है तथा विशेष अनुग्रह अनुदान, अनुपम अनुकंपा आधारित नौकरी प्रदान करने की प्रक्रिया निर्धारित नहीं है. उक्त के अतिरिक्त अनुकंपा नियुक्ति हेतु आवेदन करने की समय सीमा भी निश्चित नहीं है इन सभी बिंदुओं पर स्थिति स्पष्ट करने के लिए गरीब विभाग ने नए सिरे से संकल्प को संशोधित किया.

### कैबिनेट में लिए गए अन्य फैसले

- *4339 सहायक आचार्य पद सृजित - उर्दू शिक्षकों की भर्ती के लिए 4339 नए पद सृजित किए गए हैं, जिसमें इंटरमीडिएट प्रशिक्षित और स्नातक प्रशिक्षित दोनों श्रेणियों के पद शामिल हैं*
- *स्वयं सहायता समूहों के लिए एमओयू - ग्रामीण महिलाओं की आजीविका और कौशल विकास के लिए क्रिस्प संस्था के साथ गैर-वित्तीय एमओयू की स्वीकृति दी गई है.*
- *श्रावणी मेला के लिए 47 अस्थायी ओपी खुलेंगे - सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने हेतु श्रावणी मेला के दौरान 28 अस्थायी थाना व 19 अस्थायी ट्रैफिक पोस्ट की स्वीकृति दी गई.*
- *दिव्यांग बच्चों के लिए रिसोर्स पर्सन पर निर्णय - सुप्रीम कोर्ट के आदेश के आलोक में दिव्यांग बच्चों को पढ़ाने वाले संविदा रिसोर्स पर्सन की स्क्रीनिंग समिति में संशोधन की स्वीकृति दी गई.*
- *पूर्व कर्मियों को गवाही पर भत्ता - सेवानिवृत्त कर्मियों को अदालत में गवाही देने पर यात्रा भत्ता देने का निर्णय लिया गया.*
- *विशेष शिक्षा सहायक नियमावली मंजूर - दिव्यांग बच्चों की शिक्षा हेतु विशेष शिक्षा सहायक की नियुक्ति के लिए नई नियमावली 2025 को मंजूरी दी गई.*
- *आयुष स्वास्थ्य सेवा नियमों में संशोधन - झारखंड आयुष स्वास्थ्य सेवा नियमावली-2024 को संशोधित करते हुए नई नियमावली को स्वीकृति दी गई.*
- *माइक्रोन्यूट्रीएंट फोर्टीफाइड खाद्य आपूर्ति एजेंसी का चयन किया गया इसके लिए वित्त नियमों को शिथिल किया गया. यह सक्षम आंगनबाड़ी मिशन के तहत किशोरी बालिकाओं के लिए पूरक पोषाहार आपूर्ति करेगी.*

### गुरुजी ने कई जंग जीती है, ये जंग भी जीतेंगे, शिबू सोरेन की तबीयत पर बोले हेमंत सोरेन

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और दिशोम गुरु शिबू सोरेन की तबीयत अब कैसी है. उनके पुत्र और झारखंड के वर्तमान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने खुद इसका अपडेट दिया है. झारखंड कैबिनेट की बैठक के बाद पत्रकारों को उन्होंने बताया कि झारखंड आंदोलन के प्रणेता शिबू सोरेन की तबीयत अभी कैसी है. झारखंड मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हेमंत सोरेन ने कहा कि सबकी कोशिश है कि गुरुजी ठीक हो जायें. सबकी दुआएं उनके साथ हैं. गुरुजी ने कई जंग जीती है. ये जंग भी वे जीतेंगे. हालांकि, अभी गुरुजी डॉक्टर की निगरानी में हैं. डॉक्टर उनका इलाज कर रहे हैं. लगता है अभी थोड़ा वक्त लगेगा. इसी महीने दिशोम गुरु शिबू सोरेन रूटीन चेकअप के लिए नयी दिल्ली गये थे. रूटीन चेकअप के दौरान ही उनकी तबीयत बिगड़ गयी और उन्हें सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती करवाना पड़ा. इसके बाद उनकी तबीयत और ज्यादा बिगड़ गयी. हालांकि, बाद में उनकी तबीयत में सुधार हुआ.

## कुख्यात अपराधी बिट्टू को बिहार से रिमांड पर लाने की तैयारी

### व्यापारी शंकर रवानी की हत्या में था शामिल

**बोकारो** : बोकारो के विभिन्न कांडों में शामिल अपराधी बिट्टू सिंह को बिहार से झारखंड लाने की तैयारी की जा रही है. बिहार में एक लाख का इनामी कुख्यात बिट्टू सिंह ने 22 जुलाई, मंगलवार को सत्येंद्र सिंह हत्याकांड मामले में न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया है, जिसके बाद कोर्ट ने उसे जेल भेज दिया.

इधर बोकारो पुलिस अपराधी को झारखंड लाने की तैयारी में जुटी हुई है. बोकारो में बिट्टू सिंह के अपराधिक वारदात से जुड़े कागजों को दुरुस्त किया जा रहा है. एसपी हरविंदर सिंह के निर्देश पर जिस थाना में बिट्टू सिंह पर मामला दर्ज है, उस थाना के थानेदार को कागजात अपडेट करने के लिए कहा गया है, ताकि पटना न्यायालय से बिट्टू सिंह को रिमांड पर मांगा जा सके. साथ ही बोकारो लाकर कई कांडों का उद्भेदन किया जा सके.

### बोकारो आने के बाद बिट्टू से शुरू होगी पूछताछ

इस संबंध में बोकारो एसपी हरविंदर सिंह ने बताया कि जिले में दर्जनों अपराधिक कांड में शामिल बिट्टू सिंह को पटना से बोकारो रिमांड पर लाने की तैयारी शुरू कर दी गयी है. जल्द ही बोकारो की पुलिस टीम को पटना के लिए रवाना किया जायेगा. बिट्टू सिंह के बोकारो आने के बाद उससे पूछताछ शुरू होगी. मालूम हो बिट्टू सिंह पर बोकारो के सेक्टर 9 में 18 जुलाई 2024 को स्क्रैप व्यापारी शंकर रवानी की हत्या का भी आरोप है. हत्या के बाद तत्कालीन एसपी पूज्य प्रकाश व सिटी डीएसपी आलोक रंजन के दिशा निर्देश पर हरला थाना इंस्पेक्टर अनिल कच्छप के नेतृत्व में बिट्टू के ठिकाने पर छापेमारी की गयी थी. इस दौरान उसके आवास से दो दर्जन राइफल, 9 एमएम का पिस्टल व कारबाइन बरामद किया गया था, लेकिन बिट्टू बच निकला था. उसकी गिरफ्तारी के लिए बोकारो पुलिस ने झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश व बंगाल के कई शहरों में भी छापेमारी की थी, परंतु बिट्टू हाथ नहीं लगा था. बोकारो में कई गंभीर मामलों पुलिस उनकी तलाश कर रही है. बिट्टू ने 7 दिसंबर 2023 को बिहार के बेउर में अपने गिरोह के शूटर के साथ मिलकर जमीन कारोबारी सत्येन्द्र सिंह की हत्या की थी. सत्येंद्र सिंह की हत्या करने के बाद बिट्टू सिंह अपने साथ शूटर विपुल महतो के साथ बोकारो आ गया था.

# भारत में यूके की कारें-ब्रांडेड कपड़े सस्ते होंगे: दोनों देशों के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट साइन

### मोदी बोले- कई साल की मेहनत के बाद समझौता हुआ

**नई दिल्ली:** भारत में यूके की कारें, कपड़े और फुटवियर सस्ते होंगे। आज 24 जुलाई को भारत और यूके ने फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर साइन किया। 2022 से इसपर बातचीत चल रही थी। अब भारत के 99% सामानों को यूके में जीरो टैरिफ पर निर्यात किया जाएगा। वहीं यूके के 99% सामान 3% एवरेज टैरिफ पर आयात होंगे। इससे 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार दोगुना होकर 120 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और ब्रिटिश व्यापार मंत्री जोनाथन रेनॉल्ड्स ने पीएम नरेंद्र मोदी और उनके यूके समकक्ष कीर स्टार्मर की उपस्थिति में इस समझौते पर साइन किए। इससे यूके को भी फायदा होगा। आयातित व्हिस्की पर भारत का टैरिफ 150% से घटाकर 75% हो जाएगा। बाद में समझौते के दसवें साल तक इसे घटाकर 40% कर दिया जाएगा।

**सवाल जवाब में समझिएं इस एग्रीमेंट से क्या-क्या फायदा होगा:**

सवाल 1: भारत में कौन सी चीजें सस्ती होंगी?
जवाब: यूके से आयात होने वाले सामानों पर औसत टैरिफ को 15% से घटकर 3% होगा। 85% सामान 10 साल में पूरी तरह टैरिफ-मुक्त होंगे। **इससे कई चीजें सस्ती होंगी:**

**व्हिस्की और जिन:** यूके से आयात होने वाली स्कॉच व्हिस्की और जिन पर भारत का टैरिफ 150% से घटकर 75% हो जाएगा। बाद में समझौते के दसवें साल तक इसे घटाकर 40% कर दिया जाएगा। उदाहरण- 5000 रुपए की स्कॉच बोतल 3500 रुपए में मिलेगी।

**लग्जरी कारें:** यूके की कारें (जैसे जगुआर लैंड रोवर, रोल्स-रॉयस) पर टैरिफ 100% से कोटा सिस्टम के तहत 10% तक आ जाएगा। इससे ये कारें 20-30% सस्ती हो सकती हैं।

खाद्य और पेय पदार्थ: यूके से आयात होने वाले सैल्मन, लैंब, चॉकलेट, बिस्किट और सॉफ्ट ड्रिंक्स पर टैरिफ कम होगा। इससे ये उत्पाद सस्ते होंगे।

**कॉस्मेटिक्स-मेडिकल डिवाइस:** यूके के कॉस्मेटिक्स, मेडिकल उपकरण और एयरोस्पेस पार्ट्स पर कम टैरिफ से ये सामान सस्ते होंगे। टैरिफ 15% से घटकर 3% पर आ जाएगा।

सवाल 2: भारत के किन-किन सेक्टर्स को फायदा होगा?
जवाब: टेक्सटाइल से लेकर इंजीनियरिंग, मेडिकल और केमिकल जैसे सेक्टर्स को फायदा होगा।

**1. टेक्सटाइल सेक्टर:** यूके में भारतीय कपड़ों और होम टेक्सटाइल्स जैसे चादर, परदे पर 8-12% टैक्स लगता था, वो अब पूरी तरह खत्म हो जाएगा। इससे हमारे कपड़े बांग्लादेश और वियतनाम जैसे देशों के मुकाबले सस्ते और ज्यादा कॉम्पिटिटिव हो जाएंगे। तिरुप्पुर, सूरत और लुधियाना जैसे एक्सपोर्ट हब में अगले तीन साल में 40% तक की ग्रोथ हो सकती है।

**2. गहने और चमड़े का सामान:** भारत से यूके जाने वाली ज्वैलरी और चमड़े के सामान जैसे बैग, जूतों पर अब कोई टैक्स नहीं लगेगा। इससे छोटे बिजनेस और लग्जरी ब्रांड्स को बड़ा फायदा होगा। साथ ही यूके के रास्ते यूरोप में भारत का दबदबा और बढ़ेगा।

**3. इंजीनियरिंग सामान और ऑटो पार्ट्स:** यूके ने भारतीय मशीनरी, इंजीनियरिंग टूल्स और ऑटो पार्ट्स जैसे कार के पुर्जे पर लगने वाला इम्पोर्ट टैक्स खत्म कर दिया गया है। इससे भारत, यूके और यूरोप की इंडस्ट्रियल सप्लाई चेन और मजबूत होगी। पुणे, चेन्नई और गुड़गांव जैसे मैन्युफैक्चरिंग हब को फायदा होगा। -शेष पेज 3 पर

### मुंबई ट्रेन ब्लास्ट-सुप्रीम कोर्ट की हाईकोर्ट के फैसले पर रोक

*3 दिन पहले 12 आरोपी बरी हुए; सुप्रीम कोर्ट बोला- फिलहाल दोबारा जेल भेजना जरूरी नहीं*

**नई दिल्ली:** सुप्रीम कोर्ट ने 2006 के मुंबई सीरियल ट्रेन ब्लास्ट मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले पर गुरुवार को रोक लगा दी। हाईकोर्ट ने 21 जुलाई को सभी 12 आरोपियों को बरी कर दिया था। महाराष्ट्र सरकार ने इस फैसले के खिलाफ 23 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने आदेश में कहा, बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश पर रोक से आरोपियों की जेल से रिहाई पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। ट्रेन ब्लास्ट केस में 13 लोग आरोपी थे। 12 सभी रिहा हो गए हैं। एक आरोपी की मौत हो गई है। 11 जुलाई 2006 को मुंबई के वेस्टर्न सब अर्बन ट्रेनों के सात कोचों में सिलसिलेवार धमाके हुए थे। इसमें 189 पैसेंजर की मौत हो गई थी और 824 लोग घायल हो गए थे। सभी धमाके फर्स्ट क्लास कोचों में हुए थे। घटना के 19 साल बाद यह फैसला आया है।

# सीबीएसई का नया फरमान, अब हर कक्षा में सिर्फ 40 बच्चे

**नई दिल्ली:** केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के स्कूलों में सीबीएसई ने 1 से 12वीं तक के कक्षा को आदेश दिया है कि स्टूडेंट्स की छात्रा सीमित होनी चाहिए. एक कक्षा में केवल 40 बच्चे ही होने चाहिए. कुछ खास परिस्थिति में 45 स्टूडेंट्स का एडमिशन लिया जा सकता है. सीबीएसई के एफिलिएशन उपनियम 2018 के क्लॉज 4.8 के तहत नया आदेश लाया गया है, जिसके तहत सीबीएसई ने सभी स्कूलों को निर्देश दिया है कि सामान्य हालात में कक्षा 1 से 12 तक के हर सेक्शन में ज्यादा से ज्यादा 40 बच्चे ही होने चाहिए. सीबीएसई का ये नया फरमान इसलिए लाया गया है कि सभी कक्षा में पढ़ाई का अच्छा माहौल रहे.

**किन विशेष परिस्थितियों में 45 बच्चों की छूट मिली है**

**रिपीट करने वाले बच्चे** : ऐसे छात्र जो किसी कारणवश कक्षा रिपीट कर रहे हो यानी कि किसी कारण से उसी कक्षा में दोबारा पढ़ रहे हैं. उदाहरण के तौर पर अगर कोई बच्चा गंभीर बीमारे के कारण पीछे छूट गया है तो उसे क्लास रिपीट करने की इजाजत है.

**माता पिता का ट्रांसफर:** अगर किसी बच्चे के माता पिता का ट्रांसफर हो गया है विशेषकर आर्मी, सेंट्रल जॉब में, या किसी प्राइवेट नौकरी में, ऐसी स्थिति में बच्चों को दाखिला देने की छूट है.

**हॉस्टल से डे-स्कॉलर होने की स्थिति में** : ऐसे बच्चे जो हॉस्टल छोड़कर डे-स्कॉलर बन रहे हैं उन्हें दाखिला देने के लिए छूट मिलेगी. इस स्थिति में भी कक्षा में बच्चों की संख्या 40 से ज्यादा हो सकती है.

**पढ़ाई में सुधार की स्थिति में** : कुछ बच्चे अपनी पढ़ाई बेहतर करने के लिए फिर से उसी कक्षा में दाखिला लेते हैं. लेकिन ये स्कूल के ऊपर निर्भर करता है कि उस बच्चे को दोबारा से उसी कक्षा में दाखिला देने की जरूरत है या नहीं.

# साहेबगंज में 795 परिवार को पीएम आवास नहीं मिला, झारखंड हाईकोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब

**रांची:** झारखंड हाईकोर्ट में साहिबगंज जिले के नारायणपुर क्षेत्र के 795 लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) के तहत अब तक घर नहीं दिए जाने के खिलाफ दायर जनहित याचिका पर सुनवाई हुई. गुरुवार की सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान और जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की बेंच ने राज्य सरकार को तीन सप्ताह में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है. इस संबंध में जियाउल हक की ओर से जनहित याचिका दाखिल की गई है. प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता जितेश कुमार ने पक्ष रखा. उन्होंने अपनी बहस के दौरान अदालत को बताया कि नारायणपुर इलाका हर साल बाढ़ से प्रभावित होता है. वहां काफी लोग मिट्टी के घरों में रहते हैं, ये घर बाढ़ के पानी से हर साल ढह जाते हैं. वर्षा के मौसम में महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हो जाते हैं. जिले के डीडीसी (उप विकास आयुक्त) ने सभी पात्र लाभुकों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घर मुहैया कराने की अनुशंसा की थी और इस संबंध में प्रखंड विकास पदाधिकारी को निर्देश भी दिया गया था. इसके बावजूद अब तक आवास नहीं दिए गए।

# अनिल अंबानी की 50 कंपनियों पर ईडी की रेड: 3000 करोड़ के लोन फ्रॉड का मामला, यस बैंक से लिए पैसों का गलत इस्तेमाल का आरोप

**मुंबई:** प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप से जुड़े 35 से ज्यादा ठिकानों पर छापेमारी की। इसमें करीब 50 कंपनियों शामिल है। 25 से ज्यादा लोगों से भी पूछताछ की गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यस बैंक से लिए 3000 करोड़ रुपए के लोन धोखाधड़ी मामले में गुरुवार, 24 जुलाई को की गई ये रेड दिल्ली और मुंबई में चल रही है। ये छापेमारी प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट की धारा 17 के तहत की जा रही है। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, ये कार्रवाई सीबीआई की ओर से दर्ज दो एफआईआर और सेबी, नेशनल हाउसिंग बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा और नेशनल फाइनेंशियल रिपोर्टिंग अथॉरिटी जैसी एजेंसियों से मिली जानकारी के आधार पर की गई है।

### सवाल-जवाब में पूरा मामला:

**सवाल : अनिल अंबानी के ग्रुप के खिलाफ ईडी ने कार्रवाई क्यों की है?**
जवाब: मामला 2017 से 2019 के बीच यस बैंक द्वारा अनिल अंबानी से जुड़े रिलायंस ग्रुप की कंपनियों को दिए गए करीब 3,000 करोड़ रुपए के लोन से जुड़ा है। ईडी की शुरुआती जांच में पता चला है कि इन लोन्स को कथित तौर पर फर्जी कंपनियों और ग्रुप की अन्य इकाइयों में डायवर्ट किया गया। जांच में यह भी सामने आया कि यस बैंक के बड़े अधिकारियों को शायद रिश्वत दी गई है।

**सवाल : ईडी की जांच में और क्या-क्या सामने आया?**
जवाब: ईडी का कहना है कि ये एक सोचा-समझा और सुनियोजित प्लान था, जिसके तहत बैंकों, शेयरहोल्डर्स, निवेशकों और अन्य सार्वजनिक संस्थानों को गलत जानकारी देकर पैसे हड़पे गए। जांच में कई गड़बड़ियां पकड़ी गईं, जैसे: कमजोर या बिना वेरिफिकेशन वाली कंपनियों को लोन।
कई कंपनियों में एक ही डायरेक्टर और एड्रेस का इस्तेमाल। लोन से जुड़े जरूरी दस्तावेजों का न होना।
फर्जी कंपनियों में पैसे ट्रांसफर करना।
पुराने लोन चुकाने के लिए नए लोन देने की प्रक्रिया (लोन एवरग्रीनिंग)।

**सवाल : इस मामले में सीबीआई की क्या भूमिका है?**
जवाब: सीबीआई ने दो मामलों में FIR दर्ज की थी। ये मामले यस बैंक द्वारा रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड और रिलायंस कॉमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड को दिए गए दो अलग-अलग लोन से जुड़े हैं। दोनों ही मामलों में सीबीआई ने यस बैंक के पूर्व सीईओ राणा कपूर का नाम लिया था। इसके बाद एक अधिकारी ने बताया कि नेशनल हाउसिंग बैंक, सेबी, नेशनल फाइनेंशियल रिपोर्टिंग अथॉरिटी और बैंक ऑफ बड़ौदा जैसी अन्य एजेंसियों और संस्थानों ने भी ईडी के साथ जानकारी साझा की। अब ईडी इस मामले की जांच कर रही है।

**सवाल : इस छापेमारी का अनिल अंबानी की कंपनियों पर क्या असर पड़ा?**
जवाब: छापेमारी की खबर के बाद अनिल अंबानी की दो प्रमुख कंपनियों, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर और रिलायंस पावर के शेयरों में 5% तक की गिरावट आई है।
इस मामले पर रिलायंस पावर ने कहा कि इन कार्रवाइयों का कंपनी के कारोबार, वित्तीय प्रदर्शन, शेयरधारकों, कर्मचारियों या किसी अन्य हितधारक पर कोई असर नहीं पड़ा है।

# झारखंड में डीजीपी की नियुक्ति के खिलाफ याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में 30 या 31 जुलाई को होगी सुनवाई

**रांची:** झारखंड के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग गुप्ता की नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में अगले सप्ताह सुनवाई होगी. 24 जुलाई बृहस्पतिवार को सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड के डीजीपी की नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिका पर अगले सप्ताह सुनवाई करने पर सहमति जतायी. याचिका में दावा किया गया है कि अनुराग गुप्ता की डीजीपी के पद पर नियुक्ति में उचित प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया.

चीफ जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की पीठ ने याचिका देखने के बाद कहा कि मामले की सुनवाई अगले हफ्ते 30 और 31 जुलाई को होगी. सुप्रीम कोर्ट की सीनियर एडवोकेट अंजना प्रकाश ने कहा कि झारखंड के मौजूदा डीजीपी रिटायरमेंट के बावजूद अपने पद पर बने हुए हैं.

अंजना प्रकाश एक सामाजिक कार्यकर्ता की ओर से सुप्रीम कोर्ट में पेश हुईं थीं. उन्होंने दलील दी कि 3 जजों की पीठ को अदालत के पिछले निर्देशों के अनुपालन से जुड़े मामले की सुनवाई करनी थी. मुख्य न्यायाधीश गवई ने कहा कि ऐसी स्थिति में अगले हफ्ते नियमित मामलों की सुनवाई के दौरान मामले की सुनवाई की जायेगी.

### 30 अप्रैल को रिटायर होने वाले थे झारखंड के डीजीपी

झारखंड के डीजीपी अनुराग कुमार गुप्ता केंद्र सरकार के नियमों के तहत 60 वर्ष की आयु पूरी करने के बाद 30 अप्रैल 2025 को रिटायर होने वाले थे, लेकिन राज्य सरकार ने उनके कार्यकाल को विस्तार देने के लिए केंद्र को पत्र लिखा. केंद्र सरकार ने राज्य सरकार के डीजीपी को कार्यकाल विस्तार देने के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया.

### 6 सितंबर'24 को सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से मांगा था जवाब

इससे पहले भी, झारखंड में हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) कगी सरकार ने आईपीएस ऑफिसर अनुराग कुमार गुप्ता की 'तदर्थ' (एडहॉक) नियुक्ति के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गयी थी. 6 सितंबर 2024 को शीर्ष अदालत ने एक अवमानना याचिका पर राज्य सरकार और अनुराग गुप्ता से जवाब मांगा था.

## संक्षिप्त खबरें...

### बरकट्ठा प्रखंड के विभिन्न गांवों में वज्रपात के कारण 100 केवीए का कई ट्रांसफार्मर है खराब, कराया अवगत

बरकट्ठा(हजारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों में बारिश से वज्रपात के कारण 100 केवीए का कई ट्रांसफार्मर खराब हो गया है। गुरुवार को बरकट्ठा जिप सदस्य कुमकुम देवी ने हजारीबाग में बिजली विभाग के एक्सक्यूटिव इंजीनियर से मिलकर इससे अवगत कराया। बताया कि प्रखंड क्षेत्र के ग्राम मासीपीढ़ी, तुइयो और झींगीबराई के लोग दो दिन से अंधेरे में रहने को विवश हैं।जले हुए ट्रांसफार्मर के स्थान पर अविलंब नये ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराने तथा ग्राम बसारिया, तुर्कबाद सतसंग भवन और मासीपीढ़ी के लिए बिजली पोल उपलब्ध कराने की मांग किया। कुमकुम देवी ने बताया कि एक्सक्यूटिव इंजीनियर ने उन्हें दो दिन के अंदर ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया है।

### बिजली विभाग ने अवैध रूप से बिजली उपयोग करने वालों पर कसा शिकंजा,पांच लोगों को लगाया जुर्माना

हजारीबाग। हजारीबाग जिला अंतर्गत टाटीझरिया प्रखंड क्षेत्र में इन दिनों बिजली विभाग अवैध रूप से बिजली उपयोग करने वालों पर शिकंजा कसना शुरू हो गया है। विभाग की ओर से बुधवार देर शाम तक टाटीझरिया के कनीय अभियंता प्रदीप प्रजापति के नेतृत्व में छापामारी किया गया।जिसमें पांच लोगों को जुर्माना लगाया गया है।वहीं बहुत सारे उपभोक्ता को समझौता कराया गया है। छापेमारी में मायापुर में संचालित मुर्गी फार्म संचालक शम्भु कुमार पिता भुनेश्वर महतो पर 342656 रूपया,जेरूवाडीह में संचालित इंडियन पब्लिक स्कूल के संचालक साहिल अंसारी पर 18100 रूपया, कुंदन कुमार 18100 रूपया, उर्मिला देवी पति किशुन यादव 9050 रूपया एवं किशोर मोहन कुशवाहा पर 9050 रूपया जुर्माना लगाया है। जेई प्रदीप प्रजापति ने कहा कि अवैध रूप से उपयोग करने वाले पर अब खैर नहीं है।

### सुनील साहू के प्रदेश अध्यक्ष बनने पर समर्थकों ने दिया बधाई

बड़कागांव(हजारीबाग)। हजारीबाग जिला से राष्ट्रीय जनता दल के क्रियाशील सदस्य कुंज साव ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि झारखंड के प्रदेश अध्यक्ष सह विधायक संजय कुमार सिंह यादव ने सुनील साहू को राजद अति पिछड़ा जाति मोर्चा का प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किया है सुनील साहू के मनोनयन पर हजारीबाग जिला के लोगों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।बधाई देने वालों में मुख्य रूप से कुंज बिहारी साव,पूर्व मुखिया नन्दलाल साव,रणधीर कुमार साहू,राम विलास साव,अयोध्या कुमार,सिकन्दर साव, प्रकाश कुमार,उमेश साव, विजय साव देवेन्द्र कुमार यादव आदि शामिल हैं।

### बाबा धाम एवं तारापीठ के लिए कांवरिया संघ रवाना

बड़कागांव(हजारीबाग)। बड़कागांव से युवक कांवरिया संघ राहुल वर्मा के नेतृत्व में श्रद्धालु देवघर स्थित बाबाधाम , बासुकीनाथ एवं तारापीठ के लिए रवाना हुए।श्रद्धालु बड़कागांव काली मंदिर में मत्था टेक कर मां काली का आशीर्वाद लिया तत्पश्चात लोग रवाना हुए।मौके पर राहुल वर्मा,दिलीप कुमार,अजय मेहता, सोनू कुमार,फुलेंद्र कुमार,मुकेश कुमार,विकास कुमार,विशाल कुमार,सत्य प्रकाश यादव,रोशन सोनी,देव सोनी,दीपक कुमार, सिकंदर कुमार, सुबोध कुमार, दीपक महतो, रामायण कुमार, आशीष सोनी, नितेश यादव, उमेश महतो के अलावा एन कई श्रद्धालु उपस्थित थे।

### मिर्जापुर जंगल में कटे पेड़, कार्रवाई की मांग

बड़कागांव(हजारीबाग)। कांडतरी पंचायत अंतर्गत मिर्जापुर जंगल में ग्रामीणों के द्वारा कई पेड़ काट कर ले जाने का मामला प्रकाश में आया है। इसे लेकर कई प्रबुद्ध पर्यावरणविदों ने कड़ी निंदा की है।लोगों ने कहा कि पर्यावरण को संरक्षण करने की जगह लोग जंगल को काटकर बर्बाद कर रहे हैं आरोपियों को चिन्हित कर कड़ी से कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। वहीं उक्त मामले को लेकर मिर्जापुर वन अध्यक्ष तुलसी महतो से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि 1 वर्ष पूर्व का यह मामला है ,इस मामले में बीना महतो के ऊपर केस भी दर्ज किया गया है। ग्रामीणों से अपील करते हैं कि जंगल को बचाना हम सभी लोगों का जिम्मेवारी एवं कर्तव्य है । जंगल में लकड़ी काट रहे लोगों की अगर किसी प्रकार जानकारी मिले तो तुरंत सूचित करें ।ताकि आरोपी पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई हो सके।

### उपायुक्त की अध्यक्षता में आपूर्ति विभाग की समीक्षात्मक बैठक आयोजित

हजारीबाग उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को समाहरणालय सभागार में आपूर्ति विभाग की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम एवं झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत संचालित योजनाओं की प्रगति की क्रमवार समीक्षा की गई।बैठक के दौरान उपायुक्त ने ई-केवाईसी, राइटफुल टारगेटिंग बेनिफिशरी, आरसीएमएस, सेल्फ सरेंडर, गोदाम मरम्मती, धान अधिप्राप्ति, डोर स्टेप डिलीवरी,जनवितरण प्रणाली विक्रेता, चना-दाल, चीनी, नमक वितरण,अंत्योदय योजना तथा सफेद एवं हरित राशन कार्ड के अंतर्गत लाभुकों के आच्छादन स्थिति की समीक्षा की।उपायुक्त ने सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि वे क्षेत्र भ्रमण कर डीलरों के कार्यों की समीक्षा सुनिश्चित करें। ई-केवाईसी के संबंध में उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि जिन लाभुकों का ई-केवाईसी नहीं हुआ है, उसके कारण की रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

### सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित, ब्लैक स्पॉट पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश

हजारीबाग। हजारीबाग उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में आज 24 जुलाई को समाहरणालय सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के विभिन्न दुर्घटना संभावित क्षेत्रों की समीक्षा की गई एवं सड़क सुरक्षा से संबंधित आवश्यक निर्णय लिए गए।बैठक के उपरांत उपायुक्त ने सड़क सुरक्षा टीम के साथ जिले के विभिन्न दुर्घटना प्रभावित क्षेत्रों का संयुक्त निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सभी चिन्हित ब्लैक स्पॉट पर आवश्यक सुरक्षात्मक साइनबोर्ड, रम्बर स्ट्रिप तथा स्पीड ब्रेकर यथाशीघ्र लगाने का निर्देश दिया।

### गोरहर गांव की रहस्यमयी दास्तान, पत्थर बनी जतवा बाबा से आज भी सुनाई देती है ढोल की आवाज

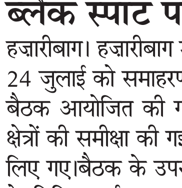

बरकट्ठा(हजारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड के गोरहर पंचायत में एक ऐसी रहस्यमयी जगह है जहां सतयुग की जतवा आज भी पत्थर के रूप में खड़ी है। मान्यता है कि कुल देवी के श्राप से चोर-चोरनी समेत पूरी जतवा को पत्थर में बदल दिया गया था।चौंकाने वाली बात यह है कि आज भी वहां मौजूद पत्थरों से ढोल-नगाड़ों जैसी ध्वनियाँ सुनाई देती हैं। जिसे ग्रामीण चमत्कार और श्राप का प्रतीक मानते हैं।

## रामचंद्र चंद्रवंशी विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में युवाओं को दिया गया डिग्री - डिप्लोमा

### महामहिम राज्यपाल संतोष गंगवार व पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास हुए शामिल

कौशल किशोर, संवाददाता विश्रामपुर

पलामू : विश्रामपुर के नावाडीह कला स्थित रामचंद्र चंद्रवंशी विश्वविद्यालय का द्वितीय दीक्षांत समारोह गुरुवार को हुआ। समारोह का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि महामहिम राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार,विशिष्ट अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास,विश्वविद्यालय के संस्थापक पूर्व मंत्री रामचंद्र चंद्रवंशी व कुलाधिपति डॉ ईश्वर सागर चंद्रवंशी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। समारोह में छात्र - छात्राओं को राज्यपाल द्वारा डिग्री - डिप्लोमा व मेडल प्रदान किया गया। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि यह केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं,बल्कि शिक्षकों,विद्यार्थियों,अभिभावकों और पूरे पलामू क्षेत्र के लिये एक गौरवशाली क्षण है,जो मेहनत,समर्पण और संकल्प की परिणति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि पलामू की यह वीरभूमि अपनी सांस्कृतिक समृद्धि,नैसर्गिक सौंदर्य और क्रांतिकारी चेतना के लिए जानी जाती है। इस पावन धरती को नमन करता हूँ,विशेष रूप से नीलाम्बर - पीताम्बर जैसे महान स्वतंत्रता सेनानियों को,जिनकी शहादत ने भारत के स्वाधीनता संग्राम को नई ऊर्जा और दिशा प्रदान की। आज इस पुनीत भूमि पर शिक्षा का दीप प्रज्वलित होते देखना हर्ष का विषय है। श्री गंगवार ने कहा कि राज्य के पूर्व मंत्री रामचंद्र चंद्रवंशी को शिक्षा के क्षेत्र में उनकी सक्रिय भागीदारी के लिए हार्दिक बधाई देता हूँ। उन्होंने विश्वविद्यालय की स्थापना कर एक सशक्त,शिक्षित व जागरूक समाज की नींव रखने की दिशा में अहम कार्य किया है। इस क्षेत्र की शिक्षा व्यवस्था को लेकर जनमानस को उनसे बड़ी अपेक्षाएँ जुड़ी हैं। मुझे आशा है कि आप इस विश्वास पर खड़ा उतरेंगे। उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुये कहा कि आज का दिन आपके जीवन की एक विशेष उपलब्धि का प्रतीक है,जिसे केवल 'डिग्री' कहकर सीमित नहीं किया जा सकता। यह आपके अनुशासन, परिश्रम और प्रतिबद्धता की साक्षी है। साथ ही यह दिन आपके सामाजिक उत्तरदायित्व की शुरुआत भी है। विद्यार्थियों में ज्ञान के साथ-साथ संवेदनशीलता और सहभागिता की चेतना का विकास भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हमारा देश माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नए भारत के निर्माण की दिशा में निरंतर अग्रसर है। सबका साथ,सबका विकास,सबका विश्वास और सबका प्रयास यह मंत्र केवल एक नीति नहीं,बल्कि राष्ट्रीय चेतना का आह्वान है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में युवाओं को स्टार्टअप,नवाचार,स्किल डेवेलपमेंट व आत्मनिर्भरता की दिशा में जो अवसर मिल रहे हैं,वे अभूतपूर्व हैं। ऐसे में विश्वविद्यालयों की यह ज़िम्मेदारी है कि वे विद्यार्थियों को केवल नौकरी खोज वाला नहीं,बल्कि रोजगार सृजक,अन्वेषक और सेवा प्रेरित नागरिक बनने की प्रेरणा दें। कहा कि यह विश्वविद्यालय केवल डिग्री देने वाला संस्थान न बने,बल्कि राष्ट्र निर्माण में सक्रिय,जागरूक,उत्तरदायी और संवेदनशील नागरिकों का निर्माण करने वाला केंद्र बने। यही होगी नीलाम्बर-पीताम्बर जैसे महापुरुषों के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि और आत्मनिर्भर भारत की सुदृढ़ नींव। उन्होंने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि आपके सपने साकार हों,आपकी सोच ऊँचाइयाँ छुए और आपके कार्यों से देश और समाज को गर्व हो। समारोह के विशिष्ट अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने कहा कि दीक्षांत समारोह शैक्षणिक जीवन के अंत और एक नए जीवन की शुरुआत का प्रतीक है। यह एक महत्वपूर्ण अवसर है जो छात्रों व उनके परिवारों और शिक्षकों के लिए यादगार होता है। यह यादगार पल आपके लगन व प्रतिभा का फल है,अब आप किसी भी चुनौतियों का सामना कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश का युवा शक्ति पूरे विश्व में अपने प्रतिभा का लोहा मनवा रहा है। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशा और वीडियो रिल से दूर रहने की जरूरत है। क्योंकि यह दिनों आपके भविष्य को कमजोर बनाता है। श्री दास ने विश्वविद्यालय के संस्थापक रामचंद्र चंद्रवंशी को बधाई देते हुए कहा कि एक समय जिस क्षेत्र में भय व अशांति का माहौल था। उस क्षेत्र को उन्होंने उच्च शिक्षा का हब बना दिया। विश्वविद्यालय के संस्थापक पूर्व मंत्री रामचंद्र चंद्रवंशी ने कहा कि शैक्षणिक संस्थान खोलने की प्रेरणा मुझे मां से मिली थी। जब हमने शैक्षणिक संस्थान खोलने की शुरुआत की थी तब यह क्षेत्र नक्सल उग्रवाद से अति प्रभावित था। शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना से यहां का माहौल बदला और देखते ही देखते युवाओं ने हथियार फेंककर कलम पकड़ा। आज तो विश्रामपुर उच्च व तकनीकी शिक्षा का हब बन गया है। यहां से शिक्षा ग्रहण कर युवा देश प्रदेश का नाम रौशन कर रहे हैं। वहीं कुलाधिपति डॉ ईश्वर सागर चंद्रवंशी ने विश्वविद्यालय के सफरनामा पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास को रामचंद्र चंद्रवंशी विश्वविद्यालय द्वारा डॉक्टरेट की मानक उपाधि दी गयी। श्री दास को यह मानक उपाधि राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार, विश्वविद्यालय के संस्थापक पूर्व मंत्री रामचंद्र चंद्रवंशी व कुलाधिपति डॉ ईश्वर सागर चंद्रवंशी द्वारा संयुक्त रूप से प्रदान किया गया। दीक्षांत समारोह में रामचंद्र चंद्रवंशी विश्वविद्यालय द्वारा संचालित 39 शैक्षणिक संस्थानों के कुल आठ हजार 190 छात्र -छात्राओं को डिग्री डिप्लोमा प्रदान किया गया। दीक्षांत समारोह में डीआईजी नौशाद आलम,डीसी समीरा एस,एसपी रेशमा रमेशन,एसडीएम सुलोचना मीणा,एसडीपीओ आलोक कुमार टूटी,नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय के चांसलर दिनेश कुमार सिंह,आरसीयू के कुलपति डॉ एस के झा,रजिस्टार देवाशीष मंडल,पुलिस निरीक्षक रामाशीष पासवान,थाना प्रभारी ऋषिकेश दुबे,वरीय भाजपा नेता भोला चंद्रवंशी,भाजपा जिला उपाध्यक्ष रामचंद्र यादव,शिवबंश मिश्रा,उमेश चंद्रवंशी,राजन पांडेय,इदरीश हवारी,संजय चंद्रवंशी,रवींद्र नाथ उपाध्याय,बबन राम,विजय कुमार रवि,सुनील कुमार चौधरी सहित कई लोग मौजूद थे। दीक्षांत समारोह में शामिल होने से पहले महामहिम राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने आरसीयू के प्रशासनिक भवन का उद्घाटन किया। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने छात्रावास भवन का उद्घाटन किया।

## हज़ारीबाग शहर से सांसद तीर्थ दर्शन महाअभियान की छठे जत्थे हुए रवाना, चार धाम का यात्रा कर सकेंगे 65 तीर्थयात्री

हज़ारीबाग। हज़ारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद और जननेता मनीष जायसवाल द्वारा बुजुर्गों के सम्मान में हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के चलाए जा रहे महत्वाकांक्षी "सांसद तीर्थ दर्शन" महाअभियान के तहत गुरुवार को छठा जत्था सी तीर्थाटन के लिए रवाना हुआ। इस बार हजारीबाग नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या 29 स्थित ग्वालटोली चौक से 65 तीर्थयात्रियों का उत्साहपूर्वक समूह उत्तर प्रदेश के चार प्रमुख तीर्थ स्थलों यथा तीर्थराज प्रयाग, काशी विश्वनाथ, अयोध्या, और मां विंध्यवासिनी के दर्शन और पूजन के लिए निकला।यह जत्था लेपो रोड स्थित लक्ष्मी सिनेप्लेक्स सभागार से रवाना हुआ। जहाँ भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने ढोल-ताशे के साथ तीर्थयात्रियों का भव्य सम्मान किया। सांसद मनीष जायसवाल की ओर से सभी श्रद्धालुओं को तीर्थाटन किट और अंग-वस्त्र भेंट किए गए। इसके बाद विशाल भगवा ध्वज लहराते हुए और डीजे के साथ गाजे-बाजे की धुन पर नाचते- झूमते हुए और यात्रियों पर पुष्प वर्षा करते हुए जीटीसी चौक, पंचमंदिर चौक, झंडा चौक, भगत सिंह चौक, कालीबाड़ी चौक और बंशीलाल चौक होते हुए पदयात्रा की। यह पदयात्रा हजारीबाग के प्रसिद्ध तीर्थस्थल बूढ़वा महादेव तक निकाली गई। जहाँ सभी तीर्थयात्रियों ने बूढ़वा महादेव का आशीर्वाद प्राप्त कर अपनी चार धाम यात्रा के लिए प्रस्थान किया। इस अवसर पर उपस्थित भाजपा कार्यकर्ताओं और सांसद समर्थकों ने सभी तीर्थयात्रियों की सुखद यात्रा की कामना की।सांसद मनीष जायसवाल द्वारा शुरू किया गया "सांसद तीर्थ दर्शन" महाअभियान समाज में बेहद लोकप्रिय हो रहा है। इस अभियान का पहला जत्था कटकमदाग प्रखंड के खपरियावां और नवादा पंचायत से, दूसरा जत्था विष्णुगढ़ प्रखंड के अचलजामु पंचायत से, तीसरा जत्था केरेडारी प्रखंड के पेटो पंचायत से, चौथा जत्था पद्मा प्रखंड के पद्मा पंचायत से और पांचवां जत्था रामगढ़ जिले के चितरपुर प्रखंड स्थित भूचुंगडीह पंचायत से सफलतापूर्वक चार धाम की यात्रा कर सकुशल वापस आ चुके हैं। छठे जत्थे में हजारीबाग नगर क्षेत्र के वार्ड संख्या 29 के ग्वालटोली से यात्रियों को भेजा गया है जो इस अभियान की व्यापकता को दर्शाता है।सांसद जायसवाल ने इस यात्रा के लिए एक विशेष वातानुकूलित बस की व्यवस्था की है, जिसे यात्रियों की सुविधा के लिए कई प्रकार की सुविधाओं से लैस किया गया है।

## आखिरकार जनसमस्या को लेकर सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी की कोशिश का अस्पताल प्रबंधन पर हुआ असर

हज़ारीबाग। हज़ारीबाग के शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) का क्रियान्वयन एक सराहनीय पहल है। लेकिन पिछले करीब 15 दिनों से मरीजों को ऑनलाइन पर्ची बनवाने में आ रही समस्याओं को अस्पताल प्रबंधन द्वारा लगातार अनदेखा किया जा रहा था। जैसे ही इस गंभीर समस्या की जानकारी हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल को उन्होंने उन्होंने तत्काल संज्ञान लिया और इस मामले से हजारीबाग के उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह को अवगत कराया और अपने हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी को अस्पताल प्रबंधन से बात करने का निर्देश दिया। इसके बाद बुधवार को सांसद मनीष जायसवाल के निर्देश पर रंजन चौधरी ने मेडिकल कॉलेज अस्पताल के अधीक्षक डॉ.अनुकरण पूर्ति से सीधी बात की और रजिस्ट्रेशन काउंटर पर आ रही समस्याओं को उनके समक्ष विस्तार से रखा। मेडिकल कॉलेज अस्पताल के अधीक्षक डॉ. अनुकरण पूर्ति ने इस जनसमस्या को गंभीरता से लिया और उन्हें आश्वस्त किया कि जल्द ही ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन काउंटर बहाल कर समस्या का समाधान किया जाएगा। उन्होंने महज़ 24 घंटे के भीतर ही मेडिकल कॉलेज अस्पताल के एसोसिएट प्रोफेसर सह ट्रॉमा सेंटर के नोडल अधिकारी डॉ. अभिषेक कुमार को ट्रॉमा सेंटर में ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन काउंटर बहाल करने का निर्देश दिया।
गुरुवार दोपहर को डॉ. अभिषेक कुमार ने इस समस्या को मेडिकल कॉलेज अस्पताल प्रबंधन के समक्ष रखने वाले सांसद मनीष जायसवाल के मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी को अस्पताल बुलाकर उनकी उपस्थिति में ही मोबाइल विहीन या तकनीकी जानकारी से अनभिज्ञ मरीजों के त्वरित इलाज के लिए ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन काउंटर की शुरुआत कर दी। इस व्यवस्था के बहाल होने के बाद अब मेडिकल कॉलेज अस्पताल में ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह की रजिस्ट्रेशन सुविधा उपलब्ध हो गई है। स्मार्ट फोन धारक और तकनीकी जानकार लोग तुरंत ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराकर इलाज करवा सकते हैं, वहीं जिन लोगों के पास मोबाइल नहीं है या तकनीकी जानकारी का अभाव है वे अब ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन काउंटर की सुविधा का लाभ उठा रहे हैं।ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन काउंटर बहाल होने पर सांसद मनीष जायसवाल के हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने मेडिकल कॉलेज अस्पताल के अधीक्षक डॉ. अनुकरण पूर्ति और एसोसिएट प्रोफेसर सह ट्रॉमा सेंटर के नोडल अधिकारी डॉ. अभिषेक कुमार को स्थिति को गंभीरता से लेने और त्वरित निदान करने के लिए धन्यवाद दिया और उनके इस प्रयास को सराहा।

## हाथियों की झुंड ने उत्क्रमित मध्य विद्यालय में पहुंचाई काफी नुकसान, रखे सामानों को किया क्षतिग्रस्त

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत बरकनगांगो पंचायत के ग्राम छुतहरी कटिया उत्क्रमित मध्य विद्यालय में हाथियों की झुंड ने काफी नुकसान पहुंचाई है।बुधवार 23 जुलाई की रात लगभग 12:30 बजे हाथी ने विद्यालय के कार्यालय, वर्ग कक्ष के दरवाजे और खिड़की को तोड़ दिया।कमरे में रखे सामानों को क्षतिग्रस्त कर बिखेर दिया। गुरुवार की सुबह प्रधानाध्यापक दिनेश कुमार और शिक्षक को विद्यालय पहुंचने पर इसकी जानकारी हुई।जिसकी सूचना मिलने पर प्रखंड विकास पदाधिकारी रोशमा डुंगडुंग ने विद्यालय पहुंचकर जानकारी ली। जानकारी हो कि चार माह पूर्व भी इस विद्यालय में हाथियों के द्वारा दीवार, खिड़की व दरवाजा तोड़कर क्षतिग्रस्त कर अनाज खा गया था।वही इस प्रकार से हाथियों के द्वारा विद्यालय को नुकसान पहुंचाने से ग्रामीणों तथा बच्चों में भय का माहौल व्याप्त है।

## प्रखंड कार्यालय में पदाधिकारीयों एवं अन्य कर्मियों के कार्यालय आने का समय किया अंकित

बड़कागांव(हज़ारीबाग)। प्रखंड कार्यालय के बारे में बार-बार मिले शिकायत, व्याप्त भ्रष्टाचार एवं पदाधिकारी व अन्य कर्मियों का कार्यालय आने की अनिश्चित समय सारणी को लेकर बड़कागांव प्रखंड प्रमुख फुलवा देवी, उप प्रमुख वचनदेव कुमार एवं पंचायत समिति सदस्यों ने प्रखंड कार्यालय सह अंचल कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। प्रमुख, उप प्रमुख एवं पंचायत समिति सदस्यों ने प्रखंड कार्यालय के दरवाजे में बैठकर पदाधिकारी का आने का समय अंकित किया। इस दौरान दोनों कार्यालय के पदाधिकारीयों एवं अन्य कर्मी 10 बजे से लेकर 12:00 तक आकर कार्यालय में अपनी उपस्थिति दर्ज कराया, जिसे देखते हुए काम करवाने के लिए इंतजार कर रहे हैं ग्रामीणों ने इसकी आलोचना की। ग्रामीणों ने अंचल कार्यालय का शिकायत करते हुए कहा कि प्रत्येक दिन पदाधिकारीयों का यही नौकरशाही रवैया है। एक ही काम को करवाने के लिए बार-बार अंचल का चक्कर लगाना पड़ रहा है। वहीं कुछ पदाधिकारी फील्ड वर्क के नाम का हवाला देते हुए अपने कार्यालय में उपस्थित हुए। प्रमुख फुलवा देवी एवं उप प्रमुख वचनदेव कुमार ने कहा कि बड़कागांव अंचल की कार्य शैली इतनी निम्न स्तर की हो गई है कि हर ग्रामीण आज अंचल कार्यालय का निंदा कर रहे हैं। शायद इससे पूर्व कार्यालय की ऐसी स्थिति नहीं हुई थी। उन्होंने आगे कहा कि हर विद्यालय एवं अन्य कार्यालय में बायोमेट्रिक सिस्टम से हाजिरी बनाई जाती है तो प्रखंड कार्यालय सह अंचल कार्यालय में बायोमेट्रिक हाजिरी बनाने वाली मशीन अब तक क्यों नहीं लगाई गई है। आगे ग्रामीणों के द्वारा प्रखंड कार्यालय में बायोमेट्रिक सिस्टम से हाजिरी बनाने की मांग की गई है।मौके पर मुख्य रूप से प्रमुख फुलवा देवी, उप प्रमुख वचन देव कुमार, पंचायत समिति सदस्य उपेंद्र कुमार प्रसाद, रितेश ठाकुर, प्रभु राम, रंजीत चौबे, उर्मिला कुमारी, सुनीता देवी के अलावा प्रमुख प्रतिनिधि हेमंत भुइंया, बृजेश कुमार, सुरेश चौधरी, संतोष मेहता व अन्य उपस्थित थे।


**वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, रॉंची।**
**सर्वसाधारण के लिए सूचना।**

**अज्ञात पुरूष का शव उम्र करीब–48 वर्ष, ऊँचाई–5 फिट 4 ईंच, पहनावा–नीचे नीला रंग का टी शर्ट एवं ब्राउन रंग का हाफ पैंट तथा गर्दन में उजला माला पहना हुआ।**

उपरोक्त अज्ञात पुरूश का शव लोअर बाजार थाना अन्तर्गत सदर अस्पातल, रॉंची में ईलाज के दौरान चिकित्सकों द्वारा मृत घोषित किया। जिसके संबंध लोअर बाजार थाना यु0डी0 काण्ड सं0–08/2025, दिनांक–13.07.2025 दर्ज किया गया है। इनकी पहचान हेतु जनता का सहयोग अपेक्षित है।

अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि आपको इस अज्ञात पुरूश के शव के बारे में जानकारी हो तो वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय रॉंची में या संबंधित थाना या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

पुलिस उपाधीक्षक, नगर, रॉंची। – 9431706139
थाना प्रभारी लोअर बाजार, रॉंची। – 9431706171

PR 358039 Police (25-26)D

पुलिस उप–महानिरीक्षक–सह–
वरीय पुलिस अधीक्षक,रॉंची।



**कार्यालय, जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, गुमला।**
**SP आवास के पास, करमटोली रोड, गुमला–7209721521**
**Email Id- fisheriesgumla2018@gmail.com**

**प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना अन्तर्गत धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्श अभियान (DAJGUA) के तहत् अति अल्पकालीन आवेदन आमंत्रण सूचना**

एतद् द्वारा गुमला जिले के सभी अनुसूचित जनजाति के मत्स्य कृषकों एवं मत्स्य पालकों को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2025–26 में झारखण्ड सरकार, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (पशुपालन प्रभाग) के राज्यादेश संख्या 04 रा0(वि0) दिनांक 10.06.2025 द्वारा "प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना" अन्तर्गत "धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्श अभियान (DAJGUA)" के तहत् प्राप्त लक्ष्य के विरूद्ध दिनांक **31-07-2025** तक आवेदन आमंत्रित किये जाते है। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के इतर **DAJGUA** में सरकार का अनुदान अधिक है। इस योजना के तहत् जनजातीय लाभुक जनित योजनाओं जिसमें Community Forest Resourse (CFR) Holders of Tribal भी सम्मिलित किये गये हैं, में सरकार का अनुदान कुल इकाई लागत **90 % (केन्द्रांश 60 : राज्यांश 40)** तथा शेष **10%** लाभुक का अंशदान है। वित्तीय वर्ष 2025–26 हेतु लाभुक जनित योजनाएँ निम्नांकित हैः–

| क्र0 | योजना का नाम | ईकाई (सं0) | ईकाई लागत (लाख में) | लक्ष्य | कोटि | अनुदान की राशि (ला0में) | लाभुक का अंशदान (ला0में) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | मोटर साईकिल आईस बॉक्स सहित | 1 | 0.75 | 1 | ST | 0.675 | 0.075 |
| 2 | तीन पहिया वाहन आईस बॉक्स सहित | 1 | 3.00 | 1 | ST | 2.70 | 0.30 |

उक्त योजना अन्तर्गत लाभ लेने हेतु गुमला जिला के अनुसूचित जनजाति के मात्स्यिकी से जुड़े कृषकों अथवा मात्स्यिकी से जुड़ने हेतु इच्छुक व्यक्तियों के लिए जिला मत्स्य कार्यालय, गुमला से आवेदन का प्रपत्र कार्यालय में निःशुल्क उपलब्ध है।

साथ ही वित्तीय वर्ष 2023–24 में प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना अन्तर्गत राज्यादेश संख्या 29 दिनांक 01.12.2023 द्वारा प्राप्त Small RAS (01 Tank) एवं Backyard Ornamental Fish Unit योजना हेतु प्राप्त लक्ष्य के विरूद्ध उपलब्धि भोश रह गई है, जिस हेतु Small RAS (01 Tank) एवं Backyard Ornamental Fish Unit योजना हेतु दिनांक **31-07-2025** तक आवेदन आमंत्रित किये जाते है।

जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, गुमला।

PR.NO.358110 Fish(25-26):D



**झारखण्ड सरकार, कार्यपालक अभियंता का कार्यालय**
**पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गोन्दा, रॉंची**

**अति अल्पकालिन ई0 प्रोक्योरमेन्ट निविदा सूचना**

**T. Reference No. :- 12/O & M /Gonda Date 24-07-2025**

| Si.No. | Name of Work | Estimated Cost (in Lakhs.) | Bid Security (Lakhs.) | Cost of BOQ (Rs.) | Time of Completion |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | Annual Operation & maintenance of Gonda Water treatment plant under town water supply under D. W. & S. Division, Gonda, Ranchi for three Years **3 (Three) Years ( 2025-26, 2026-27 & 2027-28)** | 497.52130 | 10.00000 | 10000.00 | 3 Years |
| 2. | Date of Tender Uploading on Website | 04.08.2025/02.00 PM. | | | |
| 3. | Document Download / Sale Start Date | 04.08.2025/02.00 PM. | | | |
| 4. | Pre-Bid Meeting Date | 06.08.2025/05.00 PM. | | | |
| 5. | Pre-Bid Meeting Place | Regional Chief Engineer D.W. & S. Department,Ranchi Zone Ranchi. | | | |
| 6. | Bid Submission Start Date | 07.08.2025/10.00 AM. | | | |
| 7. | Bid Submission End Date | 12.08.2025/04.00 PM. | | | |
| 8. | Date of Opening of Tender | 14.08.2025/04.00 PM. | | | |
| 9. | Name & Address of Office Inviting Tender | Executive Engineer, Drinking Water & Sanitation Division, Gonda, Ranchi. | | | |
| 10. | Name & Address of Opening Officer | Executive Engineer, Drinking Water & Sanitation Division, Gonda, Ranchi. | | | |
| 11. | Contact No. Of Procurement Office | 9931714236 | | | |

नोट :– 1. निविदा की राशि घट बढ सकती है। विशेष जानकारी के लिये वेबसाईट – http://jharkahnd tenders.gov.in पर देखा जा सकता है।
2. परिमाण विपत्र का मूल्य एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
3. परिमाण विपत्र का मूल्य एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान संवेदक द्वारा जिस बैंक खाता से किया जाएगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर उस बैंक खाता को बन्द कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही निविदाकार की होगी।

कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गोन्दा, रॉंची।

PR.NO.358092 Drinking Water and Sanitation(25-26):D

## संक्षिप्त खबरें...

### पूर्व लोकसभा उपाध्यक्ष कड़िया मुंडा की तबीयत में सुधार, स्वास्थ्य मंत्री ने की मुलाकात

रांचीः मेडिका अस्पताल में स्वास्थ्य कारणों से एडमिट भाजपा के वरिष्ठ नेता व खूंटी के पूर्व सांसद कड़िया मुंडा से स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने बुधवार को भेंट की. उनहे मुलाकात कर हालचाल जाना। साथ ही डॉक्टर्स को बेहतर इलाज सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मीडिया से बात करते मंत्री ने कहा किस्थिति नियंत्रण में है, शीघ्र स्वस्थ होकर श्री मुंडा डिस्चार्ज होंगी. इससे पहले बुधवार को सीएम हेमंत सोरेन, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी सहित अन्य नेताओं ने भी कड़िया मुंडा से भेंटकर उनके बेहतर स्वास्थ्य की कामना की थी।

### पंचायत सचिव को एसीबी की टीम ने पैंतीस सौ रूपये घुस लेते हुए किया गिरफ्तार

रांचीःपंचायत सचिव को एसीबी की टीम ने पैंतीस सौ रूपये घुस लेते हुए गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार पंचायत सचिव का नाम संतोष है. पंचायत सचिव जनमन आवास योजना के नाम घुस मांग रहा था. जनमन आवास योजना अंतर्गत एक पक्का मकान बनाने का योजना स्वीकृत हुआ है. जिसका योजना संख्या JH151989-540 एवं योजना का प्रा॰राशि- दो लाख बीस हजार रुपए है. आवेदक को अबतक तीस हजार रूपये मिल चुका है. प्राक्कलित राशि का शेष रकम भुगतान के लिए पंचायत सचिव संतोष कुमार ने आवेदक से सात हजार पांच सौ रूपये घुस मांग रहा था। पंचायत सचिव संतोष कुमार द्वारा बोला जा रहा था कि रूपये नहीं दिजियेगा तो जियोटेक नहीं करेंगे. इस मामले की जानकारी एसीबी की टीम को दी गई. मामले की जानकारी मिलने के बाद एसीबी की टीम ने जांच की मामला सही पाया गया. जिसके बाद पंचायत सचिव की गिरफ्तारी की गई.

### मंत्री संजय ने भी कांवड़ यात्रा का अर्जित किया पुण्य

रांचीः श्रम नियोजन मंत्री संजय प्रसाद यादव ने बासुकीनाथ मंदिर (दुमका) में माथा टेका. इससे पहले उन्होंने अपनी धर्मपत्नी कल्पना देवी और परिजनों सहित कांवड़ यात्रा का भी पुण्य अर्जित किया. संजय यादव ने इसकी जानकारी देते बताया कि उन्होंने अपनी धर्मपत्नी और 15 परिजनों सहित कांवड़ यात्रा पूरी की. बाबा धाम, देवघर और बाबा बासुकीनाथ धाम में पूजा अर्चना कर जलार्पण किया. इस दौरान गोड्डा विधानसभा सहित झारखंड वासियों के साथ साथ समस्त देशवासियों के लिए सुख, समृद्धि और की कामना की. गौरतलब है कि श्रावण मास आरंभ होने के साथ 14 अगस्त की पहली सोमवारी से ही बड़ी संख्या में शिव भक्त बाबानगरी से लेकर बासुकीनाथ धाम पहुंच रहे हैं. इसके लिए राज्य सरकार की ओर से व्यापक तैयारी की गई है

### सिविल सेवा की प्रारंभिक परीक्षा पास करने वाले स्टूडेंट्स को मेंस एग्जाम की तैयारी के लिए मिलेगी आर्थिक मदद

रांचीः एसटी, एससी वर्ग के ऐसे स्टूडेंट्स जिन्होंने यूपीएससी की ओर से आयोजित सिविल सेवा परीक्षा में प्रारंभिक परीक्षा पास की है, उन्हें मुख्य परीक्षा और इंटरव्यू की तैयारी के लिए राज्य सरकार मदद देगी. वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए ऐसे स्टूडेंट्स को एक लाख रुपए (एकमुश्त) राशि उपलब्ध करायी जायेगी. इसके लिए आदिवासी कल्याण आयुक्त कार्यालय (झारखंड सरकार) की ओर से सूचना जारी करते योग्य कैंडिडेट से 31 जुलाई 2025 तक आवेदन करने को कहा गया है. आरक्षित वर्ग के ऐसे ही कैंडिडेट आवेदन करेंगे जिन्होंने झारखंड से ही इंटरमीडिएट और ग्रेजुएशन किया हो. सभी स्रोतों से अधिकतम पारिवारिक आय 2.50 लाख रुपए से अधिक नहीं होनी चाहिए. कोई भी कैंडिडेट केवल एक बार ही इस योजना का लाभ ले सकता है. योग्य कैंडिडेट अपने आवेदन के साथ निवास प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, शैक्षणिक योग्यता से संबंधित प्रमाण पत्र और सिविल सेवा की प्रारंभिक परीक्षा पास किये जाने से संबंधित कागज (एडमिट कार्ड, परीक्षा पास करने संबंधी प्रमाण पत्र की स्व अभिप्रमाणित छायाप्रति) जमा करेंगे. बलिहार रोड, मोरहाबादी, रांची स्थित आदिवासी कल्याण आयुक्त कार्यालय के पते पर आवेदन जमा करना होगा. आवेदन पत्र और अन्य जानकारी के लिए वेबसाइट www.jstdc.org.in की मदद लें.

### हाईकोर्ट के वरीय अधिवक्ता वी. शिवनाथ और सिविल कोर्ट के वकील अयोध्या बाबू का निधन

रांची सिविल कोर्ट के जाने माने अधिवक्ता अयोध्या बाबू का भी गुरुवार को रांची में उनके निवास पर निधन हो गया. अयोध्या बाबू रांची में सिविल मामलों के प्रसिद्ध वकील थे. उक्त दोनों अधिवक्ताओं के निधन पर हाईकोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन और रांची सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन ने दुख व्यक्त किया है.

## पेज एक का शेष

### भारत में यूके की कारें-ब्रांडेड कपड़े सस्ते होंगे: दोनों देशों के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट साइन

**4. दवाइयां और मेडिकल डिवाइस** : भारतीय फार्मा कंपनियों को यूके में जेनेरिक दवाइयों के लिए आसान रजिस्ट्रेशन प्रोसेस मिलेगी। इससे भारत की दवाइयां यूके की हेल्थ सर्विस (NHS) में आसानी से पहुंचेंगी और दवाओं का अप्रूवल भी जल्दी मिलेगा।

**6. खाने-पीने का सामान, चाय, मसाले और समुद्री प्रोडक्ट्स** बासमती चावल, झींगा जैसे समुद्री प्रोडक्ट, प्रीमियम चाय और मसालों पर यूके का इम्पोर्ट टैक्स खत्म हो जाएगा। इससे असम, गुजरात, केरल, और पश्चिम बंगाल जैसे इलाकों की एक्सपोर्ट इंडस्ट्री को बड़ा बूस्ट मिलेगा।

**7. केमिकल्स और स्पेशलिटी मटेरियल्स:** एग्रोकेमिकल्स, प्लास्टिक और स्पेशल केमिकल्स पर टैक्स कम होने से गुजरात और महाराष्ट्र जैसे प्रमुख हब से निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। इस डील के तहत भारत का लक्ष्य है कि 2030 तक यूके में अपने केमिकल निर्यात को दोगुना कर दे।

**8. ग्रीन एनर्जी और क्लीनटेक** : ये समझौता रिन्यूएबल एनर्जी में जॉइंट वेंचर्स का रास्ता खोलेगा, जिसमें सोलर, ग्रीन हाइड्रोजन, और इलेक्ट्रिक व्हीकल इंफ्रास्ट्रक्चर शामिल हैं। यूके भारत के क्लीन एनर्जी सेक्टर में और निवेश करेगा, जिससे नई टेक्नोलॉजीज का को-डेवलपमेंट होगा।

**सवाल 3: इस डील से भारत की अर्थव्यवस्था को क्या फायदा होगा?**

जवाबः एफटीए भारत की अर्थव्यवस्था के लिए कई तरह से फायदेमंद है: रोजगार बढ़ेगाः टेक्सटाइल और चमड़ा जैसे लेबर बेस्ड सेक्टर में नई नौकरियां पैदा होंगी। टेक्सटाइल सेक्टर में रोजगार दोगुना हो सकता है।

निवेश में बढ़ोतरीः यूके की कंपनियां भारत में आईटी, फाइनेंशियल सर्विसेज और ग्रीन टेक्नोलॉजी में निवेश बढ़ाएंगी। यह भारत के मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर को मजबूत करेगा।

**आर्थिक विकासः** यह डील 2030 तक भारत-यूके व्यापार को 15% सालाना बढ़ाएगी। यह भारत के 100 बिलियन डॉलर के व्यापार लक्ष्य को हासिल करने में मदद करेगी।

# डोमिसाइल आंदोलन के महानायकों का बलिदान आज भी अधूरा: स्थानीय नीति का प्रस्ताव राजभवन पहुंचा, वहां अब तक नहीं हुई गंभीर पहल

रांची. राज्य की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने गुरुवार को डोमिसाइल आंदोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। वे रांची के मेकॉन स्थित त्रिमूर्ति चौक और शहीद स्थल पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में शामिल हुईं। इस कार्यक्रम का आयोजन डोमिसाइल शहीद स्मारक समिति द्वारा किया गया था। मंत्री शिल्पी ने इस अवसर पर कहा कि झारखंड के लिए 1932 के खतियान आधारित स्थानीय नीति आंदोलन को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि 24 जुलाई 2002 को इसी स्थान पर संतोष कुंकल, विनय तिग्गा और कैलाश कुजूर ने अपनी शहादत दी थी। यह केवल एक आंदोलन नहीं था, बल्कि राज्य की अस्मिता और अधिकारों के लिए दिया गया बलिदान था। इस आंदोलन से उनका भावनात्मक जुड़ाव भी रहा है।

### राजभवन में पड़ा है स्थानीय नीति का प्रस्ताव

शिल्पी ने कहा कि डोमिसाइल आंदोलन के महानायकों का बलिदान आज भी अधूरा है। राज्य सरकार ने वर्ष 2023 में 1932 खतियान आधारित स्थानीय नीति का प्रस्ताव विधानसभा से पारित कर राजभवन भेजा, लेकिन अब तक राजभवन की ओर से इस पर कोई गंभीर पहल नहीं हुई है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिन लोगों ने अपनी जान देकर झारखंडवासियों के अधिकारों की लड़ाई लड़ी, उनके परिजनों को आज भी न्याय नहीं मिला। सभा में मंत्री ने आश्वस्त किया कि डोमिसाइल आंदोलन में शहीद हुए युवाओं को शहीद का दर्जा देने तथा उनके परिजनों को सरकारी सुविधाएं प्रदान करने की मांग को वे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के समक्ष रखेंगी। उन्होंने भरोसा जताया कि संवेदनशील सरकार इस मांग को गंभीरता से लेगी और उचित निर्णय लेगी।

इस मौके पर शहीद स्मारक समिति के सदस्य संजय तिग्गा, बेलस तिर्की, शिवा कच्छप, जगदीश लोहरा, दीपू सिन्हा और जलील अंसारी सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी ने मिलकर आंदोलन के शहीदों को नमन किया और उनके सपनों को पूरा करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

### डोमिसाइल हिंसा में शहीद दीपक, बबलू व आरके सिंह को छात्र युवा संघर्ष समिति ने दी श्रद्धांजलि

रांची : आज छात्र युवा संघर्ष समिति द्वारा शहीद स्मारक में डोमिसाइल हिंसा में शहीद हुए दीपक, बबलू एवं आरके सिंह को शहीद स्मारक में सभा कर श्रद्धा सुमन अर्पित की गई. सभा में छात्र युवा संघर्ष समिति के कई सदस्य शामिल रहे. राज्य विभाजन के बाद 24 जुलाई 2002 को खिजरी विधानसभा आदर्श नगर हिंसा में शहीद हुए थे दीपक, बबलू और आर के सिंह. छात्र युवा संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष ललित ओझा ने बताया कि छात्र युवा संघर्ष समिति पूरे राज्य में डोमिसाइल की लड़ाई लड़ रही थी, उसी बीच हुई हिंसा में तीन कार्यकर्ता शहीद हो गए थे. जिनके लिए हर वर्ष छात्र युवा संघर्ष समिति श्रद्धा सुमन अर्पित करती है. हर वर्ष 24 जुलाई को समिति के सदस्य शहीद स्मारक पर एकत्रित हो कर उन्हें और उनकी कुर्बानी को याद कर श्रद्धांजलि देते हैं शहीदों को याद करने और श्रद्धांजलि देने के साथ-साथ समिति ने सरकार से मांग रखी है कि शहीदों के परिवार को सरकारी नियोजन में जगह दी जाए, उन्हें आवास की व्यवस्था दी जाए, इनको शहीद का दर्ज दिया जाए और इनकी प्रतिमा कहीं पर स्थापित की जाए.

## झारखंड में हर एक परिवार को लाह उत्पादन से जुड़ने की जरूरत- शिल्पी नेहा तिर्की

रांचीः झारखंड में हर एक परिवार को लाह उत्पादन से जुड़ने की जरूरत है . देश भर में लाह की बढ़ती मांग के मद्दे नजर ये किसानों के लिए आर्थिक समृद्धि का सबसे सशक्त माध्यम साबित हो सकता है . सिद्धको फेड और झास्को लैंपफ के जरिए 12 हजार किसानों को लाह उत्पादन का प्रशिक्षण दिया जाएगा . लाह उत्पादन करने वाले किसान अपने गांव परिवार के दस - दस नये किसानों को जोड़कर लाह उत्पादन के क्षेत्र में बड़ी क्रांति ला सकते है . ये बात राज्य की कृषि , पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कही है . वो बतौर मुख्य अतिथि झारखंड राज्य सहकारी लाह क्रय - विक्रय एवं आहरण संघ लिमिटेड ( झास्को लैंपफ) में एक दिवसीय सहकारिता समागम को संबोधित कर रही थी . इस समागम के मौके पर भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा का अनावरण , कांफ्रेंस हॉल एवं भंडारण केंद्र का शिलान्यास और लैक संग्रहालय एवं मनोरंजन केंद्र का उदघाटन किया गया . इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में खिजरी विधायक राजेश कच्छप भी मौजूद थे .

लाह उत्पादन के क्षेत्र में झारखंड देश में पहले स्थान पर है . देश में कुल लाह उत्पादन में झारखंड की हिस्सेदारी 55 प्रतिशत है . मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि 1 किलो लाह का बाजार मूल्य 12 सौ रुपए है , ये दूसरे फसल से कहीं ज्यादा मुनाफा देने वाला उत्पाद है . अभी हाल ही में वनोपज का MSP दर बढ़ाने के लिए मेरे द्वारा केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्रालय को पत्र भी लिखा गया है . मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि किसानों को लाह उत्पादन में अपना जीवन संवारने के लिए लाह केंद्र को अपना दूसरा घर बनाना होगा . बिहार के जमाने में इस संस्थान को लोग अपना दूसरा घर मानकर ही जुड़ते और प्रशिक्षण लेते थे . किसान यहां लाह उत्पादन का प्रशिक्षण के साथ - साथ वैज्ञानिक तकनीक से लाह उत्पादन के बारीकियों को सिख सकते है . सरकार आज के दिन लाह उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए हर तरह का सहयोग कर रही है . लाह उत्पादन के प्रशिक्षण के लिए सिद्धको फेड के द्वारा 10 हजार और झास्को लैंपफ के द्वारा 2 हजार किसानों को प्रशिक्षण दिया जाना है . इस प्रशिक्षण का लाभ उठा कर किसान अपने जीवन में बड़ा बदलाव ला सकते है . मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि सरकार लाह उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए लाह केंद्र का 100 प्रतिशत क्षमता के साथ संचालन , समितियों को 100 प्रतिशत अनुदान पर टूल किट्स उपलब्ध कराने को तैयार है . किसानों को संबोधित करते हुए विशिष्ट अतिथि सह खिजरी विधायक राजेश कच्छप ने कहा कि राज्य की कृषि मंत्री से किसानों को काफी उम्मीद है इनके अंदर किसानों के लिए कुछ करने का जज्बा भी दिखता है . आज लाह उत्पादन के लिए सिर्फ कुसुम के पेड़ तक ही किसान सीमित नहीं है दूसरे पेड़ का सहारा लेकर भी लाह का बेहतर उत्पादन किया जा रहा है . उन्होंने कहा कि इस संस्थान से किसानों को काफी कुछ उम्मीदें है और वो खुद इस संस्थान पर निगरानी रखेंगे . इस मौके पर लाह के उत्पादन में अतुलनीय कार्य करने वाले किसानों और प्रगतिशील समिति को सम्मानित करने के साथ - साथ किसानों के बीच टूल किट्स का वितरण किया गया .

## निशिकांत की पत्नी के खिलाफ 47वां मुकदमा दर्ज भड़के बाबूलाल, सीएम से की संज्ञान लेने की अपील

रांचीः नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने गोड्डा सांसद डॉ निशिकांत दुबे की पत्नी के खिलाफ एक और केस दर्ज होने पर नाराजगी जताई है. सीएम हेमंत सोरेन से इस मामले में संज्ञान लेने की अपील भी की है. सोशल मीडिया पर अपनी चिंता जाहिर करते कहा है कि राजनीति में दोस्ती और दुश्मनी अपनी जगह है, लेकिन इस प्रतिस्पर्धा में नेताओं के समर्थकों या विशेषकर महिलाओं और परिवार को घसीटना राजनीतिक शुचिता के खिलाफ है. बाबूलाल ने कहा कि सुनने में आया है कि सांसद निशिकांत की धर्मपत्नी पर 47वां मुकदमा दर्ज किया गया है.निशिकांतजी के समर्थक देवता पांडेय को गिरफ़्तार भी किया गया है. सीएम का ध्यान आकृष्ट करते उन्होंने कहा कि संभव है कि यह सब आपकी जानकारी के बिना हुआ हो और आपके कुछ महत्वाकांक्षी अधिकारियों का कारनामा हो. ऐसे अफ़सर वही लोग हैं जिन्होंने अतीत में अपने निजी स्वार्थ के लिये आपको इस्तेमाल किया और

मुसीबत में डाला. बाबूलाल ने सीएम से आग्रह करते कहा है कि ऐसे अफसरों से बचिए. ये अधिकारी आपको अनावश्यक विवादों में घसीट कर आपकी छवि को नुकसान पहुंचा रहे हैं. राजनीतिक लड़ाई सीधे होनी चाहिए, परिवारों और सहयोगी/समर्थकों को निशाना बनाना एक स्वस्थ लोकतंत्र की निशानी नहीं है. आशा है आप इस मामले का संज्ञान लेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि सत्ता का दुरुपयोग राजनीतिक प्रतिशोध के लिए न हो. कहा जा रहा कि देवघर के जसीडीह थाना में सांसद की पत्नी अनामिका गौतम के खिलाफ एक केस दर्ज हुआ है. इसमें अनामिका की अध्यक्षता वाली संस्था बाबा वैद्यनाथ ट्रस्ट की ओर से एक जमीन पर मेडिकल कॉलेज खोलने का नाजायज तरीके से प्रयास किये जाने का आरोप लगा है.

## एसीबी के पास सुधीर कुमार के खिलाफ स्पष्ट व पर्याप्त साक्ष्य, इसीलिए एसीबी कोर्ट ने नहीं दी बेल

रांची : शराब घोटाले से जुड़े केस के आरोपी सुधीर कुमार की जमानत याचिका रांची एसीबी की विशेष कोर्ट ने सोमवार को खारिज कर दी थी. सुनवाई के दौरान कोर्ट ने एसीबी और बचाव पक्ष की बहस और दलीलें सुनने के बाद सुधीर कुमार को बेल देने से इनकार कर दिया था. एसीबी कोर्ट के इस आदेश की कॉपी सिविल कोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है. आदेश की कॉपी में इस बात का उल्लेख है कि एसीबी की ओर से कोर्ट में यह दलीलें दी गई कि सुधीर कुमार ने अपने कर्तव्यों का ठीक से निर्वाह नहीं किया, जिसके कारण सरकार को भारी राजस्व का नुकसान हुआ. जांच के दौरान एसीबी को कई ऐसे साक्ष्य मिले हैं, जिससे ऐसा प्रतीत होता है कि मैन पवार सप्लाई करने वाली कंपनियों को LOI (लेटर ऑफ इंटेंट) देने से पहले उनकी बैंक गारंटी को बैंक से वेरिफाई नहीं किया गया. जब उत्पाद विभाग को यह जानकारी मिली तो सिर्फ एक कंपनी मार्शल इनोवेटिव सिक्योरिटी प्राइवेट लिमिटेड को छोड़कर किसी कंपनी को नोटिस भी जारी नहीं किया गया. वहीं बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता विक्रांत सिन्हा ने यह दलील दी कि शराब घोटाला मामले में उनकी कोई भूमिका नहीं है, इसलिए उन्हें बेल दी जाए. लेकिन दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने यह पाया कि सुधीर कुमार के विरुद्ध एसीबी के पास सीधे, स्पष्ट और पर्याप्त साक्ष्य मौजूद हैं. इसलिए कोर्ट ने सुधीर कुमार को बेल नहीं दी.

## पहाड़ी मंदिर के गेट के सामने बना एक फीट का गड्ढा

रांची : सावन के महीना में रांची के पहाड़ी मंदिर में पूजा करने के लिए भारी भीड़ जुटती है.ऐसे में वहां पर व्यवस्था भी दुरूस्त रखी जाती है. मंदिर के आसपास भी सुरक्षा से लेकर बाकी व्यवस्था पर प्रशासन की नजर रहती है. लेकिन इन दिनों पहाड़ी मंदिर के मुख्य द्वार के ठीक सामने वाले रोड पर एक फीट का गड्ढा बन गया है. ये गड्ढा बीते एक सप्ताह से है.

इस गड्ढे में तीन पहिया और दो पहिया वाहन फंस सकता है. इसकी सूचना पहाड़ी मंदिर विकास समिति और नगर निगम को दी गई है. बावजूद इसके कोई इस गड्ढे को भरने का कोई इंतजाम नहीं किया गया है और ना ही किसी अधिकारी ने अब तक सुध ली है.सावन के सोमवारी के दिन मंदिर में भीड़ ज्यादा होती है. तीसरे सोमवारी के दिन भी भीड़ होगी. जिससे इस गड्ढे की वजह से कोई हादसा हो सकता है. आसपास के दुकानदारों ने बताया कि एक सप्ताह से ये गड्ढा है, लेकिन अभी तक कुछ हुआ नहीं है दुकानदारों ने बताया कि गड्ढे की वजह से कई बार दुर्घटना होते-होते बच जा रहे हैं. यह गड्ढा जानलेवा साबित हो रहा है। प्रतिदिन यह गड्ढा जमीन के अदर धंसता जा रहा है। पहले यह छोटा था, बारिश की वजह से और भी गड्ढा हो चुका है। प्रसाद खरीदने वाले ग्राहक रोड के किनारे गाड़ी पार्क करते हैं. वहीं इसी रास्ते से होकर एंबुलेंस भी गुजरते हैं, जो किसी हादसे के शिकार हो सकते हैं. दुकानदारों ने बताया कि करीब तीन महीने पहले पाइप बिछाने के लिए गड्ढा खोदा गया था. जिसे जैसे-तैसे भर दिया गया है. एजेंसी ने अपनी खामियों को छिपाने के लिए गिट्टी और सीमेंट से ढाल दिया था, फिर उसपर रोड बना दी गयी लेकिन छह महीने बाद ही यहां पर फिर से गड्ढा बन गया है.

## झारखंड की जेलों में बनेगी इंटेलिजेंस यूनिट, कैदियों, मुलाकातियों और कर्मियों पर रहेगी पैनी निगरानी

रांची : झारखंड की जेलों में सुरक्षा और निगरानी को मजबूत करने के लिए जेल इंटेलिजेंस यूनिट का गठन किया जाएगा. यह कदम जेलों से होने वाली आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने और व्यवस्था में सुधार लाने के उद्देश्य से उठाया जा रहा है. जेल इंटेलिजेंस यूनिट में अधिकारियों की एक छोटी टीम होगी, जिसका मुख्य कार्य इन सभी पर निगरानी रखना होगा. यह यूनिट सीधे एटीएस (एंटी-टेररिस्ट स्क्वॉड) के एसपी को रिपोर्ट करेगी. केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इस संबंध में एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर झारखंड के मुख्य सचिव और गृह सचिव को भेजी है, जिसमें इस यूनिट के गठन का प्रस्ताव है.

झारखंड की जेलों में कई वर्षों से जैमर लगाने और उन्हें अपग्रेड करने का मामला लंबित पड़ा है. जेलों में जैमर लगाने के लिए सर्वे का काम पूरा हो चुका है और जैमर कंपनियों ने अपनी रिपोर्ट भी जमा कर दी है, लेकिन इसके बावजूद इस दिशा में काम आगे नहीं बढ़ पाया है. राज्य में कुल 31 जेलें हैं, जिनमें से 14 जेलों में जैमर ही नहीं हैं. जिन जेलों में जैमर लगे भी हैं, वे केवल 2 जी नेटवर्क में ही प्रभावी हैं. जबकि वर्तमान में 5जी नेटवर्क चल रहा है. इस तकनीकी खामी का सीधा परिणाम यह है कि जेलों के भीतर से अपराधी बेधड़क मोबाइल फोन का इस्तेमाल कर रहे हैं और आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं. जब कोई बड़ी आपराधिक घटना घटती है, तब यह सामने आता है कि अपराध का संचालन जेल के भीतर से किया गया था.

## इंटर स्कूल एलोक्यूशन कॉम्पिटिशन में डीएवी कपिलदेव ने मारी बाजी

रांचीः इंटरनेशनल लाइब्रेरी एंड कल्चरल सेंटर में कक्षा 6-8 के लिए "इंटर स्कूल एलोक्यूशन कॉम्पिटिशन" का आयोजन किया गया. युवा प्रतिभागी उत्साही और बहुत अच्छी तरह से तैयार थे. उनके द्वारा चुने गए काव्य और गद्य में रुडयार्ड किपलिंग की "इफ", हेनरी वाड्सर्वर्थ लॉन्गफेलो की "साम् ऑफ लाइफ", वॉल्ट व्हिटमैन की "ओ कैप्टन माई कैप्टन" और समकालीन विषयों पर "ए प्लेफुल रेनी डे" जैसी स्व-रचित रचनाएँ, और स्कूल, शिक्षा और प्रकृति पर गद्य अंश शामिल थे. कार्यक्रम का संचालन आईएलसीसी की सांस्कृतिक सचिव श्रीमती रेखा मिश्रा ने किया. सांस्कृतिक समिति सदस्य श्रीमती निवेदिता शर्मा और श्रीमती मेघा जैन कपूर भी मौजूद थीं. इस कार्यक्रम की जूरी मेंबर्स में शामिल श्रीमती प्रकृति सिंह, डॉ मनीषा बुधिया और श्रीमती रेखा मिश्रा ने प्रतिभागियों के परफॉर्मेंस को जज किया. कार्यक्रम में एस.एस. ब्रिजफोर्ड स्कूल, ब्रिजफोर्ड तुपुदाना, डीएवी हेहल, शारदा ग्लोबल, सचिदानंद ज्ञानभारती, सरला बिरला पब्लिक स्कूल, डी ए वी कपिलदेव, एस र डी ए वी पुनदाग और जी डी गोयनका पब्लिक स्कूल मौजूद थे

### परिणाम

पहला पुरस्कारः अभिनव (डीएवी कपिल देव, कडरू)
दूसरा पुरस्कारः प्रिशा सिंह (एस एस ब्रिजफोर्ड स्कूल)
तृतीय पुरस्कारः भव्या कुमारी (ब्रिजफोर्ड स्कूल, तुपुदाना)

## स्वतंत्रता दिवस : रक्षा मंत्रालय और माईगोव की ओर से होंगी प्रतियोगिताएं आयोजित

रांची : आगामी स्वतंत्रता दिवस 2025 के उपलक्ष्य में रक्षा मंत्रालय ने MyGov पोर्टल के सहयोग से देशव्यापी प्रतियोगिताओं की घोषणा की है. इस पहल का उद्देश्य देश के नागरिकों, विशेष रूप से युवाओं में देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और भारत की सांस्कृतिक विरासत के प्रति गर्व की भावना को और प्रबल करना है. इस वर्ष की थीम भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को सम्मानित करना और भारत की गौरवशाली यात्रा को उत्सव के रूप में मनाना है. इन रचनात्मक प्रतियोगिताओं के माध्यम से नागरिकों को अपनी रचनात्मकता, विचारशीलता और राष्ट्र के प्रति योगदान प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा.

### प्रतियोगिताओं की लिस्ट

» **राष्ट्रीय सुरक्षा में आत्मनिर्भर नवाचार पर प्रश्नोत्तरी**
ऑपरेशन सिंदूर - आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति पर निबंध प्रतियोगिता
नया भारत, सशक्त भारत विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता
रील प्रतियोगिता – भारतीय स्वतंत्रता के स्मारकों/ऐतिहासिक स्थलों की सैर
भारत रणभूमि पर प्रश्नोत्तरी – भारत की सीमाओं से जुड़े विषयों पर
ज्ञानपथ डिजाइन प्रतियोगिता – एक प्रभावशाली सैन्य फॉर्मेशन की रचना
नए भारत को आकार देने में महिलाओं की भूमिका पर प्रश्नोत्तरी

### पुरस्कार और सम्मान

» प्रत्येक प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर आने वालों को पुरस्कार दिए जाएंगे.
» पुरस्कार वितरण कार्यक्रम 15 अगस्त 2025 को दिल्ली के लाल किला में आयोजित किया जाएगा.
» विजेताओं को एक मित्र या अभिभावक के साथ इस कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिलेगा.
» चयनित विजेताओं को ई-निमंत्रण भेजा जाएगा.

### भाग लेने की प्रक्रिया और शर्तें

» प्रतियोगिताओं में भाग लेने को इच्छुक प्रतिभागी MyGov की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं..
» रजिस्ट्रेशन कराने की अंतिम तिथि 31 जुलाई है.
» प्रत्येक प्रतियोगिता के लिए एक विशिष्ट राशि तय की गई है,
» प्रत्येक प्रतियोगिता में एक व्यक्ति केवल एक ही बार भाग ले सकता है.
» सभी भारतीय नागरिक इस प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं.
» चयनित विजेताओं से ई-मेल और मोबाइल नंबर के माध्यम से संपर्क किया जाएगा, इसलिए सही जानकारी देना अनिवार्य है.
» शीर्ष 200 प्रतिभागियों को रक्षा मंत्रालय की ओर से ई-निमंत्रण भेजा जाएगा, जिससे वे 15 अगस्त 2025 को दिल्ली के लाल किला में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में भाग ले सकेंगे.
» विजेताओं को एक मित्र या अभिभावक के साथ समारोह में शामिल होने की अनुमति होगी.
» प्रतिभागियों को दिल्ली आने का यात्रा व्यय स्वयं वहन करना होगा. हालांकि, दिल्ली मेट्रो यात्रा और परेड शो में भागीदारी मुफ्त रहेगी.

## संक्षिप्त खबरें...

### वज्रपात से डहुटोला गुंजा गांव के मोबिन अंसारी के चार गायों की हुई मौत

ओरमांझी(मोहसीन आलम): ओरमांझी प्रखंड क्षेत्र के सुदूरव्रती गांव देवनजरा जंगल में बृहस्पतिवार की शाम लगभग 4:30 अचानक आकाशीय बिजली गिरने से डहुटोला गांव के मोबिन अंसारी के चार दुधारू गायों की वज्रपात से मौत हो गई। गायों के मौत की खबर पाकर निरिक्षण करने विधायक राजेश कच्छप के खाद्य आपूर्ति विभाग के प्रतिनिधि मुबारक अंसारी टुंडा हुली मुखिया दशमी मिंज,पंचायत समिति जूलीता देवी,हुसैन अंसारी,सईद अंसारी एवं अन्य ग्रामीणों संग घटना स्थल पर पहुंचे और संवेदना व्यक्त करते हुए बताया कि सभी चार जानवरों की मुआवजा सरकार से दिलाने में मेरा भरपूर सहयोग रहेगा,वहीं उन्होंने मोबिन अंसारी से कहा कि कागजी करवाई मैं कोई कमी नहीं होनी चाहिए,झारखंड की वर्तमान सरकार मुआवजा राशि देने में पीछे नहीं रहेगी.वही गायों के आकस्मिक मौत के सदमे में डूबा गाय पालक मोबिन अंसारी ने बताया कि ग्रामीणों द्वारा गायों के ऊपर गरजा लोका के समय वज्रपात गिरने की सूचना मिली थी,जहां पहुंचा तो देखा कि सभी गाय मर चुकी है,मृत चार गायों में से दो गायों का इंश्योरेंस किया हुआ है,घटना के समय सभी गाय जंगल में चर रहे थे। बिजली गिरते ही मवेशी उसकी चपेट में आ गए। गाय पाल कर ही मेरा रोजी रोटी चलता था, इस तरह से अचानक गायों की मौत से मेरा रोजगार ही छीन गया,सरकार मुझे गायों की मौत का मुआवजा दें।

### चिकित्सकों की बैठक में स्वस्थ झारखंड के निर्माण का संकल्प

रांचीः आजसू पार्टी प्रमुख एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो ने आह्वान किया है कि राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर करने के लिए चिकित्सक समुदाय को आगे आना होगा। झारखंड को एक स्वस्थ, समृद्ध एवं विकसित राज्य बनाने में चिकित्सकों को अहम भूमिका निभानी होगी।

श्री महतो ने बरियातू स्थित डेंसिटी हेयर ट्रीटमेंट सेंटर में पार्टी से जुड़े चिकित्सकों की एक बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य के सुदूरवर्ती एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता काफी कम है। बैठक को पार्टी के मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत, मुख्य प्रशिक्षक संजय बसु मल्लिक एवं झारखंड आंदोलनकारी प्रवीण प्रभाकर ने भी संबोधित किया। बैठक में स्वस्थ झारखंड के निर्माण का संकल्प लिया गया। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा शिविर के आयोजन का निर्णय लिया गया। श्री महतो ने कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर गंभीर नहीं है। राज्य में खाट पर मरीजों को ढोया जा रहा है। नीति आयोग द्वारा जारी स्वास्थ्य सूचकांकों में झारखंड का प्रदर्शन अन्य राज्यों की तुलना में पीछे है। श्री महतो ने कहा कि झारखंड एक ऐसा राज्य है, जहाँ प्राकृतिक संसाधनों की प्रचुरता के बावजूद स्वास्थ्य सेवाओं की कमी आज भी एक गंभीर चुनौती है। ग्रामीण क्षेत्रों में अस्पतालों की कमी, चिकित्सकों की अनुपस्थिति और बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव जनता को बेबस कर देता है। आजसू पार्टी इस स्थिति को बदलने के लिए कटिबद्ध है। हमारा लक्ष्य है कि प्रत्येक झारखंडी को समय पर और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो। बैठक में डॉ पार्थ परितोष, डॉ संतोष मोदी, डॉ अरुण कुमार, डॉ प्रतीक, डॉ कुंदन, डॉ अभिषेक, डॉ अंबुज, सुमंत मोदी, अमरदीप कुमार, यश चौधरी, शिवम कुमार, शिवलोक सिंह, रौशन कुमार, अभिरंजन तिवारी, मो कैफ आदि उपस्थित थे।

### डोमिसाइल आंदोलन के महानायकों का बलिदान अभी अधूरा : शिल्पी नेहा तिर्की

रांचीः राज्य की कृषि , पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने गुरुवार को डोमिसाइल आंदोलन के शहीदों को याद करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित की . रांची के मेकॉन स्थित शहीद स्थल एवं त्रिमूर्ति चौक पर डोमिसाइल शहीद स्मारक समिति ने द्वारा आयोजित सभा में वो शामिल हुई . मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने इस मौके पर कहा कि झारखंड में 1932 आधारित खतियान वाले स्थानीय नीति के आंदोलन को कभी भुलाया नहीं जा सकता है . आज ही के दिन 24 जुलाई 2002 को संतोष कुंकल , विनय तिग्गा और कैलाश कुजूर ने अपनी शहादत दे दी थी . इस आंदोलन और इस स्थल से मेरा भावनात्मक रूप से जुड़ाव रहा है . उन्होंने कहा कि डोमिसाइल आंदोलन के महानायकों का बलिदान आज भी अधूरा है . राज्य की हेमंत सोरेन सरकार ने साल 2023 में ही सदन से 1932 आधारित खतियान वाले स्थानीय नीति का प्रस्ताव पास कर राजभवन को भेज दिया है , लेकिन राजभवन इस मामले में गंभीर नहीं है . मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने शहीद स्मारक समिति के द्वारा डोमिसाइल आंदोलन में जान गंवाने वाले महानायकों को शहीद का दर्जा और परिजनों को सुविधा दिलाने की मांग की गई . इस मांग को वो राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के समक्ष रखने का काम करेंगी . उन्होंने कहा कि राज्य में संवेदनशील सरकार है और उम्मीद ही नहीं पूर्ण भरोसा है कि सरकार शहीद परिवार की मांग को जरूर संज्ञान में लेगी . इस मौके पर संजय तिग्गा , बेलस तिर्की , शिवा कच्छप , जगदीश लोहरा, दीपू सिन्हा, जलील अंसारी मौजूद थे .

### उपायुक्त ने गौशाला समिति के साथ की बैठक

धनबाद : शहर की सड़कों पर आवारा पशुओं की बढ़ती समस्या के समाधान को लेकर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन की अध्यक्षता में गुरुवार को समाहरणालय स्थित सभागार में गौशाला समिति के साथ बैठक की गई. बैठक में नगर निगम और गौशाला प्रतिनिधियों के साथ शहर में पशु प्रबंधन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई. बैठक में नगर आयुक्त रविराज शर्मा ने उपायुक्त को जानकारी दी कि शहर के विभिन्न इलाकों में आवारा पशुओं के विचरण से न केवल ट्रैफिक जाम की समस्या होती है, बल्कि कई बार गंभीर सड़क दुर्घटनाएं भी होती हैं जिससे जान-माल की हानि होती है. इस पर उपायुक्त आदित्य रंजन ने स्पष्ट निर्देश दिया कि अभियान चलाकर ऐसे पशुओं को पकड़कर नजदीकी गौशालाओं में भेजा जाए. इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि जो लोग जानबूझकर अपने पशुओं को सड़कों पर छोड़ देते हैं उन पर आर्थिक दंड लगाया जाएगा ताकि इस प्रवृत्ति पर अंकुश लग सके. उपायुक्त ने यह भी निर्देश दिया कि गौशालाओं में आवारा पशुओं के लिए पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए. इसके लिए शेड निर्माण सहित आवश्यक सुविधाओं के विस्तार का कार्य नगर निगम प्राथमिकता से करे.

# रिम्स को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास जारी , रिम्स प्रबंधन ने चरण बद्ध कार्य कर रही हैः निदेशक

रांचीः रिम्स निदेशक प्रो (डॉ) राज कुमार द्वारा एक प्रेस कांफ्रेंस आयोजित कर संस्थान में हो रहे विकास कार्यों और सुविधाओं की विस्तार से जानकारी दी। निदेशक ने बताया कि मरीजों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में रिम्स निरन्तर कार्यरत है।

#### सेंट्रल लैबः सेवा में सुधार और 24x7 सुविधा

चरण 1: रिम्स में एककृत सेंट्रल लैब की सेवाएं शुरू हो चुकी है| सेंट्रल लैब की सुविधा मरीज़ों के लिए 24x7 उपलब्ध है| 4 ब्लड कलेक्शन काउंटर कार्यशील हैं, जिससे काउंटर पर भीड़ में काफी कमी आई है।भीड़भाड़ के समय में 4 अतिरिक्त काउंटर शुरू करने की योजना है।रिपोर्ट देने हेतु 2 समर्पित काउंटर भी चालू हैं।अधिकांश टेस्ट के रिपोर्ट उसी दिन उपलब्ध कराई जा रही है।प्रतिदिन लगभग 560-580 सैंपल लिए जा रहे हैं और करीब 4000 जांचें की जा रही है|

#### चरण 2: LIS एकीकरण की शुरुआत

अगले 10 दिनों में लैब इंफॉर्मेशन सिस्टम (LIS) प्रारंभ होगा।इसके लिए NIC और LIMS की टीमें मिलकर कार्य कर रही हैं।एक बार LIS लागू होने पर भर्ती मरीजों के सैंपल का संग्रहण भी शुरू हो जाएगा। LIS के माध्यम से सभी रिपोर्ट एक ही स्थान पर ऑनलाइन उपलब्ध होंगी, जिससे मरीजों और डॉक्टरों को बड़ी सुविधा होगी।

#### चरण 3: अत्याधुनिक उपकरणों की स्थापना

भविष्य में high throughput instruments की स्थापना की योजना है, जिसके बाद ब्लड कलेक्शन के 4 घंटे के भीतर रिपोर्ट उपलब्ध कराई जा सकेगी।डेंटल इंस्टिट्यूट में ओटी एवं आईपीडी सेवा प्रारंभ डेंटल इंस्टिट्यूट में ऑपरेशन थियेटर एवं इनडोर सेवाएं प्रारंभ हो चुकी हैं। इसमें पुरुषों के लिए 12, महिलाओं के लिए 11 और 3 रिकवरी ICU बेड की व्यवस्था है। अब तक 12 मरीज भर्ती हुए हैं, जिनमें से कुछ को छुट्टी दी जा चुकी है। अब तक 5 केस लोकल एनेस्थेसिया के अंतर्गत ऑपरेट हो चुकw हैं, और जनरल एनेस्थेसिया का पहला केस शनिवार को किया जाना है|

#### टेंडर प्रक्रिया एवं खरीद

मैनपावर टेंडर अंतिम चरण में है, कुछ न्यायिक आपत्तियों पर कार्यवाही के बाद इसे अंतिम रूप दिया जाएगा। किचन के टेंडर की प्रक्रिया भी अंतिम चरण में है| अब तक इस वित्तीय वर्ष में 55 करोड़ की खरीद की जा चुकी है और 70-80 करोड़ की खरीद प्रक्रियाधीन है।

#### अन्य प्रशासनिक कार्य

सीनियर रेजिडेंट की नियुक्तियां की जा रही हैं । अस्पताल में आपातकालीन क्षेत्र में भीड़ को कम करने के लिए ऑन्कोलॉजी ब्लॉक में 94 अतिरिक्त बेड्स की व्यवस्था की जा रही है। PWD विभाग द्वारा शीघ्र ही निर्माण कार्य प्रारंभ होगा | निर्माणाधीन क्षेत्रीय नेत्र संस्थान (ROI) भवन का हस्तांतरण अगस्त में होने की संभावना है, जिसके बाद इसका उद्घाटन किया जाएगा।140 नर्सों की भर्ती में कुछ आपत्तियों के साथ फाइल रिम्स को वापस प्राप्त हुई है जिसका शीघ्र समाधान कर पुनः प्रस्तुत किया जाएगा।

वहीं MRI सुविधा पर निदेशक ने कहा कि, "रिम्स में MRI सुविधा प्रारंभ करने में अब तक सफलता नहीं मिली है। प्रक्रिया में अभी कुछ और महीने लग सकते हैं। इस बीच, हम 1.5 से 2 किमी की परिधि में स्थित उन MRI सुविधाओं के लिए EOI (Expression of Interest) निकालेंगे, जो हमारे नियम और शर्तों को स्वीकार करते हैं ताकि हम उनके माध्यम से यह सेवा मरीजों को उपलब्ध करा पाएं।"

रिम्स निदेशक ने स्पष्ट किया कि रिम्स प्रशासन पूरी प्रतिबद्धता के साथ स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण में कार्यरत है और आने वाले समय में और भी सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे ताकि राज्य की जनता को सुलभ, गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान की जा सकें। प्रेस वार्ता में चिकित्सा अधीक्षक प्रो (डॉ) राज कुमार, उपाधीक्षक-1 डॉ अजय कुमार, सूचना एवं जनसम्पर्क पदाधिकारी डॉ राजीव रंजन, जीन एवं जीनोमिक्स विभागाध्यक्ष डॉ अनूपा प्रसाद, प्रशासनिक पदाधिकारी श्री अनूप श्रीवास्तव उपस्थित थें|

### रिम्स निदेशक को किया गया सम्मानित

रांचीः रिम्स निदेशक डॉ राजकुमार को 18 जुलाई को कॉमनवेल्थ सचिवालय, पॉल मॉल, सेंट जेम्स, लंदन में कॉमनवेल्थ देशों के प्रतिनिधियों के समक्ष सम्मानित किया गया। 2- हाउस ऑफ कॉमन्स द्वारा एफसीएमए के अध्यक्ष प्रोफेसर जयलाल के माध्यम से उच्च गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में सम्मान प्रदान किया गया। यह सम्मान मुख्यतः न्यूरोसर्जरी के प्रति उनके समर्पण, भारतीय न्यूरोलॉजिकल सर्जन सोसाइटी की स्थापना और भारत में बाल चिकित्सा न्यूरोसर्जरी के विकास पर उनके शोध के लिए दिया गया। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान में उनके योगदान के कारण उन्हें हमारे देश में आधुनिक चिकित्सा के जीवक की उपाधि दी गई है।

## आरसीएच कैम्पस में 28 जुलाई तक लगा है स्वास्थ्य मेला, आप भी करायें अपने स्वास्थ्य की जांच

रांचीः राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के कार्यों और उद्देश्यों से आमजनों को अवगत कराने के लिए नामकुम स्थित आरसीएच परिसर में स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया है। इस मेले में एनएचएम के कुल 43 स्टॉल लगाये गये हैं। इसमें एलोपैथ, आयुर्वेद और होमियोपैथ चिकित्सा पद्धति के माध्यम से मरीजों को स्वास्थ्य सलाह, जांच और निःशुल्क दवाइयाँ दी जा रही है। चिकित्सा शिविर में एक्सरे, ईसीजी, बीपी, शुगर, मुख रोग, बहरापन, नेत्र जांच, सिकल सेल जैसे जांच भी किए जा रहे हैं। गुरूवार को मेले का तीसरा दिन था। मेले में आमजन बढ़-चढ़ का हिस्सा ले रहे हैं। यह मेला 28 जुलाई तक चलेगा।

#### एक हजार से अधिक लोगों ने लिया मेले का लाभ

आज के मेले में आयुष स्वास्थ्य शिविर में आयुर्वेद पद्धति से 83, होमियोपेथ से 60, युनानी से 35, योग से 33 लोगों ने स्वास्थ्य परामर्श और निशुल्क औषधि प्राप्त की। वैक्टर जनित रोग स्वास्थ्य शिविर में 43 लोगों ने मलेरिया और डेंगू से सम्बन्धित जानकारी प्राप्त की और बचाव के तरीके जाने। 3 लोगों ने अपना मलेरिया टेस्ट कराया। 40 लोगों ने आयुष्मान और अबुवा स्वास्थ्य का कार्ड व 8 लोगों ने अपना आभा कार्ड बनवाया। 8 लोगों ने अपना आभा कार्ड बनवाया। 133 लोगों ने अपनी आँखों की जांच करायी, 73 लोगों को चश्में का वितरण किया गया और 20 लोगों को दवा उपलब्ध कराई गई। 62 लोगों ने एक्सरे कराकर टीबी की जांच कराई, जिसमें 2 लोगों में टीबी के लक्षण पाये गये। राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम के स्वास्थ्य शिविर में 200 लोगों ने अपने स्वास्थ्य जांच करायी। 30 वर्ष से अधिक आयु के 98 लोगों ने अपने शुगर और बीपी की जांच करायी। 60 वर्ष से अधिक आयु के 76 लोगों को चिकित्सकों ने ओपीडी के माध्यम से स्वास्थ्य सलाह और दवा दी। 160 लोगों के बीच निरोध, 58 माला एन, 42 छाया का वितरण किया गया। मेले में आनजन बढ़चढ कर हिस्सा ले रहे हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अभियान निदेशक श्री शशि प्रकाश झा ने आम लोगों से मेले में अपना स्वास्थ्य जांच और परामर्श लेने का आग्रह किया है।

#### स्वच्छता कर्मियों के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविर आज

नामकुम स्थित आरसीएच कैम्पस में चल रहे स्वास्थ्य मेला में 25 जुलाई को स्वच्छता कर्मियों, सफाई कर्मियों के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जायेगा। राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम के राज्य नोडल पदाधिकारी डॉ रंजीत प्रसाद ने राँची सिविल सर्जन और नगर आयुक्त को पत्र लिखकर यह जानकारी प्रेषित की है। डॉ रंजीत प्रसाद ने बताया कि आउटरिच कैम्प में ओपीडी सेवा, किट बेस्ड टेस्ट, बीपी टेस्ट, डायबीटीज टेस्ट, दवाओं का वितरण, एनसीडी स्क्रीनिंग, काउंसिलिंग सर्विसेज इत्यादि की व्यवस्था होगी। यह शिविर पूर्णतः निःशुल्क है।

## ओरमांझी में समन्वय समिति कि बैठक आयोजित, एक शिक्षक के भरोसे चल रहे हैं 40 स्कुल

ओरमांझी(मोहसीन आलम): ओरमांझी प्रखण्ड मुख्यालय सभागार में बृहस्पतिवार को प्रखंड स्तरीय समन्वय समिति की बैठक प्रखंड विकास पदाधिकारी कामेश्वर बेदिया के नेतृत्व में आयोजित किया गया,बैठक में प्रखंड स्तर के विभिन्न विकास योजनाओं की समीक्षा और समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई,बैठक में चिकित्सा,शिक्षा, जलआपूर्ति,प्रखंड कल्याण,सहकारिता,मनरेगा,जेएस एलपीएस,सांख्यिकी,कनीयअभियंता,पशुपालन, बाल विकास,विद्युत विभाग सहित अनेकों विभागों के कर्मचारी उपस्थित थे,बैठक में जो भी समस्याएं जनप्रतिनिधियों की ओर से रखी गई उन समस्याओं का जल्द निपटारा करने की बात कही गई है,बैठक में बिजली विभाग की लेक्चर व्यवस्था को दुरुस्त करने, बिजली के बस खंभा हटाने व पक्का खंभा लगाने पर चर्चा की गई,पेयजल एवं आपूर्ति विभाग द्वारा सभी घरों तक पानी मुहैया कराने, खाद आपूर्ति विभाग द्वारा जरूरतमंद लोगों सही मात्रा में अनाज समय पर पहुंचाने,व अंचल अधिकारी से नया गोदाम बनाने के लिए 50 डिसमिल जमीन की मांग की गई है,अबुआ आवास के लाभको के खाते में जल्द पैसा भेजने,इरबा स्कूल की जर्जर भवन की मरम्मती कराने,स्कूली व्यवस्था दुरुस्त करने की बात कही गई वहीं शिक्षा विभाग का प्रतिनिधि ने बताया कि प्रखंड क्षेत्र में 125 स्कूल संचालित है जिसमें 40 ऐसी स्कूल है जिसमें महज एक शिक्षक कार्यरत,प्रखंड खाद्य आपूर्ति के गोदाम का जमीन चयन करके नया भवन बनाने.बिजली के बांस ख्वाबों को हटा पक्का खंभा लगाने,पर चर्चा की गई,सुकन्या योजना के लाभों को पासबुक मुहैया कराने सहित अन्य बिन्दुओ पर चर्चाएं की गई। वहीं कई विभाग के कर्मचारी नहीं पहुंचने पर फटकार लगाई.इसअवसर पर मुख्य रूप से उप प्रमुख रिजवानअंसारी,ललिता मेहता,शशि मिश्र,अमीर हम्ज़ा अंसारी,रीना देवी,जूलीता देवी, रश्मि तिर्की परमिल उरांव,जानकी देवी, रेनू बाखला,अलीजानअंसारी,नदीम अंसारी,संजय कुमार,सत्या कुमार,सहित अन्य कर्मचारी मौजूद थे।

### हरियाली तीज पर्व 27 जुलाई को

**कोयलांचल संवाद संवाददाता, रांची** : झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त महामंत्री सह विश्व हिंदू परिषद सेवा विभाग के प्रांतीय प्रवक्ता संजय सर्राफ ने कहा है कि हरियाली सावन तीज देश के विभिन्न राज्यों में मनाया जाने वाला हिंदुओं का एक प्रमुख पारंपरिक महत्वपूर्ण त्यौहार है। यह विशेष पर्व श्रावण मास की शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। इस वर्ष 27 जुलाई, दिन- रविवार को हरियाली तीज का पर्व मनाई जाएगी। यह त्योहार प्रकृति की हरियाली, नारी शक्ति के सौंदर्य और विवाहित स्त्रियों की सौभाग्य भावना से जुड़ा हुआ है।

## सरला बिरला पब्लिक स्कूल, रांची में तीन दिवसीय इंटर-स्कूल कॉमर्स फेस्ट 'इंद्रप्रस्थ' 2025 का भव्य शुभारंभ

रांचीः सरला बिरला पब्लिक स्कूल, रांची में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को समर्पित तीन दिवसीय इंटर-स्कूल कॉमर्स फेस्ट -'इंद्रप्रस्थ 2025' का भव्य शुभारंभ अत्यंत उत्साह और गरिमा के साथ किया गया। रांची सहोदया स्कूल कॉम्प्लेक्स के तत्वावधान में आयोजित इस बहुप्रतीक्षित कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के छात्र-छात्राओं तथा मार्गदर्शक शिक्षकों द्वारा पूर्ण निष्ठा, रचनात्मकता एवं उत्साह के साथ किया गया। समारोह की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई, जिसके उपरांत स्वागत गीत और गणेश वंदना ने वातावरण को सांस्कृतिक आभा से भर दिया।

कॉमर्स फेस्ट 'इंद्रप्रस्थ' का मूल उद्देश्य छात्रों में व्यावसायिक दृष्टिकोण, वित्तीय साक्षरता और उद्यमशील कौशल को प्रोत्साहित करना है। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु तीन दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत विविध रोचक, ज्ञानवर्धक और चुनौतीपूर्ण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा, जो विद्यार्थियों की तार्किक सोच, सृजनात्मकता और टीम भावना को उभारने के लिए विशेष रूप से

तैयार की गई थीं। फेस्ट के पहले दिन 'बुल एंड बियर' प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें छात्रों ने शेयर बाजार की अनिश्चितताओं, उतार-चढ़ाव और व्यापारिक रणनीतियों का रोमांचकारी अनुभव प्राप्त किया। इस गतिविधि ने विद्यार्थियों को बाजार की परिस्थितियों में सोचने, विश्लेषण करने एवं प्रतिक्रिया देने की अद्भुत क्षमता विकसित करने का अवसर दिया। दूसरे दिन 'बिडिंग वॉर्स' प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा, जिसमें विद्यार्थियों को सौदेबाजी की कला में पारंगत होने तथा नवाचार से युक्त उत्पाद प्रस्तुति में अपनी रचनात्मकता और रणनीतिक सोच का प्रदर्शन करने का अवसर प्राप्त होगा। तीसरे दिन की गतिविधियाँ -'एस्केप रूम' और 'हैच पिच' विद्यार्थियों की रणनीतिक क्षमता, समस्या-समाधान कौशल तथा टीमवर्क को उजागर करने के उद्देश्य से आयोजित की जाएँगी। इन रोचक प्रतियोगिताओं के माध्यम से प्रतिभागी व्यापारिक चुनौतियों के बीच समाधान खोजने की दक्षता अर्जित करेंगे तथा नवोन्मेष की प्रेरणा से युक्त प्रस्तुति देने का अनुभव प्राप्त करेंगे।

इस वाणिज्यिक महोत्सव में रांची और आसपास के कई प्रतिष्ठित विद्यालयों ने भाग लिया- सुरेन्द्रनाथ सेंटेनरी स्कूल, गुरु नानक हायर सेकेंडरी स्कूल, विवेकानंद विद्या मंदिर, ओडीएम सफायर ग्लोबल स्कूल, सेंट ऐनीस कॉन्वेंट स्कूल, दिल्ली पब्लिक स्कूल (रांची), विद्या विकास पब्लिक स्कूल, लोयोला कॉन्वेंट स्कूल, डीएवी पब्लिक स्कूल, हेहल। सभी प्रतिभागियों ने गहरी समझ, मौलिक चिंतन और सामूहिक समन्वय का अद्भुत परिचय देते हुए कार्यक्रम की गरिमा को और भी बढ़ाया। आज के आयोजन बुल एंड बियर के विजेता इस प्रकार थेः

प्रथम - दिल्ली पब्लिक स्कूल, रांची
द्वितीय - लोयोला कॉन्वेंट स्कूल, रांची
तृतीय - डीएवी पब्लिक स्कूल, हेहल

इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती परमजीत कौर ने वाणिज्य शिक्षा के वर्तमान और भविष्य में बढ़ते महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा "आज की वैश्विक और प्रतिस्पर्धात्मक अर्थव्यवस्था में वाणिज्य शिक्षा न केवल छात्रों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अग्रसर करती है, अपितु उन्हें भारत के आर्थिक विकास में सक्रिय सहभागी भी बनाती है।" 'इंद्रप्रस्थ' कॉमर्स फेस्ट विद्यार्थियों के लिए केवल एक प्रतिस्पर्धात्मक मंच नहीं, बल्कि ज्ञान, नवाचार और नेतृत्व का ऐसा संगम सिद्ध हो रहा है, जो उन्हें भविष्य के सफल व्यवसायी और उद्यमी बनने की दिशा में सशक्त प्रेरणा प्रदान करता है।


**कार्यालय समेकित जनजाति विकास अभिकरण,(ITDA) सिमडेगा**

**एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय, गरजा, पाकरटांड़ एवं बाँसजोर में अतिथि शिक्षकों की बहाली हेतु साक्षात्कार से संबंधित आवश्यक सूचना :–**

एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय, गरजा, पाकरटांड़ एवं बाँसजोर में अतिथि शिक्षकों की बहाली हेतु साक्षात्कार की तिथि निम्नवत् है :–

**साक्षात्कार की तिथि एवं स्थान**

| कम सं0 | साक्षात्कार की तिथि | विषय | समय | स्थान |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 28.07.2025 | हिन्दी एवं विज्ञान | 11:00 बजे पूर्वाहन् से 05:00 बजे अपराहन् तक | कार्यालय, आई0टी0डी0ए0, सिमडेगा (कल्याण विभाग) |
| 2 | 29.07.2025 | सामाजिक विज्ञान | 11:00 बजे पूर्वाहन् से 05:00 बजे अपराहन् तक | |
| 3 | 30.07.2025 | गणित | 11:00 बजे पूर्वाहन् से 05:00 बजे अपराहन् तक | |

सक्षात्कार हेतु अभ्यर्थियों की सूची जिले के वेबसाईट *https://simdega.nic.in* में अपलोड किया गया है। साथ ही कार्यालय समेकित जनजाति विकास अभिकरण,सिमडेगा (कल्याण विभाग) के सूचना पट्ट में सूची चस्पा किया गया है। दिनांक 28.07.2025 से 30.07.2025 के पूर्वाहन् 11:00 बजे से साक्षात्कार कार्यालय समेकित जनजाति विकास अभिकरण,सिमडेगा (कल्याण विभाग) में होगा।

सक्षात्कार हेतु चयनित सभी अभ्यर्थियों से अनुरोध है कि ससमय साक्षात्कार में भाग लेना सुनिशिचत करेंगे।

परियोजना निदेशक, आई0टी0डी0ए0,
–सह– जिला कल्याण पदाधिकारी, सिमडेगा

PR 358138 (Welfare)25-26*D



**कार्यालय, जिला गव्य विकास पदाधिकारी, लोहरदगा**
**कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (गव्य प्रभाग)**
**झारखण्ड, सरकार**

**पशुपालकों के लिए आम सूचना**

वित्तीय वर्ष 2022–23, 2023–24 एवं 2024–25 में मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना अन्तर्गत सभी चयनित लाभुकों को सूचीत किया जाता है कि **दिनांक 30.07.2025** से जिला स्तर पर **लोहरदगा डेयरी परिसर, कैमो, पतराटोली, लोहरदगा** में दुधारू पशु मेला/शिविर का आयोजन किया गया है।

अतः आप सभी मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना अन्तर्गत चयनित लाभुको से अनुरोध है कि अपना–अपना लाभुक अंशदान एस्क्रों बैंक खाता में जमा करते हुए अधिकृत औपबंधिक रूप से सूचीबद्ध पशु विक्रेता से संपर्क स्थापित कर लगातार तीन पाली दूध दोहन देखकर प्रतिदिन दुध उत्पादन क्षमता के आधार पर विक्रेता के साथ आपसी सहमती से गाय की कीमत तय कर **दिनांक 31.07.2025**तकदुधारू गाय/भैंस क्रय करने की कार्रवाई सुनिश्चित् करेंगें। अन्यथा आपको अयोग्य समझते हुए नियमानुसार प्रतिक्षा सूची के लाभुकों को योजना से लाभान्वित किया जाएगा।

जिला गव्य विकास पदाधिकारी
लोहरदगा

PR 358161 Lohardaga(25-26)#D

## संक्षिप्त खबरें...

### 'क्या मरे हुए लोगों के नाम वोटर लिस्ट में होने चाहिए', एसआईआर विवाद पर मुख्य चुनाव आयुक्त का सवाल

बिहार में चल रहे विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) अभियान को लेकर विपक्ष के लगातार विरोध के बीच मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने इस प्रक्रिया का पुरजोर बचाव किया है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या चुनाव आयोग को मरे हुए मतदाताओं, डुप्लिकेट मतदाता पहचान पत्र धारकों और विदेशी नागरिकों को वोटर लिस्ट में शामिल करने की अनुमति देनी चाहिए। यह बयान तब आया है जब राष्ट्रीय जनता दल, कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने एसआईआर अभियान के खिलाफ तीखा विरोध जताया है। विपक्षी दलों का दावा है कि एसआईआर की प्रक्रिया से 50 लाख से अधिक मतदाताओं के मताधिकार छिन सकते हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ने न्यूज18 को दिए इंटरव्यू में कहा, "क्या चुनाव आयोग को मृत मतदाताओं को वोटर लिस्ट में रखने की अनुमति देनी चाहिए? क्या डुप्लिकेट वोटर आईडी वाले लोगों को अनुमति दी जानी चाहिए? क्या विदेशी नागरिकों को वोटर लिस्ट में शामिल करना चाहिए? इस पर आपत्ति क्या है?" उन्होंने जोर देकर कहा कि एक शुद्ध और सटीक मतदाता सूची लोकतंत्र की सफलता की नींव है। ज्ञानेश कुमार ने कहा कि SIR अभियान पूरी तरह पारदर्शी है और इसका उद्देश्य एक शुद्ध मतदाता सूची तैयार करना है। उन्होंने बताया कि बिहार के मतदाताओं ने इस अभियान में उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया है और अब तक 57.48% गणना फॉर्म एकत्र किए जा चुके हैं। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया कि 2003 की मतदाता सूची में शामिल 4.96 करोड़ मतदाताओं को कोई अतिरिक्त दस्तावेज जमा करने की जरूरत नहीं है, जबकि शेष 3 करोड़ मतदाताओं को अपनी जन्म तिथि या स्थान साबित करने के लिए 11 सूचीबद्ध दस्तावेजों में से एक जमा करना होगा। उन्होंने पूछा, "क्या चुनाव आयोग द्वारा पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से तैयार की जा रही शुद्ध मतदाता सूची निष्पक्ष चुनाव और एक मजबूत लोकतंत्र की आधारशिला नहीं है?" मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा, "किसी न किसी मोड़ पर, हम सभी को, और भारत के सभी नागरिकों को, राजनीतिक विचारधाराओं से परे जाकर, इन सवालों पर एक साथ गहराई से विचार करना होगा।"

### भोजपुर में 5 साल के बच्चे को बिच्छू ने काटा: मौत

आरा(भोजपुर). भोजपुर में 5 साल के बच्चे को जहरीले बिच्छू ने काट लिया। तबीयत बिगड़ने के बाद परिजन सदर अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना चरपोखरी थाना क्षेत्र के मनैनी टोला गांव की है। मृतक की पहचान अमरजीत बिंद के पुत्र निर्भय कुमार(5) के तौर पर हुई है। परिजनों ने बताया, 'निर्भय अपनी मां मुन्नी देवी के साथ कमरे में सोया हुआ था। अचानक बिच्छू ने डंक मार दिया। बच्चे की हालत तुरंत बिगड़ गई, मुंह से झाग निकलने लगा। सदर अस्पताल के डॉक्टरों ने बहुत कोशिश कि, लेकिन उसकी मौत हो गई।'

### 12 कुत्तों ने घेरकर महिला पर किया हमला, गंभीर

गोपालगंज. गोपालगंज में 12 से ज्यादा कुत्तों में महिला पर हमला कर दिया। सीसीटीवी में ये पूरी वारदात कैद हुई है। इसमें महिला सड़क से जाती दिख रही है। पहले 2 कुत्ते उसकी ओर दौड़ते हैं। थोड़ी देर में वहां कुत्तों का झुंड आ जाता है। हमला कर- कर के महिला के सारे कपड़े फाड़ देते हैं। इसके बाद कुत्ते महिला पर हमला कर देते हैं। वो उसके शरीर को नोंचने लगते हैं। महिला जमीन पर गिर जाती है। चिल्लाती है, लेकिन कुत्ते उसे नोंचते रहते हैं। उसका खून जमीन पर बिखर जाता है। कुत्ते हमला करते रहते हैं। बचने के लिए महिला एक दीवार के कोने में जाती है, लेकिन कुत्ते वहां भी उस पर हमला कर देते हैं। मामला कुचायकोट थाना के मुख्य गेट के पास का है। घटना बुधवार की है, जिसका वीडियो आज सामने आया है। महिला मानसिक रूप से विक्षिप्त बताई जा रही है।

### 8 अगस्त को सीतामढ़ी आ रहे गृह मंत्री अमित शाह

पटना. 8 अगस्त को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की यात्रा बिहार आएंगे। गृहमंत्री का दौरा सीतामढ़ी जिले के साथ पूरे मिथिला के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यह दौरा न सिर्फ धार्मिक दृष्टिकोण से बल्कि राजनीतिक और विकास के नजरिए से अहम माना जा रहा है। इस दिन पुनौरा धाम स्थित जानकी मंदिर के भव्य निर्माण कार्य की आधारशिला रखी जाएगी। साथ ही कई योजनाओं की शुरुआत करते हुए अमित शाह के मिशन 2025 की रणनीति भी साधेंगे। भाजपा ने राम मंदिर के जरिए देश में सालो तक सियासत की और राम मंदिर के निर्माण के साथ हिंदुत्व वोट बैंक को अपने से जोड़ कर रखा। सीतामढ़ी के जानकी मंदिर पुनौरा धाम के विकास और सौंदर्यीकरण का मुद्दा हमेशा से उठाता रहा है। अब एनडीए बिहार विधानसभा 2025 से ठीक पहले जानकी मंदिर के भव्य निर्माण और सौंदर्यीकरण करके मिथिलांचल सहित बिहार में बड़ा संदेश देना चाहती है।

### दरभंगा में आज लगेगा जॉब कैंप, 30 पदों पर होगी बहाली

दरभंगा. दरभंगा में 25 जुलाई को जॉब कैंप लगेगा। बिहार सरकार के श्रम संसाधन विभाग की ओर से 25 जुलाई को लोगों को रोजगार मिलेगा। यह कैंप विश्वविद्यालय नियोजन सूचना और मार्गदर्शन केंद्र, के जरिए आयोजित होगा। नियोजन पदाधिकारी निशांत रंजन ने जानकारी दी है। इन्होंने बताया कि कैंप संयुक्त श्रम भवन, लहेरियासराय (रामनगर आईटीआई के पास) में सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक चलेगा। जॉब कैम्प में निजी कंपनी की ओर से कुल 30 पदों पर बहाली की जाएगी। इसके लिए 10वीं पास या उससे ऊपर की योग्यता रखने वाले अभ्यर्थी पात्र होंगे। उम्र सीमा 18 से 35 साल तय की गई है। चयनित अभ्यर्थियों को कंपनी की ओर से 12,500 रुपए मासिक वेतन के साथ अन्य भत्ते भी दिए जाएंगे। बहाली के बाद अभ्यर्थियों को पूरे बिहार में कहीं भी रोजगार दिया जा सकता है।

### सिमराही में जन सुराज की बिहार बदलाव यात्रा

सुपौल. जन सुराज के नेता प्रशांत किशोर की बिहार बदलाव यात्रा सुपौल जिले के निर्मली विधानसभा क्षेत्र पहुंच रही है। वे 25 जुलाई को राघोपुर प्रखंड के सिमराही स्थित लखिचंद साहू उच्च विद्यालय मैदान में दोपहर 1 बजे जनसभा को संबोधित करेंगे। प्रशांत किशोर बिहार बदलाव यात्रा के दौरान राज्य के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं। वे बेरोजगारी और पलायन की समस्या से निपटने के उपाय बता रहे हैं। साथ ही बिहार में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने का फॉर्मूला साझा कर रहे हैं।

### 'यह लोकतंत्र है, हम अंग्रेजों से लड़ाई नहीं लड़ रहे'

दरभंगा. दरभंगा में द प्लुरल्स पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष पुष्पम प्रिया चौधरी के पिता प्रो. विनोद कुमार चौधरी की द्वितीय पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। जिसमें पार्टी के नेता, सामाजिक कार्यकर्ता समेत हजारों लोग शामिल हुए। मीडिया से बातचीत में कई मुद्दों पर अपनी राय रखी। साथ ही जनसुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर पर जमकर हमला बोला। पटना में बुधवार को विधानसभा घेरने जा रहे जनसुराज कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। इस मुद्दे पर पुष्पम प्रिया चौधरी ने कहा, 'सभी को अपनी मर्यादा में रहकर काम करना चाहिए। यह लोकतंत्र है, हम अंग्रेजों से लड़ाई नहीं लड़ रहे हैं। उपद्रव की जरूरत नहीं है। जो खुद को पढ़ा-लिखा नेता बताते हैं, उन्हें ऐसी हरकतों से बचना चाहिए। सरकार की भी जिम्मेदारी है कि लाठीचार्ज जैसी घटनाओं से बचा जाए।

### एसकेएमसीएच में मरीज की मौत के बाद बवाल

मुजफ्फरपुर. मुजफ्फरपुर में एसकेएमसीएच के इमरजेंसी वार्ड में मरीज की मौत के बाद जमकर हंगामा हुआ। परिजनों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाकर ऑन ड्यूटी डॉक्टर की पिटाई कर दी। मारपीट में डॉ. गणेश पासवान का ओंठ फट गया। नाक से खून निकलने लगा। उन्हें कमरे में बंद कर दिया। एक महिला इंटर्न डॉक्टर के साथ भी बदसलूकी की गई है। हंगामे के चलते समय पर इलाज नहीं मिलने से एक अन्य मरीज की मौत हो गई। मारपीट की सूचना मिलते ही आक्रोशित एमबीबीएस स्टूडेंट और डॉक्टर इमरजेंसी वार्ड पहुंच गए। अस्पताल परिसर रणक्षेत्र में तब्दील हो गई। मेडिकल स्टूडेंट्स ने आरोपियों को पकड़ लिया। उसकी जमकर पिटाई कर दी। इस दौरान सुरक्षाकर्मियों ने लाठी चला दिया। जिसमें मृतक रघुनाथ सिंह (70) की बहू का सिर फट गया।

## तेजस्वी और सम्राट चौधरी में बहस, भाजपा-राजद विधायक भिड़े, सदन स्थगित

# बिहार विधानसभा में मारपीट की नौबत आई, राजद और भाजपा विधायकों में धक्का-मुक्की

पटनाः बिहार विधानसभा में नेता विपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा है कि वो अब चुनाव की घोषणा होने तक चुप रहेंगे और नोटिफिकेशन जारी होने के बाद ही चुनावी वादे और ऐलान करेंगे। सदन में आज दूसरी पाली में भाषण करते हुए तेजस्वी यादव ने पेंशन बढ़ाने, फ्री बिजली, युवा आयोग जैसे अपने वादों का जिक्र करते हुए कहा कि नकलची सरकार ने उनके पीछे-पीछे चल रही है। वोटर लिस्ट रिवीजन पर डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और तेजस्वी यादव के बीच बहस के बाद दोनों तरफ से हंगामा हो गया। स्पीकर नंद किशोर यादव ने सदन को शाम 4 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। सुबह पहली पाली में भी सदन स्थगित हुआ था और 2 बजे से दूसरी पाली शुरू हुई थी। शाम 4 बजे जब कार्यवाही फिर से शुरू हुई, तो विपक्ष ने वेल में आकर जमकर हंगामा किया। बवाल होने के बाद स्पीकर ने सदन की कार्यवाही शाम 4 बजे तक स्थगित कर दी। बिहार विधानसभा के मॉनसून सत्र की कार्यवाही के दौरान गुरुवार को दूसरी पाली में पक्ष और विपक्ष के सदस्यों के बीच मारपीट की नौबत आ गई। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के संबोधन के दौरान राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के विधायक आपस में उलझ गए। पहले तेजस्वी और डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी के बीच बहस हुई। फिर दोनों पार्टियों के विधायक खड़े होकर बहस करने लगे, धक्कामुक्की हुई। दरअसल, बिहार विधानसभा के मॉनसून सत्र के चौथे दिन नीतीश सरकार की ओर से प्रथम अनुपूरक बजट पेश किया गया। इसके बाद नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव का संबोधन शुरू हुआ। उन्होंने पेपर लीक और अन्य मुद्दों पर सरकार को घेरना शुरू किया तो डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी अपनी सीट पर उठ खड़े हुए। उन्होंने तेजस्वी से सबूत मांगा। दोनों नेताओं के बीच कुछ देर बहस हुई। स्पीकर नंद किशोर यादव के निर्देश के बाद दोनों शांत हुए। कुछ देर तेजस्वी अपना भाषण देते रहे। उन्होंने फिर से सरकार की नीतियों और अपराध एवं अन्य मुद्दों पर सवाल उठाए। इस पर सम्राट चौधरी फिर भड़क गए। डिप्टी सीएम ने तेजस्वी से कहा कि आपको बोलने का हक नहीं है, जिसका बाप अपराधी हो वो क्या बोलेगा।

**राजद और भाजपा विधायकों में टकराव को सुरक्षाकर्मियों ने रोका :** कुछ ही पल में विपक्ष के विधायक अपनी सीटों पर उठ खड़े हुए और हंगामा करने लगे। सत्ता पक्ष के सदस्य भी अपनी उठ गए। भाजपा विधायक जनक सिंह ने राजद पर कुछ टिप्पणी की। इससे माहौल और गर्मा गया। राजद विधायक वेल में आ गए और बांहें चढ़ाकर भाजपा सदस्यों की ओर बढ़ने लगे। निशाने पर जनक सिंह थे।

### जनक सिंह ने गाली दी, संजय माइक फेंकने आए; तेजस्वी

बिहार विधानसभा में गुरुवार को हुए बवाल पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायकों पर गाली देने और हमला करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। तेजस्वी ने कहा कि सदन में भाजपा विधायक जनक सिंह ने उन्हें मां-बहन की गालियां दीं। इसके बाद लालगंज से विधायक संजय सिंह माइक तोड़कर उनपर फेंकने के लिए आए। राजद विधायकों ने रोककर उन्हें बचा लिया, नहीं तो वह हमला कर देते। विधानसभा के मॉनसून सत्र के चौथे दिन दूसरी पाली में तेजस्वी यादव के संबोधन के दौरान पक्ष और विपक्ष के बीच भिड़ंत्त हो गई। नेता प्रतिपक्ष की डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी से दो बार बहस हुई। फिर राजद के विधायक भड़क गए और हंगामा करने लगे। इस बीच भाजपा विधायक जनक सिंह ने उठकर कुछ टिप्पणी की, जिस पर विपक्ष का पारा और चढ़ गया। बताया जा रहा है कि राजद और भाजपा के विधायकों में मारपीट की नौबत आ गई। दोनों पक्षों के बीच धक्कामुक्की हुई। सुरक्षाबलों को उन्हें काबू में करने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। हंगामे को देखते हुए विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव ने सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी। सदन से बाहर आने के बाद आरजेडी नेता एवं पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने मीडिया से बातचीत में बताया कि विधानसभा में क्या हुआ था। उन्होंने भाजपा विधायकों पर गंभीर आरोप लगाए। तेजस्वी ने कहा कि भाजपा के विधायक उनके पिता एवं मां-बहन की गालियां दे रहे थे।

### तेजस्वी में पूछा.. शाह को नीतीश पर भरोसा क्यों नहीं है

केंद्रीय मंत्री अमित शाह के पुराने बयान का जिक्र करते हुए एनडीए के सीएम फेस पर तंज कसा। तेजस्वी ने कहा- अमित शाह को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर भरोसा क्यों नहीं हैं। उन्होंने पिछले दिनों कहा था कि नीतीश चुनाव तक ही मुख्यमंत्री हैं, उसके बाद सीएम कौन होगा यह देखा जाएगा। तेजस्वी ने सदन में बोलते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा नीतीश को हाइजैक करने का आरोप लगाया। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेता एवं पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने विधानसभा में कहा कि गृह मंत्री अमित शाह अगले महीने सीतामढ़ी आ रहे हैं। उन्हें सीतामढ़ी से ऐलान कर देना चाहिए कि 2025 से 2030 तक नीतीश ही सीएम का चेहरा रहेंगे। उन्होंने कहा, "हालांकि, यह सरकार अब रिपीट नहीं होने वाली है। सरकार 15 साल से ज्यादा पुराने वाले वाहनों को खटारा बना देती है। इसी तरह 20 साल से चली आ रही नीतीश सरकार भी अब खटारा हो गई है।" तेजस्वी ने आगे कहा कि हमें ऐसा मुख्यमंत्री चाहिए जो हिम्मत वाला हो, दिलेर हो। उन्होंने सत्ता पक्ष की ओर बैठे सीएम नीतीश कुमार की ओर इशारा करते हुए कहा, "जो बगल में बैठे हैं (सम्राट चौधरी एवं विजय सिन्हा) वो आपका भला नहीं चाहते हैं। आपके आसपास के (जेडीयू में) तीन-चार लोग भाजपा से हाथ मिला लिए हैं। समय आएगा तब आपको पता चलेगा लोग चर्चा करते हैं कि जदयू अब भाजपा का प्रकोष्ठ बनकर रह गई है।"

### तेजस्वी-डिप्टी सीएम के बीच तू-तू-मैं-मै

इससे पहले सदन में पेपर लीक पर तेजस्वी और डिप्टी सीएम आमने-सामने हुए। तेजस्वी ने कहा, 'बिहार पेपर लीक में नंबर वन है।' इसपर सम्राट चौधरी ने आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि बिहार में आज तक कोई पेपर लीक नहीं हुआ है। जिसके बाद दोनों में तू-तू, मैं-मैं हुई। सदन में तेजस्वी ने कहा 'बिहार में 20 साल से NDA की सरकार है। केंद्र में 11 साल से इनकी सरकार है।' तेजस्वी ने कहा, 'हमने अमित शाह का बयान देखा- चुनाव तक नीतीश जी नेतृत्व करेंगे। चुनाव के बाद हमलोग मुख्यमंत्री तय करेंगे। क्या कारण है कि बीजेपी को नीतीश पर भरोसा नहीं है।' 'शाह आने वाले हैं वो कह दें कि बिहार में 2025 में नीतीश कुमार ही सीएम होंगे। हालांकि खटारा सरकार चलेगी नहीं।' तेजस्वी यादव बोल रहे थे तभी डिप्टी सिन्हा विजय सिन्हा खड़े हुए। उन्होंने कहा, 'जो आप खटारा कह रहे हैं, आपके पिताजी ने बिहार को लूट कर बिहार को खटारा बना दिया। नीतीश जी ने फुल स्पीड में विकास किया है।' इसके जवाब में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, 'सम्राट चौधरी का कद इतना लंबा है कि आप उनके पीछे बौना टाइप चलते हैं।'

### तेजस्वी ने सदन में मांगी माफी, कहा- गलती हुई तो खेद है

इससे पहले नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सदन में माफी मांगी। उन्होंने कहा, 'हम सब एक ही मकसद से आते हैं कि बिहार का विकास हो।' 'ये आखिरी सत्र है, अगर हमसे या हमारी पार्टी से 5 साल में कुछ गलती हुई हो या ठेस पहुंची हो तो हम माफी मांगना चाहेंगे, लेकिन ये दोनों तरफ से होना चाहिए।' तेजस्वी ने आगे कहा, 'इलेक्शन कमीशन का काम है निष्पक्ष चुनाव कराना और आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में जो 700 पन्नों का रिट दिया है, उसमें भी कहीं भी विदेशी शब्द नहीं आया है। अगर कोई विदेशी भी आया है तो गलती केंद्र सरकार की है।' 'ये सब मुद्दों से भटकाने वाली बात है। हम बस इतना चाहते हैं कि किसी भी वोटर का नाम लिस्ट से न कटे। कल जेडीयू के सांसद और विधायक ने भी यही बात कही है। मैं चाहता हूं कि सीएम ये आश्वासन दें कि किसी भी बिहारी का नाम नहीं कटेगा।'

### विधानसभा में शायराना अंदाज में एसआईआर पर चर्चा

एसआईआर पर बिहार विधानसभा का मानसून सत्र के चौथे दिन भी जमकर हंगामा हुआ। सदन में SIR पर चर्चा हुई। आज शायराना अंदाज में स्पीकर, मंत्री और विपक्ष ने कविताओं में चर्चा की। कांग्रेस विधायक दल के नेता शकील अहमद ने कहा- 'उनके गिरेबां में खंजर हो, मुझे एतराज ना हो, ऐसा हो नहीं सकता। मैं इंसा हूं, किसी इंसा को दर्द हो.. वो मुझे महसूस न हो... ऐसा हो नहीं सकता। तुम भूल गए अपने फर्ज को, मैं भूल जाऊं अपना फर्ज... ये हो नहीं सकता।' उनकी इस कविता पर स्पीकर ने कहा कि अगर चुनाव आयोग को इसका जवाब देना होता तो कुछ यूं देता- 'इरादे मेरे हमेशा साफ होते हैं, इसलिए कई लोग मेरे खिलाफ होते हैं।'

## प्रशांत किशोर समेत 300 पर एफआईआर, पुलिस का यह आरोप; विधानसभा मार्च में हुआ था बवाल

पटना : जनसुराज के संयोजक प्रशांत किशोर उर्फ पीके पर पटना के सचिवालय थाने में एफआईआर दर्ज किया गया है। केस में पीके के तीन सौ समर्थकों को आरोपी बनाया गया है। बुधवार को जन सुराज ने विधानसभा मार्च का आयोजन किया था जिसमें राज्य भर से जन सुराज लीडर और वर्कर जुटे थे। पुलिस न टीम पीके पर लाठी चार्ज भी किया था।

पटना का माहौल गुरुवार को काफी गर्म रहा। एक ओर विधानमंडल के मानसून सत्र में एसआईआर पर सियासत का पारा हाई रहा तो दूसरी ओर प्रशांत किशोर के समर्थकों ने पटना की सड़कों पर भारी बवाल काटा। जन सुराज ने अपनी तीन मांगों को लेकर विधानसभा घेराव का ऐलान कर रखा था। जब पार्टी का जत्था प्रशांत के नेतृत्व में विधानसभा की ओर आगे बढ़ा तो पुलिस ने रोक दिया। दोनों ओर से जमकर तीखी बहस और झड़प हुई। पुलिस ने लाठी चार्ज करके भीड़ को तितर वितर कर दिया। इस दौरान कई कार्यकर्ताओं को चोट भी आई। इसी मामले में प्रशांत किशोर पर पटना से सचिवालय थाने में केस दर्ज किया गया है। इस केस में प्रशांत किशोर के साथ प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती, जन सुराज में शामिल चर्चित यूट्यूबर मनीष कश्यप समेत तीन सौ लोगों को आरोपी बनाया गया है। पुलिस के साथ झड़प, माहौल बिगाड़ने और प्रतिबंधित क्षेत्र में जमावड़ा लगाकर निषेधाज्ञां के उल्लंघन के आरोप में यह केस दर्ज किया गया है।

इसी मामले में प्रशांत किशोर पर पटना से सचिवालय थाने में केस दर्ज किया गया है। इस केस में प्रशांत किशोर के साथ प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती, जन सुराज में शामिल चर्चित यूट्यूबर मनीष कश्यप समेत तीन सौ लोगों को आरोपी बनाया गया है। पुलिस के साथ झड़प, माहौल बिगाड़ने और प्रतिबंधित क्षेत्र में जमावड़ा लगाकर निषेधाज्ञां के उल्लंघन के आरोप में यह केस दर्ज किया गया है।

गुरुवार को पटना में प्रशांत किशोर ने एक प्रकार से शक्ति प्रदर्शन किया। गरीब परिवारों को तीन डिस्मिल जमीन, 94 लाख परिवारों को दो दो लाख की सहायता राशि और जमीन सर्वे में भ्रष्टाचार खत्म करने के मुद्दों पर प्रशांत किशोर ने पहले से विधानभा मार्च की घोषणा कर रखी थी। मार्च के दौरान पुलिस से प्रशांत की जोरदार नोकझोंक हुई। कार्यकर्ताओं पर लाठी चार्ज के बाद पीके ने उनपर लाठी चलाने की चुनौती दी।

## पति ने तकिया से मुंह दबा पत्नी को मार डाला, 6 माह पहले खिलाया था जहर

मुजफ्फरपुर. बिहार के मुजफ्फरपुर में तकिया से मुंह दबाकर पत्नी की हत्या करने का मामला सामने आया है। शव घर में छोड़कर आरोपी पति और उसके परिवार वाले फरार हो गए। घटना अहियापुर थाना के विजय छपरा की है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। मृतका के मायके वालों को छोटी बेटी(मृतका की छोटी बहन) से घटना की जानकारी मिली। आरोप है पहले भी आरोपी अपनी पत्नी को जहर देकर मारने की कोशिश कर चुका है। सूचना मिलने पर पुलिस गांव में पहुंचकर जांच कर रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेज दिया है। एफएसएल से घटनास्थल की जांच कराई जा रही है। मायके वालों के बयान पर केस दर्ज करने की कवायद चल रही है। मृतका की मां बोचहां के हुसैनपुर निवासी शिव दुलारी देवी ने पुलिस को बताया कि अहियापुर के विजय छपरा निवासी बिरजू सहनी (30) से उसकी पुत्री सोनी (25) की शादी दस साल पहले हुई थी। वह दो बेटों की मां थी। बड़ा बेटा बलि 8 साल और छोटा बेटा मनीष 6 साल का है। बताया कि घर खर्च के लिए रुपये मांगने को लेकर पति-पत्नी में अक्सर विवाद होता था। इसको लेकर बिरजू अक्सर सोनी को मारता पीटता था। घर खर्च के लिए सोनी खुद भी मजदूरी करती थी। छह महीना पहले बिरजू ने सोनी को जहर खिला दिया था। उसे एसकेएमसीएच में भर्ती कराना पड़ा। हालांकि, इसकी शिकायत पुलिस से नहीं की गई थी। बीती रात भी विवाद हुआ तो बिरजू और उसके घर वालों ने सोनी से मारपीट की। फिर तकिया से मुंह दबाकर उसकी हत्या कर दी। शव को घर में चौकी पर छोड़कर सभी फरार हो गए। सोनी की छोटी बहन रंगीला देवी की शादी भी इसी गांव में है। रंगीला ने पिता को कॉल कर घटना की जानकारी दी, जिसके बाद परिजन पहुंचे। अहियापुर थानाध्यक्ष रोहन कुमार ने बताया कि एक महिला का शव मिला है।

## एसआईआर पर एनएसयूआई का पटना में बवाल, वाटर कैनन से पुलिस ने रोका; विधानसभा घेरने जा रहे थे

पटना. वोटर वेरिफिकेशन पर गुरुवार को बिहार में सड़क से लेकर सदन तक बवाल देखने को मिला। एक तरफ इंडिया गठबंधन के विधायकों ने विधानसभा और विधान परिषद में हंगामा किया तो कांग्रेस पार्टी की स्टूडेंट विंग एनएसयूआई ने पटना की सड़कों पर जमकर बवाल काटा। एनएसयूआई ने पहले से 24 जुलाई को विधानसभा घेराव की घोषणा कर रखी थी। जुलूस की शक्ल में विधानसभा की ओर बढ़ रहे छात्र नेताओं और कार्यकर्ताओं को रास्ते मे ही वाटर कैनन के बल पर रोक दिया। पुलिस की ओर से हल्का बल प्रयोग भी किया गया। कांग्रेस विधायक शकील खां भी प्रदर्शन में शामिल हुए। इससे पहले तेजस्वी यादव ने इस मुद्दे पर चुनाव वहिष्कार की अपनी बात दुहराई जिसे कांग्रेस समर्थन दे रही है। सुबह से एनएसयूआई के कार्यकर्ता पटना सदाकत आश्रम के पास में जुटने लगे। विधानसभा घेराव की जानकारी सरकार पहले से ही दी गयी थी। सदाकत आश्रम से जुलूस लेकर

छात्र निकले तो पुलिस ने रोकने की कोशिश की। प्रदर्शनकारी छात्र रुके नहीं बल्कि आगे बढ़ते गए। राजपुर पुल के पास पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर रोकने की कोशिश की तो दोनों ओर से भिड़ंत हो गई। छात्र वैरिकेडिंग पार करके जाना चाहते थे। पुलिस ने पानी की बौछाड़ और हल्का बल प्रयोग भी किया। इस दौरान दोनों ओर से झड़प भी हुई। पुलिस किसी भी प्रकार छात्रों को रोकने की कोशिश में लगी रही। बैरिकेडिंग तोड़कर एनएसयूआई के छात्र आगे बढ़ गए तो वाटर कैनन चलाकर तितर वितर कर दिया गया। कई कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में भी लिया। प्रशासन की ओर से सुरक्षा की तैयारी की गयी थी। लेकिन छात्रों की भीड़ के आगे उनका प्रयास कमजोर दिखा। छात्रों के जुलूस में शामिल विधायक शकील अहमद खान ने बताया कि पूरे बिहार में एसआईआर से अराजकता का माहौल बनाया जा रहा है। सरकार ना तो विधानसभा में चर्चा को तैयार है और ना सदन के बाहर।

## मधुबनी में डकैती, 60 लाख की लूट: गोलीबारी में 1 अपराधी की मौत

मधुबनी. मधुबनी में बुधवार की रात एक बड़े कारोबारी के घर में लूटपाट की कोशिश की गई। हथियारों से लैस 12 बदमाशों ने एक साथ कारोबारी राजकुमार साहू के घर पर हमला कर दिया। फिर घर के मालिक और परिवार के अन्य सदस्यों ने डकैतों से मुकाबला किया। इस दौरान गोलीबारी में एक डकैत की मौत हो गई। बाकी अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गए। घटना में कारोबारी भी घायल है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए मधुबनी सदर अस्पताल भेज दिया। मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। थाने के चौकीदार गणेश पासवान ने बताया, 'सभी डकैत हथियारों से लैस थे। मौके से कुछ हथियार और संदिग्ध सामान बरामद हुए हैं। पुलिस ने इन्हें अपने कब्जे में ले लिया है।' मामला अंधराठाढ़ी थाना क्षेत्र के सहूरिया गांव का है।

कपड़े की दुकान चलाने वाले राजेश कुमार साहू ने बताया कि बुधवार की रात करीब 12 बजे कुछ अज्ञात लोग घर के गेट तोड़कर अंदर घुस आए। उन्होंने आवाज लगाई, जिससे वह बाहर निकले तो एक ने हमे थप्पड़ मारा और अन्य ने मिलकर पीटा। लुटेरे अलमारी की चाबी मांगने लगे और जब उन्होंने मना किया, तो जबरन चाबी छीन ली।व्यापारी के अनुसार, एक लुटेरे ने कट्टा और रॉड से हमारे माथे पर वार किया। लुटेरों ने घर में मौजूद महिलाओं के साथ मारपीट कर उनके जेवर लूट लिए। छोटे भाई को एक कमरे में और राजेश को दूसरे कमरे में बंद कर दिया गया। करीब 60-70 लाख की लूट हुई। राजेश ने बताया कि एक लुटेरे का चेहरा खुला था, बाकी नकाब में थे। उन्होंने प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग की है। एक अपराधी की मौत कैसे हुई, इसकी जानकारी हमे नहीं है।

झंझारपुर डीएसपी सुबोध कुमार सिन्हा ने बताया कि, रात करीब 1:53 बजे डायल 112 पर लूट की सूचना मिली, जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। थाना प्रभारी भी कुछ देर बाद वहां पहुंचे।

## कार हादसे में एक बुजुर्ग की मौतः 4 घायल

मुजफ्फरपुर. मुजफ्फरपुर के सकरा थाना क्षेत्र में NH-28 पर एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। देवघर से लौट रहे कांवरियों की कार ने एक बुजुर्ग को कुचल दिया। हादसे में कार 20 फीट गहरी खाई में जा गिरी। मृतक की पहचान सकरा थाना क्षेत्र के बिशुनपुर बघनगरी निवासी सहदेव राय उर्फ बालू राय (81) के रूप में हुई है। घटना सुबह करीब 6 बजे की है। मोतिहारी के 6 कांवरिया देवघर से रात भर ड्राइव कर लौट रहे थे। ड्राइवर को नींद आने के कारण कार अनियंत्रित होकर गलत दिशा में चली गई। कार ने अपने घर के दरवाजे पर बैठे सहदेव राय को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मौके पर ही उनकी मृत्यु हो गई। इसके बाद कार खाई में जा गिरी। स्थानीय लोगों और सकरा थाना पुलिस की मदद से सभी 6 कांवरियों को कार से निकाला गया। हादसे में 2 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें मुजफ्फरपुर रेफर किया गया है। 4 अन्य को मामूली चोटें आई हैं, जिनका सकरा रेफरल अस्पताल में इलाज चल रहा है।

## भारतीय संसद में चुनाव आयोग के एसआईआर पर चर्चा क्यों नहीं

भारतीय संविधान ने लोकसभा और राज्यसभा के सदस्यों को स्वतंत्र रूप से अपनी भावना किसी भी विषय पर रखने के लिए अधिकार दे रखा है। संसद पर सांसद द्वारा जो पक्ष रखा जाता है, उस कथन को किसी भी अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती है। भारतीय संविधान की मूल भावना है, संसद सदस्य के रूप में संसद के अंदर कोई भी सदस्य अपनी बात किसी भी डर, भय के बिना रख सके। संसद में बहुमत के आधार पर फैसला होता है। संसद किसी भी विषय पर चर्चा कर सकती है। बिहार में चुनाव आयोग द्वारा जिस तरह से मतदाता सूची का पुनरीक्षण कार्य कर रहा है, उसके खिलाफ सभी विपक्षी दल एकजुट होकर संसद के अंदर चर्चा की मांग कर रहे हैं। सरकार और लोकसभा के अध्यक्ष चुनाव आयोग द्वारा की जा रही कार्रवाई पर चर्चा कराने के लिए तैयार नहीं है। सरकार और अध्यक्ष की ओर से स्पष्ट संदेश विपक्ष को दिया गया है। चुनाव आयोग के बारे में कोई चर्चा सदन के अंदर नहीं होगी, इसको लेकर विपक्ष के सभी राजनीतिक दल संसद के अंदर और संसद के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं। कांग्रेस के वेणुगोपाल और अन्य संसद सदस्यों द्वारा दावा किया जा रहा, सरकार चर्चा के लिए तैयार नहीं होती है। जो सवाल चुनाव आयोग से पूछा जाता है उसका जवाब भाजपा देती है। यह एक असामान्य स्थिति है। विपक्षी दलों का कहना है, कर्नाटक, महाराष्ट्र, हरियाणा इत्यादि राज्यों में विधानसभा चुनाव के दौरान भारी गड़बड़ी चुनाव आयोग द्वारा की गई है। जानकारी मांगने पर भी चुनाव आयोग द्वारा जानकारी नहीं दी जाती है। मनमाने तरीके से नियम बनाए जा रहे हैं। बिहार में भी जिस नियम के तहत पुनरीक्षण का कार्य किया जा रहा है उसमें जिस आधार से दस्तावेज तैयार किए जाते हैं, उसी आधार को नकारा जा रहा है। केंद्रीय चुनाव आयोग अब निष्पक्ष और स्वतंत्र होने का दिखावा भी नहीं कर रहा है। वह सरकार के इशारे पर कार्य कर रहा है। चुनाव आयोग एक स्वतंत्र संवैधानिक निकाय है, जिस तरह से चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति सरकार द्वारा की जा रही है। चुनाव आयोग राजनीतिक दलों से चर्चा नहीं करना चाहता है। चुनाव आयोग को जो विशेष अधिकार मिले हुए हैं चुनाव आयोग द्वारा उसका दुरुपयोग किया जा रहा है। जो प्राकृतिक न्याय सिद्धांतों के खिलाफ है। चुनाव आयोग और सरकार द्वारा जिस तरह की गड़बड़ियां हो रही हैं, उससे बचने के लिए चुनाव आयोग स्वायत्ता के आधार पर लोकतंत्र को समाप्त करने जैसी कार्रवाई कर रहा है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रत्येक मतदाता के नागरिक अधिकारों का हनन किया जा रहा है। केंद्रीय चुनाव आयोग को नागरिकता के मामले में जांच करने का कोई अधिकार ही नहीं है। सरकार का काम केंद्रीय चुनाव आयोग असंवैधानिक तरीके से कर रहा है। सरकार उसे संरक्षण दे रही है। केंद्रीय चुनाव आयोग मतदान और मतदाता से संबंधित शिकायतों तथा मांगी गई जानकारी राजनीतिक दलों से क्यों छुपा रहा है? जो उसे पिछले सात दशक से मिलती रही है। विपक्षी दलों का आरोप है कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से लेकर चुनाव कराने और परिणाम घोषित करने में केंद्रीय चुनाव आयोग सरकार के दबाव में काम कर रहा है। इस पर संसद सदस्य संसद के अंदर चर्चा करना चाहते हैं। सरकार चुनाव आयोग को बचाना चाहती है। लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति से सदस्यों को जो संरक्षण मिलना चाहिए वह नहीं मिल रहा है। जिस संसद में सदस्यों को बोलने का सर्वाधिकार है बोलने पर बंदिश क्यों लगाई जा रही है? विपक्षी राजनीतिक दलों के सदस्यों को बोलने नहीं दिया जाता है। माइक बंद कर दिए जाते हैं। इस तरह के आरोप पिछले कुछ समय से लग रहे हैं। अब तो विपक्षी दल आरोप लगाते हैं, भारत में संविधान एवं लोकतंत्र खतरे में है। विपक्षी दल चुनाव आयोग से जानकारी मांगते हैं जानकारी ना देना पड़े इसके लिए रातों-रात कानून बदल दिया जाता है। चुनाव आयोग अपनी मनमर्जी से नए-नए नियम और कानून बना लेता है। चुनाव प्रक्रिया को बदल देता है। हर बार नई प्रक्रिया को लागू कर देता है। इसके विरोध में पहली बार सारे विपक्षी राजनीतिक दल एकजुट हो गए हैं। संविधान ने नागरिकों को मतदान का मौलिक अधिकार दिया है। चुनाव आयोग जिसकी जिम्मेदारी है सभी नागरिक चुनाव में भाग ले सकें वहीं चुनाव आयोग कई बार चुनाव में मतदान कर चुके मतदाताओं को धार्मिक और राजनीतिक आधार पर काट रहा है। इसको लेकर एक जबरदस्त प्रतिक्रिया राजनीतिक दलों के साथ-साथ आम जनता के बीच में देखने को मिलने लगी है। चुनाव आयोग जो कार्य कर रहा है वह एनआरसी की तरह है। असम में लोग इसका हश्र देख चुके हैं। मतदाता भी अपने अधिकार को बचाने के लिए जिस तरह से उद्वेलित होकर सड़कों पर आ रहा है. इससे मामले की गंभीरता को समझते हुए संसद के अंदर केंद्रीय चुनाव आयोग और चुनाव प्रक्रिया पर चर्चा कर लोकतंत्र को और मजबूत बनाने की दिशा में संसद कार्य कर सकती है। भारतीय संविधान में चेक और बैलेंस के अंतर्गत अधिकारों का वर्गीकरण किया गया है। कोई भी संस्था भस्मासुर की तरह नहीं हो सकती है। संविधान ने नागरिकों के मौलिक अधिकार सुरक्षित किए हैं। कोई भी संस्था मौलिक अधिकारों को खत्म नहीं कर सकती है। ना ही ऐसा कोई नियम और कानून बना सकती है जिसमें नागरिकों के मौलिक अधिकार कम या खत्म हों। संविधान ने संसद को कानून और नियम बनाने की शक्तियां दी हैं। कानून और नियम को लेकर यदि संसद के अंदर बात नहीं होगी तो कहां होगी? यह आश्चर्य का विषय है। जिस तरह से अब विपक्षी दल यह कहने लगे हैं बहुमत के बल पर विपक्ष को संसद के अंदर बोलने नहीं दिया जा रहा है। सांसदों के बोलने पर सेंसरशिप लगाई जा रही है। बोलने के पहले संसद के अंदर उनसे प्रमाण मांगे जा रहे हैं। ऐसे में संविधान और लोकतंत्र कैसे सुरक्षित है, इसको लेकर अब आम जनता के बीच में भी चर्चा होने लगी है। जब संसद के अंदर संसद सदस्य अपनी बात नहीं रख सकते हैं तब आम नागरिकों के अधिकार कैसे सुरक्षित रह सकते हैं। सरकार, लोकसभा अध्यक्ष, राज्यसभा के सभापति और सभी राजनीतिक दलों के मुखिया इस मामले में गंभीरता से मंथन करें। आज जो सत्ता में है कल विपक्ष में हो सकता है। जो आज विपक्ष में है कल सत्ता में हो सकता है। भारतीय संविधान और भारतीय लोकतंत्र को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी दोनों ही पक्षों की है।

## अमर शहीद जगदीश प्रसाद वत्स की बलिदान गाथा

जो उम्र युवाओ की अपनी पढ़ाई कर बेहतर भविष्य के सपने बुनने की होती है ,उस मात्र 17 वर्ष की उम्र में छात्र जगदीश प्रसाद वत्स ने भारत मां को आजाद कराने के लिए सीने पर गोलियां खाकर देशप्रेम व बहादुरी का एक इतिहास लिख दिया था। 7 वर्षीय जगदीश प्रसाद वत्स,जिन्होंने सन 1942 में हरिद्वार के ऋषिकुल आयुर्वेदिक कॉलेज में पढ़ते हुए आजादी का बिगुल बजाया था। कालेज के छात्रों का नेतृत्व करते हुए 17 वर्षीय जगदीश प्रसाद वत्स ने तिरंगे झण्डे हाथ में लेकर अंग्रेज पुलिस को चुनौती देने का साहस किया था। 13 अगस्त सन 1942 की रात्रि में छात्रावास में हुई छात्रो की एक बैठक में 14 अगस्त को तिरंगे फैहराने के लिए सडको पर निकलने और भारत माता की जय, इंकलाब जिन्दाबाद के नारे लगाने के लिए, लिए गए निर्णय को अमलीजामा पहनाते हुए छात्रों का दल 14 अगस्त की सवेरे ही हरिद्वार की सडको पर निकल पडा था। पुलिस की छावनी के बीच भी जब छात्र जगदीश प्रसाद वत्स ने सुभाष धाट पर पहला तिरंगा फैहराया तो अंग्रेज पुलिस की एक गोली उनके बाजू को चीरती हुई निकल गई । धायल जगदीश ने धोती को फाडकर धाव पर बांध लिया और फिर दुसरा तिरंगा फैहराने के लिए डाकधर की तरफ दौड लगा दी। पुलिस की गोली चलने से बाकी छात्र तो तितर बितर हो गए थे, लेकिन 17 वर्षीय जगदीश तिरंगे फैहराने की जिद पर अडिग रहा और उसने दौडते हुए जाकर दुसरा तिरंगा डाकधर पर फैहरा दिया। वहां भी पुलिस ने गोली चलाई जो जगदीश के पैर में लगी। जगदीश ने फिर पटटी स्टेशन पर पहुंचकर पाइप के रास्ते उपर चढकर तीसरा तिरंगा फैहरा दिया। जैसे ही जगदीश तिरंगा फैहराकर नीचे उतरा तो राजकीय रेलवे पुलिस के इन्सपैक्टर प्रेम शंकर श्रीवास्तव ने उन्हे धेर लिया। जगदीश ने तांव में आकर एक थप्पड इन्सपैक्टर श्रीवास्तव को रसीद कर दिया, जिससे वह नीचे गिर पडा। इन्सपैक्टर ने नीचे पडे पडे ही एक गोली जगदीश को मार दी जो उनके सीने में लगी। तीसरी गोली लगते ही जगदीश मुर्छित हो गया। जिन्हे इलाज के लिए देहरादून सेना अस्पताल ले जाया गया। बताते है कि वहां जगदीश को एक बार होश आया था और उनसे माफी मांगने को कहा गया था परन्तु माफी न मांगने पर उन्हे कथित रूप में जहर का इंजेक्शन देकर उनकी हत्या कर दी गई। सहारनपुर जिले के ग्राम खजूरी अकबरपुर निवासी जगदीश वत्स का शव भी पुलिस ने उनके पिता पंडित कदम सिंह शर्मा को नही दिया था।उल्टे दुस्साहसी अंग्रेजो ने जगदीश वत्स को गोली मारने वाले पुलिस इन्स्पैक्टर प्रेम शंकर श्रीवास्तव को पुलिस मैडल प्रदान किया था। लेकिन देश आजाद होने पर प्रथम प्रधान मन्त्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने जगदीश वत्स की राष्ट्रभक्ति व वीरता की प्रंशसा करते हुए एक विजय ट्राफी वत्स परिवार को दी थी। जो धरोहर केरूप में आज भी सुरक्षित है। जगदीश वत्स की स्मृति में उनके गांव खजूरी अकबरपुर में एक जूनियर हाई स्कूल है जो स्थापना पचास वर्ष बाद भी हाई स्कूल और इंटर कॉलेज तक नही बन पाया, एक अस्पताल है ,जो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से आगे नही बढ़ पाया, एक सडक है, जो जीर्णशीर्ण हालत में अपनी बदहाली पर आंसू बहा रही है। वही हरिद्वार के भल्ला पार्क में सन्त ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी के सहयोग से शहीद जगदीश वत्स की प्रतिमा लगाई गई, जहां स्थानीय प्रशासन की अनदेखी के कारण अतिक्रमण व गन्दगी के पांव पसार लिए है। अलबत्ता ऋषिकुल आयुर्वेदिक कालेज में उनकी प्रतिमा सम्माजनक रूप मे स्थापित है। इसी कॉलेज प्रतिवर्ष उनकी याद में एक वालीबाल टूर्नामेन्ट भी कराया जाता है।

## जल संकट : टिकाऊ प्रबंधन की अनिवार्यता

> गरीब और हाशिए पर रहने वाले समुदायों को स्वच्छ पानी की सबसे अधिक कमी झेलनी पड़ती है। महिलाएं और बच्चियां, जो अक्सर पानी लाने की जिम्मेदारी संभालती हैं, को लंबी दूरी तय करनी पड़ती है, जिससे उनकी शिक्षा और आजीविका पर असर पड़ता है। चौथा, जल की कमी औद्योगिक उत्पादन और आर्थिक विकास को प्रभावित करती है। जल-गहन उद्योग जैसे कपड़ा, चमड़ा और बिजली उत्पादन पानी की कमी के कारण उत्पादन में कटौती कर रहे हैं। यह रोजगार और जीडीपी पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। टिकाऊ जल प्रबंधन की आवश्यकता : जल संकट से निपटने के लिए टिकाऊ जल प्रबंधन अपरिहार्य है।

डॉ. शैलेश शुक्ला

विश्व बैंक (2025): विश्व बैंक की एक हालिया रिपोर्ट (अप्रैल 2025) में कहा गया है कि भारत, जो विश्व की 18% आबादी का घर है, के पास केवल 4% जल संसाधन उपलब्ध हैं, जिससे यह विश्व के सबसे अधिक जल-तनावग्रस्त देशों में से एक है। जलवायु परिवर्तन और अनियमित मानसून ने इस चुनौती को और बढ़ा दिया है। विश्व बैंक के अनुसार, वैश्विक स्तर पर लगभग 2.2 अरब लोग सुरक्षित पेयजल की पहुंच से वंचित हैं और 4.2 अरब लोगों को स्वच्छता सुविधाओं का अभाव है। भारत में, नीति आयोग की 2018 की रिपोर्ट ने चेतावनी दी थी कि 2030 तक देश के 40% से अधिक हिस्से में गंभीर जल संकट हो सकता है। दिल्ली, बेंगलुरु, चेन्नई और हैदराबाद जैसे प्रमुख शहर पहले ही डे ज़ीरो की स्थिति का सामना कर चुके हैं, जहां जल स्रोत पूरी तरह सूख गए। यह आंकड़ा और भी भयावह है : भारत में प्रति व्यक्ति जल उपलब्धता 1951 में 5,177 घन मीटर से घटकर 2025 में केवल 1,341 घन मीटर रह गई है। यह स्थिति न केवल चिंताजनक है, बल्कि तत्काल कार्रवाई की मांग करती है। जल संकट अब केवल पर्यावरणीय समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक संकट का रूप ले चुका है। इस संपादकीय में, हम जल संकट के कारणों, प्रभावों और टिकाऊ जल प्रबंधन की आवश्यकता पर चर्चा करेंगे, साथ ही भारत के संदर्भ में व्यावहारिक समाधानों का प्रस्ताव देंगे।

जल संकट के पीछे कई परस्पर जुड़े कारक हैं। सबसे पहले, जनसंख्या वृद्धि और शहरीकरण ने जल की मांग को अभूतपूर्व स्तर तक बढ़ा दिया है। भारत की जनसंख्या 1.4 अरब को पार कर चुकी है और 2030 तक 50% से अधिक लोग शहरों में रहने लगेंगे। शहरी क्षेत्रों में पानी की खपत ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में कहीं अधिक है, क्योंकि औद्योगीकरण, घरेलू उपयोग और जीवनशैली में बदलाव ने जल की मांग को बढ़ाया है।

दूसरा, जलवायु परिवर्तन ने जल चक्र को बाधित किया है। अनियमित मानसून, सूखा और बाढ़ की बढ़ती घटनाएं जल संसाधनों की उपलब्धता को प्रभावित कर रही हैं। उदाहरण के लिए, 2023 में भारत के कई हिस्सों में मानसून की बारिश औसत से 10-15% कम रही, जिसने जलाशयों और भूजल स्तर को और कम कर दिया। तीसरा, जल संसाधनों का अति-दोहन एक प्रमुख समस्या है। भारत में 80% से अधिक पेयजल और सिंचाई भूजल पर निर्भर है। केंद्रीय भूजल बोर्ड के अनुसार, देश के 17 राज्यों में भूजल स्तर अति-दोहन की श्रेणी में है। पंजाब, हरियाणा और राजस्थान जैसे राज्य, जो भारत के खाद्यान्न उत्पादन का केंद्र हैं, सबसे अधिक प्रभावित हैं। चौथा, जल प्रदूषण ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। गंगा, यमुना और अन्य प्रमुख नदियां औद्योगिक कचरे, सीवेज और कृषि रसायनों से प्रदूषित हो चुकी हैं। नीति आयोग की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 70% सतही जल प्रदूषित है, जिससे पेयजल की कमी और बढ़ रही है। अंत में, नीतिगत और प्रशासनिक कमियां भी जिम्मेदार हैं। जल प्रबंधन के लिए एकीकृत दृष्टिकोण का अभाव, विभिन्न विभागों में समन्वय की कमी और अवैध जल उपयोग को रोकने में नाकामी ने संकट को गहरा किया है।

जल संकट के प्रभाव : जल संकट के प्रभाव बहुआयामी हैं। सबसे पहले, यह स्वास्थ्य पर गंभीर असर डालता है। दूषित पानी के सेवन से डायरिया, हैजा और टाइफाइड जैसी बीमारियां बढ़ रही हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, भारत में प्रतिवर्ष 4 लाख से अधिक लोग जलजनित बीमारियों के कारण मरते हैं। दूसरा, जल संकट कृषि और खाद्य सुरक्षा को प्रभावित करता है। भारत में 60% से अधिक कृषि सिंचाई पर निर्भर है और भूजल की कमी ने फसल उत्पादन को कम किया है। 2019 में, महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे राज्यों में सूखे के कारण लाखों किसान प्रभावित हुए, जिसने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को चोट पहुंचाई।

तीसरा, जल संकट सामाजिक असमानता को बढ़ाता है। गरीब और हाशिए पर रहने वाले समुदायों को स्वच्छ पानी की सबसे अधिक कमी झेलनी पड़ती है। महिलाएं और बच्चियां, जो अक्सर पानी लाने की जिम्मेदारी संभालती हैं, को लंबी दूरी तय करनी पड़ती है, जिससे उनकी शिक्षा और आजीविका पर असर पड़ता है। चौथा, जल की कमी औद्योगिक उत्पादन और आर्थिक विकास को प्रभावित करती है। जल-गहन उद्योग जैसे कपड़ा, चमड़ा और बिजली उत्पादन पानी की कमी के कारण उत्पादन में कटौती कर रहे हैं। यह रोजगार और जीडीपी पर नकारात्मक प्रभाव डालता है।

टिकाऊ जल प्रबंधन की आवश्यकता : जल संकट से निपटने के लिए टिकाऊ जल प्रबंधन अपरिहार्य है। टिकाऊ जल प्रबंधन का अर्थ है जल संसाधनों का ऐसा उपयोग जो वर्तमान पीढ़ी की जरूरतों को पूरा करे, साथ ही भविष्य की पीढ़ियों के लिए जल उपलब्धता सुनिश्चित करे। इसके लिए निम्नलिखित कदम उठाए जा सकते हैं : -

1. जल संरक्षण और पुनर्जनन : जल संरक्षण के लिए वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देना आवश्यक है। भारत में, जहां औसतन 1,170 मिमी वार्षिक वर्षा होती है, वर्षा जल संचयन से भूजल स्तर को पुनर्जनन किया जा सकता है। तमिलनाडु और राजस्थान जैसे राज्यों में वर्षा जल संचयन की सफल कहानियां प्रेरणादायक हैं। उदाहरण के लिए, राजस्थान के अलवर जिले में तारुण भारत संगठन ने पारंपरिक जोहड़ों के पुनरुद्धार से भूजल स्तर को 6-8 मीटर तक बढ़ाया है।
2. भूजल प्रबंधन : भूजल के अति-दोहन को रोकने के लिए सख्त नियम लागू करने होंगे। भूजल पुनर्भरण के लिए कृत्रिम रिचार्ज संरचनाएं, जैसे चेक डैम और तालाब, बनाए जाने चाहिए। साथ ही, किसानों को ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई जैसी जल-कुशल तकनीकों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना होगा।
3. नदियों और जलाशयों का संरक्षण : नदियों के प्रदूषण को कम करने के लिए औद्योगिक कचरे और सीवेज के उपचार को अनिवार्य करना होगा। नमामि गंगे जैसे कार्यक्रमों को और प्रभावी बनाने की आवश्यकता है। साथ ही, जलाशयों के अवसादन को रोकने के लिए वनीकरण और मृदा संरक्षण पर ध्यान देना होगा।
4. जल उपयोग में दक्षता : शहरी क्षेत्रों में जल उपयोग की दक्षता बढ़ाने के लिए स्मार्ट मीटरिंग और लीकेज नियंत्रण आवश्यक है। बेंगलुरु जैसे शहरों में 40% से अधिक पानी पाइपलाइन लीकेज के कारण बर्बाद हो जाता है। इसके अलावा, घरेलू स्तर पर जल-बचत उपकरणों, जैसे कम-प्रवाह वाले शावर और शौचालय, को बढ़ावा देना होगा।
5. नीतिगत सुधार : जल प्रबंधन के लिए एक राष्ट्रीय जल नीति की आवश्यकता है, जो केंद्र और राज्यों के बीच समन्वय स्थापित करे। जल को एक सामुदायिक संसाधन के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए, न कि निजी संपत्ति के रूप में। साथ ही, जल उपयोग के लिए मूल्य निर्धारण नीति लागू की जानी चाहिए, जो अति-उपयोग को हतोत्साहित करे।
6. सामुदायिक भागीदारी : जल प्रबंधन में स्थानीय समुदायों की भागीदारी महत्वपूर्ण है। पंचायतों और स्थानीय निकायों को जल संरक्षण और प्रबंधन की जिम्मेदारी दी जानी चाहिए। गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र में, सामुदायिक प्रयासों से हजारों चेक डैम बनाए गए, जिसने भूजल स्तर को सुधारा।

## भारत में सहकारिता का सशक्तिकरण और 2025 अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष

> सहकारी समितियों के सशक्तिकरण के लिए डिजिटलीकरण एक महत्वपूर्ण उपाय है। डिजिटल बैंकिंग और यूपीआई जैसे प्लेटफॉर्म ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय समावेशिता को बढ़ा सकते हैं। सहकारी बैंकों को डिजिटल भुगतान प्रणालियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिससे उनकी पहुंच और कार्यक्षमता में सुधार हो रहा है। ब्लॉकचेन तकनीक का उपयोग आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में पारदर्शिता सुनिश्चित करता है, विशेष रूप से डेयरी और कृषि सहकारी समितियों में। उदाहरण के लिए, तमिलनाडु की औरोविल सहकारी समितियाँ ब्लॉकचेन का उपयोग शुरू कर चुकी हैं।

पूनम चतुर्वेदी शुक्ला

भारत में सहकारिता आंदोलन सामाजिक और आर्थिक समावेशिता का एक महत्वपूर्ण साधन रहा है, जो ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में कमजोर वर्गों को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 2025 को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष घोषित किया जाना इस क्षेत्र की वैश्विक और स्थानीय प्रासंगिकता को रेखांकित करता है। इस वर्ष का थीम, सहकारी समितियों की सतत और समावेशी विकास में महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करता है, जो संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों को 2030 तक प्राप्त करने में सहायता करता है।

भारत, जिसे इस वैश्विक उत्सव की शुरुआत के लिए चुना गया है, सहकारी आंदोलन को नई ऊँचाइयों तक ले जाने के लिए एक अनूठा अवसर प्राप्त करता है। यह संपादकीय भारत में सहकारिता के सशक्तिकरण के उपायों और 2025 के अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के महत्व पर प्रकाश डालता है, जो सामाजिक-आर्थिक विकास में सहकारी समितियों की भूमिका को और मजबूत करने की दिशा में एक रोडमैप प्रस्तुत करता है। भारत में सहकारिता का इतिहास 1904 के सहकारी ऋण समिति अधिनियम से शुरू होता है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण किसानों को साहूकारों के शोषण से बचाना और सस्ते ऋण प्रदान करना था।

स्वतंत्रता के बाद, सहकारी समितियों को सामुदायिक विकास का एक महत्वपूर्ण साधन माना गया, और प्रथम पंचवर्षीय योजना (1951-56) में इनका विशेष महत्व रहा।

आज, भारत में लगभग 8 लाख सहकारी समितियाँ और 29 करोड़ से अधिक सदस्य हैं, जो कृषि, डेयरी, मत्स्य पालन, आवास, और वित्तीय सेवाओं जैसे क्षेत्रों में योगदान दे रही हैं। अमूल, गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन संघ, इसका एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जो 3.6 मिलियन से अधिक दुग्ध उत्पादकों को जोड़ता है, जिनमें अधिकांश छोटे और सीमांत किसान हैं, विशेष रूप से महिलाएँ। सहकारी समितियाँ देश के कृषि ऋण वितरण का 20%, उर्वरक वितरण का 35%, और चीनी उत्पादन का 31% हिस्सा संभालती हैं, जो उनकी आर्थिक प्रासंगिकता को दर्शाता है।

हालांकि, सहकारी समितियाँ प्रबंधकीय अक्षमता, वित्तीय संसंधनों की कमी, और तकनीकी पिछड़ेपन जैसी चुनौतियों से जूझ रही हैं। इन समस्याओं ने सहकारी आंदोलन की गति को धीमा किया है, जिसके समाधान के लिए नीतिगत, तकनीकी, और सामुदायिक स्तर पर समन्वित प्रयासों की आवश्यकता है। 2025 का अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष इन चुनौतियों का सामना करने और सहकारी समितियों को सतत विकास के लिए एक प्रभावी मॉडल के रूप में स्थापित करने का एक सुनहरा अवसर प्रदान करता है।

2025: अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष का महत्व संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 19 जून 2024 को 2025 को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष घोषित किया, जो 2012 के बाद दूसरी बार इस तरह का वैश्विक उत्सव है। इस वर्ष का थीम, सहकारी समितियों की सामाजिक, आर्थिक, और पर्यावरणीय आयामों में सतत विकास में योगदान को रेखांकित करता है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, सहकारी समितियाँ गरीबी उन्मूलन, लैंगिक समानता, और सतत आर्थिक विकास जैसे एसडीजीएस को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। भारत में इस वर्ष का औपचारिक उद्घाटन नई दिल्ली में 25-30 नवंबर 2024 को आयोजित आईसीए ग्लोबल कोऑपरेटिव कॉन्फ्रेंस और जनरल असेंबली में हुआ, जिसमें 100 से अधिक देशों के 3000 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस आयोजन ने सहकारी समितियों के लिए चार प्रमुख स्तंभों पर ध्यान केंद्रित किया: सहकारी पहचान की पुष्टि, सहायक नीतियों का विकास, मजबूत नेतृत्व का निर्माण, और सतत भविष्य की स्थापना। भारत के लिए यह अवसर विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह देश की सहकारी नीति सहकार से समृद्धि के साथ संरेखित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इस वर्ष के उद्घाटन और एक स्मारक डाक टिकट का विमोचन भारत की सहकारी आंदोलन के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह वैश्विक मंच भारत को सहकारी मॉडल को बढ़ावा देने और वैश्विक स्तर पर इसकी प्रभावशीलता को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करता है।

2021 में सहकारिता मंत्रालय की स्थापना भारत में सहकारी आंदोलन को पुनर्जनन देने का एक ऐतिहासिक कदम था। मंत्रालय ने प्राथमिक कृषि ऋण समितियों को बहुउद्देश्यीय बनाने के लिए मॉडल उप-नियम 5.1.202 लागू किए, जो पैक्स को डेयरी, मत्स्य पालन, और भंडारण जैसे क्षेत्रों में विस्तार करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। दिसंबर 2023 तक, 2000 PACS को जन औषधि केंद्रों के रूप में चिह्नित किया गया है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में सस्ती दवाओं की उपलब्धता बढ़ेगी। इसके अतिरिक्त, 2022 का बहु-राज्य सहकारी समिति (संशोधन) अधिनियम सहकारी चुनाव प्राधिकरण की स्थापना के माध्यम से पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देता है। संयुक्त राष्ट्र ने भी राष्ट्रीय समितियों के गठन को प्रोत्साहित किया है ताकि आईवाईसी 2025 की गतिविधियों का समन्वय किया जा सके। भारत में ऐसी समितियाँ स्थानीय सरकारों, सहकारी समितियों, और नागरिक समाज को एकजुट करके नीतिगत ढांचे को मजबूत कर सकती हैं। राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम ने 2023-24 में सहकारी समितियों के लिए 41,024 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की है, जो इस क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

सहकारी समितियों के सशक्तिकरण के लिए डिजिटलीकरण एक महत्वपूर्ण उपाय है। डिजिटल बैंकिंग और यूपीआई जैसे प्लेटफॉर्म ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय समावेशिता को बढ़ा सकते हैं। सहकारी बैंकों को डिजिटल भुगतान प्रणालियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिससे उनकी पहुंच और कार्यक्षमता में सुधार हो रहा है। ब्लॉकचेन तकनीक का उपयोग आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में पारदर्शिता सुनिश्चित करता है, विशेष रूप से डेयरी और कृषि सहकारी समितियों में। उदाहरण के लिए, तमिलनाडु की औरोविल सहकारी समितियाँ ब्लॉकचेन का उपयोग शुरू कर चुकी हैं। इसके अतिरिक्त, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डेटा एनालिटिक्स सहकारी समितियों को बाजार विश्लेषण और जोखिम मूल्यांकन में सहायता प्रदान कर सकते हैं।

## दुनिया की लाखों जिन्दगियां में जहर घोलता अकेलापन

ललित गर्ग

'हर छठा व्यक्ति अकेला है'-यह निष्कर्ष विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की ताज़ा रिपोर्ट का है, जिसने पूरी दुनिया को चिन्ता में डाला है एवं सोचने पर मजबूर कर दिया है कि आखिर हम कैसी समाज-संरचना कर रहे हैं, जो इंसान को अकेला बना रही है। दुनिया के करोड़ों लोग टूटे रिश्तों व संवादहीनता की स्थितियों में नितांत खामोशी का जीवन जी रहे हैं। गौर करे तो इंसान के भीतर की ये खामोशी लाखों जिंदगियां में महामारी के रूप में जहर घोल रही है। विडंबना यह है कि इस संकट का सबसे ज्यादा शिकार युवा हो रहे हैं। वृद्ध तो पहले से ही सामाजिक एवं पारिवारिक विसंगतियों में उपेक्षित है। निश्चय ही जीवन की विसंगतियां एवं विषमताएं बढ़ी हैं। कई तरह की चुनौतियां सामने हैं। डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट बताती है कि दुनिया की लगभग 16 प्रतिशत आबादी आज किसी न किसी रूप में अकेलेपन, सामाजिक अलगाव या भावनात्मक दूरी का शिकार है। यह स्थिति केवल वृद्धजनों तक सीमित नहीं रही, बल्कि युवाओं, कामकाजी पेशेवरों, और यहां तक कि बच्चों तक फैल चुकी है। डिजिटल युग में जहां सब कुछ 'कनेक्टेड' लगता है, वहीं इंसानी रिश्तों में एक अदृश्य दूरी, कृत्रिमता और आत्मीयता का अभाव देखने को मिल रहा है। सोशल मीडिया की आभासी दुनिया में हम जितने अधिक जुड़े हैं, उतने ही भावनात्मक रूप से अकेले हो गए हैं। व्यक्तिवादी सोच, सामाजिक दुष्प्रभाव एवं रिश्तों की बिखरती दीवारों में अकेलेपन का घातक प्रभाव सामाजिक ढांचे पर गहरे रूप में पड़ रहा है। पारिवारिक संबंधों में दरारें, विवाहों में असंतोष, और तलाक की बढ़ती दरें इसकी साफ़ निशानी हैं। युवा पीढ़ी में अवसाद, आत्महत्या की प्रवृत्ति और नशे की ओर झुकाव एक चिंताजनक ट्रेंड बन गया है। बुज़ुर्गों में अकेलेपन से उत्पन्न अल्ज़ाइमर, डिमेंशिया और अन्य मानसिक रोग तेजी से बढ़ रहे हैं। अकेलापन केवल किसी व्यक्ति की व्यक्तिगत कमजोरी नहीं है, बल्कि यह समाज की सामूहिक विफलता का संकेत है। जब हम तकनीक, दौड़ और स्वार्थ में इतने उलझ जाते हैं कि किसी के पास "सुनने का समय" नहीं रहता, तब अकेलापन जन्म लेता है। अब समय आ गया है कि हम फिर से रिश्तों, संवाद और करुणा की दुनिया की ओर लौटें। अन्यथा अकेलापन, उदासी और असंतुष्टि की भावनाएं कचोटती रहेगी। कामकाजी परिस्थितियों का लगातार जटिल होना एवं महंगी होती जीवनशैली ने अकेलापन के संकट को गहरा बनाया है। उन परिवारों में यह स्थिति और जटिल है, जहां पति-पत्नी दोनों कामकाजी हैं और बच्चे हॉस्टलों व बोर्डिंग स्कूल में रह रहे हैं। व्यावसायिक क्षेत्रों में भी काम का बोझ इंसानों को अकेला बना रहा है। कार्यालयों और कार्यस्थलों पर भी अकेलापन एक गंभीर चुनौती बन रहा है। कर्मचारी भावनात्मक जुड़ाव की कमी के कारण कार्य में रुचि नहीं लेते। टीम वर्क, इनोवेशन और सहयोग पर इसका नकारात्मक असर पड़ता है। अकेलापन लंबे समय तक बना रहा तो यह बर्नआउट, कार्य से असंतोष और कर्मचारी त्यागपत्र जैसी स्थितियों को जन्म देता है। इससे उत्पादकता में भी गिरावट आती है। मेकिन्से और डेलॉइट जैसी वैश्विक कंसल्टिंग फर्म्स की रिपोर्टें दर्शाती हैं कि अकेलापन कर्मचारियों की उत्पादकता को 15-20 प्रतिशत तक घटा सकता है, जिससे कंपनियों को अरबों डॉलर का नुकसान हो सकता है। अकेलेपन के इस संकट से निपटने के लिए व्यक्तिगत, सामाजिक और संस्थागत स्तर पर सामूहिक प्रयास ज़रूरी हैं।

# शिमला मिर्च की जैविक खेती, किस्में और पैदावार

**शिमला मिर्च को बेल पेपर या स्वीट पेपर भी कहा जाता है। शिमला मिर्च की जैविक खेती हमारे देश के विभिन्न क्षेत्रों में की जाती है। इसमें तीखापन नहीं होता, इसलिए इसका उपयोग सब्जी के रूप में एवं फास्ट फूड के रूप में ज्यादा होता है। भारत में आमतौर पर हर मौसम में शिमला मिर्च की खेती की जाती है और अन्य देशों को भी इसकी आपूर्ति की जाती है। हमारे देश में उत्पादकों को शिमला मिर्च की जैविक खेती के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। जिससे मानव जीवन और पर्यावरण भी सुरक्षित रहें और उत्पादकों को भी कम उत्पादन लागत पर अधिकतम पैदावार मिल सके।**

## उपयुक्त जलवायु

शिमला मिर्च एक रबी मौसम की सब्जी है, जिसे जनवरी से फरवरी में खेतों में लगाया जाता है। इसकी खेती वर्तमान में पॉलीहाउस में पुरे साल की जाने लगी है। जिसमें अन्य मौसम में भी खेती सफलतापूर्वक की जाती है। बरसात में ज्यादा पानी के कारण पौधों को नुकसान होता है, फूलों के गिरने की समस्या होती है। फलने के समय दिन का तापक्रम 26 से 28 डिग्री और रात्री का तापक्रम 17 से 18 डिग्री सेल्सियस उपयुक्त होता है।

## भूमि का चयन

शिमला मिर्च की जैविक खेती मैदानी से मध्य पर्वतीय क्षेत्रों में सफलतापूर्वक की जा सकती है। यह इन क्षेत्रों की एक प्रमुख नकदी फसल है। शिमला मिर्च की जैविक खेती के लिए अच्छी जल निकासी वाली मध्यम रेतीली दोमट भूमि उपयुक्त होती है। मिटटी का पी एच मान 5.5 से 6.8 और जैविक कार्बन 1 प्रतिशत से अधिक होनी चाहिए। मिटटी में पी एच स्तर, जैविक कार्बन, गौण पोषक तत्व (एनपीके), सूक्ष्म पोषक तत्व तथा खेत में सूक्ष्म जीवों के प्रभाव की मात्रा की जांच करवाने हेतू वर्ष में एक बार मिटटी परीक्षण जरूरी है। पी एच मान कम होने पर चुने का प्रयोग करें।

## खेत की तैयारी

यदि जैविक कार्बन तत्व एक प्रतिशत से कम हो तो खेत में 20 से 25 टन प्रति हेक्टेयर गोबर की खाद का प्रयोग करें और खेत में भली प्रकार से 2 से 3 बार हल चलाकर गोबर खाद को मिलाएं, हर जुताई के बाद सुहागा प्रयोग में लायें, ताकि खेत में किसी प्रकार के ढेले न रहें और खेत अच्छी प्रकार समतल हो सके।

## अनुमोदित किस्में

शिमला मिर्च की जैविक खेती के लिए उत्पादकों को अपने क्षेत्र की प्रचलित और अधिक उपज देने वाली किस्म का चयन करना चाहिए। कुछ अनुमोदित किस्में इस प्रकार है, जैसे- केलीफोर्निया वन्डर, यलो वन्डर, सोलन भरपूर, भारत, सोलन संकर- 1, सोलन संकर – 2, इंद्रा, डौलर और अन्य स्थानीय किस्में प्रमुख है।

## बुआई का समय

**मैदानी और निचले पर्वतीय क्षेत्र-** फरवरी से मार्च बुवाई का उपयुक्त समय है।
**मध्य पर्वतीय क्षेत्र-** मार्च से मई बुवाई का उपयुक्त समय है।
**ऊंचे पर्वतीय क्षेत्र-** रोपण योग्य पौध को निचले या मध्य पर्वतीय क्षेत्रे से लाना या पौध को नियन्त्रण वातावरण में इस तरह तैयार करें ताकि अप्रैल से मई में रोपाई हो सके।
बीज अंकुरण के समय तापमान 20 डिग्री सैल्सियस होना चाहिए। जब पौध 10 से 15 सेंटीमीटर ऊंची हो जाए तो खेत में शाम के समय इसकी रोपाई करें। रोपाई के बाद सिंचाई करना तथा कुछ दिनों तक सुबह-शाम पानी देना अति आवश्यक है।

## बीज का उपचार

बीज क्यारियों में बोने से पहले बीजों को 4 ग्राम प्रति किलोग्राम के हिसाब से ट्राइकोडर्मा विरिडी से उपचारित किया जाना

चाहिए। बीज क्यारियों में बोया जाता है। जिनका आकार 1 x 3 मीटर x 20 सेंटीमीटर होना चाहिए। बीज की क्यारियों में गोबर की खाद 20 से 25 किलोग्राम तथा ट्राईकोडर्मा हरजियानम 4 ग्राम प्रति किलोग्राम और कारंज (पोगमिया) या नीम की खली शामिल किए जाते हैं। बीजों को 1 प्रतिशत पंचगव्य के साथ 12 घंटों तक संसोधित करना अच्छा होता है। पौध को टमाटर की तरह संसाधित करें।

## बीज मात्रा

शिमला मिर्च की जैविक खेती के लिए जहाँ तक संभव हो सके उत्पादक बन्धुओं को स्वच्छ और जैविक प्रमाणित बीज का प्रयोग करना चाहिए। बीज की मात्रा इस प्रकार है, जैसे-

सामान्य किस्में- सामान्य किस्मों का 550 से 750 ग्राम बीज प्रति हेक्टेयर उपयुक्त रहता है।
**संकर किस्में-** संकर किस्मों की खेती के लिए 200 से 300 ग्राम बीज प्रति हेक्टेयर उपयुक्त रहता है।

## अन्तराल

**नर्सरी-** नर्सरी में स्वस्थ पौध तैयार करने के लिए कतार से कतार की दुरी 5 से 6 सेंटीमीटर रखी जाती है जबकि कतार में पौधे से पौधे की दुरी 2 से 3 सेंटीमीटर रखी जाती है।
**मुख्य खेत-** खेत में रोपण के समय फसल से अधिकतम उत्पादन के लिए कतार से कतार की दुरी 55 से 60 सेंटीमीटर रखी जाती है जबकि कतार में पौधे से पौधे की दुरी 40 से 45 सेंटीमीटर रखी जाती है।
**बोने की गहराई-** बीज बोने की गहराई 0.5 से 1.0 सेंटीमीटर के बीच की उचित मानी गई है।

## खाद प्रबंधन

शिमला मिर्च की जैविक खेती के लिए फलीदार जैसी दलहनी परिवार की फसलों के साथ आवर्तन से मिटटी में नाईट्रोजन की स्थिति समृद्ध होती है। खेत में तीन से चार बार हल चलाएं और प्रत्येक जुताई के बाद सुहागा लगाये जिससे मिट्टी भुरभुरी हो जाए, खेत में 20 टन प्रति हेक्टेयर गोबर की खाद और 2 टन प्रति हेक्टेयर बी डी कम्पोस्ट या 15 टन प्रति हेक्टेयर वर्मी कम्पोस्ट डालते है, जिससे आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति संभव है।

## सिंचाई व जल प्रबंधन

प्रतिरोपण के तत्काल बाद, फूल आने पर तथा फल विकास की अवस्था में पानी की कमी नहीं आनी चाहिए। शुष्क मौसम के दौरान प्रतिरोपण के बाद पहले माह 3 से 4 दिन के अन्तराल पर सिंचाई और तदोपरांत फसल तैयार होने तक 7 से 10 दिन के अन्तराल पर करें, और जल निकासी पर विशेष ध्यान दें। क्योंकि खेतों में अधिक नमी से फसल खराब हो जाती है। इसलिए खेत में पानी खड़ा न होने दें।

## खरपतवार प्रबंधन

शिमला मिर्च की जैविक खेती हेतु खरपतवार को नियन्त्रण में रखने के लिए फसल चक्र अपनाएं। हाथ द्वारा खरपतवार निकालने से मिटटी ढीली हो जाती है, जो फसल के लिए लाभकारी है। रोपाई के 30 से 50 दिन तक खरपतवार न उगने दें। तीन से चार बार गुड़ाई के साथ खरपतवार निकाल दें।

## कीट नियंत्रण

**कीट मक्खियां-** शिमला मिर्च की जैविक खेती में तेला तथा थ्रिप्स पत्तों का रस चूसकर पौधे को हानि पहुंचाते हैं। ये विषाणु रोगों को भी फैलाते हैं।
**नियंत्रण-** रस चूसने वाले कीटों की रोकथाम के लिए नीम तेल 3 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी या वरटीसीलियम लेकेनाई 0.03 प्रतिशत घोल या घनीरी अर्क 5 प्रतिशत का प्रयोग उपयुक्त होता है।
**दीमक व कीट मकोड़े-** ये मैदानी और निचले पर्वतीय क्षेत्रों के असिंचित इलाकों में अंकुरित पौधों को खत्मकर देते हैं।

**नियंत्रण-**

1. शिमला मिर्च की जैविक खेती की रोपाई से पहले मिटटी में नीम के पत्ते से तैयार की गई खाद (5 क्विंटल प्रति हेक्टेयर) या नीम के बीजों से तैयार खाद (1 क्विंटल प्रति हेक्टेयर) का प्रयोग करने से दीमक का प्रकोप कम हो जाता है।
2. चूना तथा गन्धक का मिश्रण जमीन में डालने से दीमक के प्रकोप में कमी आती है।
3. लकड़ी से प्राप्त राख को पौधों के तनों के मूल में डालने से दीमक के प्रकोप में कमी आती है।

# नई तकनीक के जरिये करें खेती

अगर आपमें कुछ नया करने की चाहत है तो आप खेती में भी कैरियर बना सकते हैं। इसी को देखते हुए आजकल कई पढ़े लिखे युवा अच्छी खासी नौकरी छोड़कर जैविक खेती के जरिये मोटी कमाई कर रहे हैं। इससे एक तो बेहतर किस्म के उत्पाद लोगों को मिलते हैं। वहीं रोजगार की भी समस्या हल होती है। कई युवा हर्बल खेती, फल, सब्जियों और फूलों की खेती और अन्य कई प्रकार की खेती कर रहे हैं। इसमें खेती की नई विधियों के इस्तेमाल के साथ ही रसायनिक खादों की जगह परंपरिक खाद का इस्तेमाल हो रहा है। अब हाइड्रोपोनिक खेती की एक और विधि आई है। इसमें हाइड्रोपोनिक तकनीक की ट्रेनिंग लेने के बाद युवा जैविक विधि से खेती खेती कर रहे हैं। से वर्तमान में इस्तेमाल हो रहे रसायनिक उवर्रकों से फसल तो ज्यादा होती है पर इसमें कई हानिकारक तत्व भी आ जाते हैं।

## कैसे करते हैं हाइड्रोपोनिक खेती

इस तकनीक में मिट्टी की जगह पानी ले लेता है। इसके अलावा इसमें पानी का भी उतना ही इस्तेमाल किया जाता है, जितनी फसल को जरूरत हो। पानी की सही मात्रा और सूरज के प्रकाश से पौधे अपना विकास करते हैं। इसमें अलग-अलग चैनल बना कर पोषक तत्त्वों युक्त पानी पौधों तक पहुंचाया जाता है। इस प्रकार कृषि फार्म की ऑर्गैनिक सब्जियों के जरिये आप हर महीने लाखों रुपए की कमाई कर सकते हैं।
रसायनिक खाद के नुकसान को देखते हुए जैविक रुप से उगाये उत्पादों की अच्छी खासी मांग है। आज इन्हें होटलों, सुपर मार्केट और कृषक बाजारों में बेचकर अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं।

# बच्चे को है गेम का अडिक्शन तो न हों परेशान

क्या आपको अपने बढ़ते बच्चे के गेमिंग अडिक्शन को लेकर उसकी सोशल लाइफ खराब होने की चिंता है? परेशान मत होइए क्योंकि एक शोध में सामने आया है कि टीनेज गेमर्स के गेम न खेलने वालों से ज्यादा फ्रेंड्स होते हैं। नतीजों से पता चला है कि जिन बच्चों में गेम को लेकर कॉमन इंट्रेस्ट होता है उनकी स्कूल में जल्दी दोस्ती हो जाती है। किशोर अपने डिजिटल गेमिंग टाइम को भी इस तरह से मैनेज करते हैं कि वह अपनी उम्र के बाकी बच्चों की तरह दोस्तों, स्पोर्ट्स और स्कूल को भी महत्व दे सकें। रीसर्च में 115 स्वीडिश बच्चों के सोशल नेटवर्क के बनने फिर उसे बदलने की प्रक्रिया को देखा गया। नतीजे में सामने आया कि गेम खेलने वाले किशोर बच्चों के दोस्त गेम न खेलने वाले बच्चों की तुलना में कम नहीं थे। स्वीडेन यूनिवर्सिटी की पोस्ट-डॉक्टरल स्टूडेंट कहती हैं, 'नतीजे चौंकाने वाले और उम्मीद के मुताबिक थे। हमने सोचा था कि गेमर्स दोस्त बनाने वाले निकलेंगे।' इससे पहले भी स्टडीज में साबित हो चुका है कि डिजिटल गेमिंग ऐक्टिविटीज से रिलैक्स होने में और बॉडी का स्ट्रेस कम करने में मदद मिलती है।

# सर्वाइकल कैंसर से रहे सावधान

सर्वाइकल कैंसर के मामले तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। हर साल 74 हजार महिलाओं की मौत के मद्देनजर महिलाओं को इस खतरे से जागरूक करने के लिए कुछ उपाय सुझाए हैं। विश्व भर में सर्वाइकल कैंसर की वजह से होने वाली मौतों में से एक तिहाई भारत में होती हैं। महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर का पता देरी से चलने के कारण यह उनकी मृत्यु का एक प्रमुख कारण बनता जा रहा है। इस बीमारी से सुरक्षित रहने का सबसे प्रभावी तरीका है, समय पर इसकी जांच करवाना. हालांकि, इसके बारे में जानकारी का अभाव रुकावट पैदा करता है। कैंसर जो सर्विक्स की लाइनिंग को प्रभावित करता है, उसे सर्वाइकल कैंसर कहा जाता है। शहरी लोगों की तुलना में यह बीमारी ग्रामीणों में ज्यादा होती है। सर्वाइकल कैंसर का सबसे प्रमुख कारण इंसानी पेपिलोमा वायरस या एचपीवी होता है। एचपीवी वायरस के संवाहक के साथ यौन संपर्क में आने से एचपीवी फैलता है। योनी से असामान्य रक्तस्राव, सेक्स या फिर टेंपोन इंसर्ट करने के दौरान रक्तस्राव होना। यौन संबंध बनाने के दौरान दर्द महसूस होना, योनी से रक्तमिश्रित अनियिमित डिसचार्ज, मासिकधर्म के बीच में योनी से रक्तस्राव, कमर, पैर या पेडू में दर्द महसूस होना, थकान, वजन में कमी, भूख ना लगना इसके प्रमुख लक्षण हैं।

# दस्त और कब्ज दोनों का इलाज है सेब, जानिए खाने का तरीका

कहते हैं कि रोज एक सेब खाने से कभी डॉक्टर के पास जाने की जरूरत नहीं पड़ती। जी हां, ये बात बिलकुल सच है कि सेब में इतने पोषक तत्व मौजूद होते हैं कि ये आपको हर बीमारी से बचाकर रखता है। इसमें कैलोरी कम होती है जो कि वजन घटाने में मदद करता है और डायबिटीज के खतरे को कम करने के साथ-साथ सेब आपके दिल को भी हेल्दी रखता है। शायद यही वजह है कि फलों में सेब को इतना पसंद किया जाता है। हम सभी जानते हैं कि सेब स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है और इसके सेवन से कई बीमारियों से बचा जा सकता है। इसी तरह सेब दो विपरीत स्वास्थ्य समस्याओं यानी कब्ज और दस्त का इलाज भी करता है।

## सेब के गुण

सेब घुलनशील और अघुलनशील फाइबर से बना होता है। इसमें 64 फीसदी अघुलनशील फाइबर और 32 फीसदी घुलनशील फाइबर होता है।

## कैसे करें दस्त का इलाज

घुलनशील फाइबर पाचन को धीमा कर देते हैं जिससे दस्त की समस्या कम होती है। सेब के अंदरूनी भाग यानी पल्प और गूदे में घुलनशील फाइबर मौजूद होते हैं। तो अगर आपको दस्त हैं तो बेहतर होगा कि आप सेब का छिलका उतार कर खाएं।

## सेब से कब्ज का इलाज

सेब में मौजूद अघुलनशील फाइबर मल की मात्रा को बढ़ाते हैं और आंतों को साफ करने का रास्ता बनाने में मदद करते हैं। इस वजह से सेब कब्ज में लाभकारी होता है। सेब के छिलके में अघुलनशील फाइबर पाए जाते हैं इसलिए अगर आपको कब्ज की समस्या है तो इससे राहत पाने के लिए छिलके के साथ सेब खाएं। अमेरिकन जरनल ऑफ क्लीनिकल न्यूट्रिशन की एक स्टडी में पाया गया कि जो महिलाएं रोज सेब खाती थीं उनमें सेब न खाने वाली महिलाओं की तुलना में कब्ज की समस्या 13 से 22 फीसदी कम पाई गई। सेब में पेक्टिन फाइबर भी होता है जो कि एंफोटेरिक प्रभाव देता है। इस प्रकार एक ही फल पेट से जुड़ी दो विपरीत समस्याओं यानी दस्त और कब्ज से छुटकारा पाने में मदद करता है।

## हिमाचल में लैंडस्लाइड, 345 सड़कें बंदः अब तक 137 की मौत, 34 लापता; हरियाणा में अलग-अलग नहरों से 4 शव मिले

नई दिल्लीः मौसम विभाग ने गुरुवार को आठ राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। महाराष्ट्र में रेड, जबकि बिहार, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, ओडिशा, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में ऑरेंज अलर्ट है। वहीं, पिछले 24 घंटों में दिल्ली, गोवा, तेलंगाना सहित 6 राज्यों में सबसे ज्यादा बारिश हुई। हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश के कारण लैंडस्लाइड से दो नेशनल हाईवे समेत कुल 385 सड़कें बंद हैं। राज्य में 22 जून को मानसून की शुरुआत के बाद से, अब तक 137 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 34 लापता हैं। इस दौरान 1382 करोड़ रुपए की सरकारी और निजी संपत्ति भी नष्ट हो चुकी है। उधर हरियाणा में अलग-अलग जगहों पर नहरों में चार लाशें मिलीं। दिल्ली-एनसीआर में बीते दिन लगातार बारिश से सड़कों पर तीन फीट तक पानी भर गया। नोएडा में 5 किलोमीटर लंबा जाम लग गया। नेपाल में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण बिहार में कोसी नदी का जलस्तर बढ़ गया है। देर रात कोसी बराज के 26 गेट खोले गए और करीब 1.73 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया।

## सार्वजनिक बैंकों का एनपीए घटा, भाजपा नेता ने मोदी सरकार की नीतियों को सराहा

मुंबई (ईएमएसए)। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की गैर-निष्पादित आस्तियों (एनपीए) में पिछले चार वर्षों में 9.11 प्रतिशत से घटकर 2.58 प्रतिशत तक कमी आई है। भाजपा नेता गौरव वल्लभ ने इस उपलब्धि को मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों की सफलता बताया और कहा कि मोदीनॉमिक्स देश को 2047 तक विकसित भारत की ओर ले जा रही है। उन्होंने एक अखबार को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि यूपीए शासन के दौरान बैंकिंग प्रणाली में व्यापक भ्रष्टाचार था, जिससे एनपीए का स्तर उच्च था। मोदी सरकार ने इस भ्रष्टाचार को जड़ से उखाड़ फेंका है, जिसके परिणामस्वरूप एनपीए में भारी कमी देखी जा रही है। गौरव वल्लभ ने कहा कि आज भारत उच्च विकास दर, निम्न मुद्रास्फीति और कम एनपीए के तीन स्तंभों पर मजबूत स्थिति में है। उन्होंने विशेष रूप से एमएसएमई सेक्टर में एनपीए की कमी को भारत की अर्थव्यवस्था की मजबूती बताया। राजनीतिक विषय पर गौरव वल्लभ ने राहुल गांधी के मतदाता सूची को लेकर उठाए गए सवालों की कड़ी आलोचना की। उनका कहना था कि राहुल गांधी को देश की जनता वोट नहीं देती, और वह अपनी हार का ठीकरा चुनाव आयोग पर फोड़ना चाहते हैं।

## 12 नहीं 6 घंटे में कानपुर से पहुंच जाएंगे भोपाल...गडकरी बना रहे 4 लेन एक्सप्रेस-वे

जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया अगले 1-2 माह में शुरु

कानपुर,(ईएमएस)। कानपुर-भोपाल के बीच प्रस्तावित इकोनॉमिक कॉरिडोर (एक्सप्रेस-वे) के लिए जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया अगले 1-2 माह में शुरु होगी। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के प्रॉजेक्ट मैनेजर पंकज यादव ने बताया कि एक्सप्रेस-वे को नौबस्ता के पास कानपुर रिंग रोड से जोड़ा जाएगा। रिंग रोड को उन्नाव में कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेस-वे से भी जोड़ा जाएगा। यानि लखनऊ से कानपुर होकर भोपाल तक सीधी 4 लेन रोड मिलेगी। कानपुर से महोबा के बीच काम 2026 के अंत तक शुरू होने की उम्मीद है। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने लखनऊ, कानपुर-भोपाल इकॉनमिक कॉरिडोर बनाने का ऐलान किया था। कानपुर से भोपाल की दूरी नए एक्सप्रेस-वे से 500 किलोमीटर के करीब होगी। ये कानपुर से हमीरपुर, महोबा होकर मध्य प्रदेश के छतरपुर, सागर, विदिशा और भोपाल तक जाएगा। 4-लेन ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे कानपुर के नौबस्ता (रिंग रोड) से शुरू होकर महोबा के कबरई तक जाएगा। ये दूरी 112 किमी होगी। प्रॉजेक्ट मैनेजर ने बताया कि कबरई तक एक्सप्रेस-वे बनाने का जिम्मा कानपुर डिविजन के पास होगा। कबरई से सागर के बीच एक्सप्रेस-वे बनाने का काम एनएचएआई की छतरपुर डिविज़न करेगी। प्रॉजेक्ट मैनेजर के मुताबिक जमीन अधिग्रहण और सिविल निर्माण के काम के लिए लागत का आकलन हो रहा है। भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया पूरी होने में 6-7 महीने लग सकते है। 80-90 प्रतिशत जमीन अधिग्रहण होने के बाद निर्माण की प्रक्रिया शुरू होगी। हमीरपुर से महोबा के बीच जमीन अधिग्रहण के लिए जरूरी धारा-3 कैपिटल ए अधिसूचित कर दी गई है। कानपुर में यह प्रक्रिया जल्द पूरी हो जाएगी। 21 दिनों में आपत्तियां ली जाएंगी। आपत्तियों के निस्तारण के बाद धारा-3डी की प्रक्रिया शुरू कर जमीन को भारत सरकार में निहित किया जाता है और मुआवजे की प्रक्रिया शुरू होती है। इसके बाद अवॉर्ड घोषित कर मुआवजा बांटना शुरू किया जाता है।

## पंजाब पुलिस के पूर्व अधिकारी को फर्जी मुठभेड़ मामले में 10 साल की सजा

मोहाली,(ईएमएस)। 1993 में हुई एक फर्जी मुठभेड़ में दो कांस्टेबलों की हत्या के मामले में सीबीआई की विशेष अदालत ने पंजाब पुलिस के पूर्व अधिकारी परमजीत सिंह को 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने उन पर 50,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है। जानकारी अनुसार अमृतसर के ब्यास थाने के तत्कालीन प्रभारी रहे परमजीत सिंह अब 67 वर्ष के हैं और पुलिस अधीक्षक के पद से सेवानिवृत्त हो चुके हैं। यह मामला 1993 का है, जब बाबा बकाला के कांस्टेबल सुरमुख सिंह और खेला गांव के कांस्टेबल सुखविंदर सिंह को स्कूटर चोरी के शक में हिरासत में लिया गया था, लेकिन बाद में उन्हें फर्जी मुठभेड़ में "अज्ञात आतंकवादी" बताकर मार डाला गया। सीबीआई अदालत के विशेष न्यायाधीश बलजिंदर सिंह सरा ने तीन अन्य आरोपियों – धरम सिंह (तत्कालीन निरीक्षक), कश्मीर सिंह (तत्कालीन एएसआई) और दरबारा सिंह (तत्कालीन एएसआई) को साक्ष्यों के अभाव में बरी कर दिया। वहीं, एक अन्य आरोपी उप निरीक्षक राम लुभाया की मुकदमे के दौरान मृत्यु हो गई। मामले की जांच 1995 में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर सीबीआई को सौंपी गई थी। सीबीआई ने अपनी जांच में खुलासा किया कि यह मुठभेड़ पूरी तरह फर्जी थी और इसे असली दिखाने के लिए पुलिस ने झूठे दस्तावेज तैयार किए थे। मृतकों का बिना पहचान के जल्दबाजी में अंतिम संस्कार कर दिया गया था। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि मृतकों के परिजनों को मुआवजा मिलना चाहिए, जो 1993 से न्याय के लिए दर-दर भटक रहे हैं और उन्होंने इस लड़ाई में बहुत कुछ गंवाया है। अदालत ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मोहाली को मुआवजे की प्रक्रिया पर विचार करने का आदेश दिया है।

# राहुल बोले- चुनाव आयोग ने कर्नाटक में धोखाधड़ी कीः हजारों बोगस वोटर जोड़े, हमारे पास 100% सबूत

नई दिल्लीः कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बिहार में वोटर्स लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के विरोध के बीच चुनाव आयोग (ईसी) पर कर्नाटक में भी धोखाधड़ी का आरोप लगाया। राहुल ने गुरुवार को संसद के बाहर कहा कि वोटर लिस्ट रिवीजन के नाम पर कर्नाटक में हजारों बोगस वोटरों के नाम जोड़े गए। राहुल ने कहा, 'चुनाव आयोग ने कर्नाटक की एक सीट पर धोखाधड़ी कराई। हमारे पास इसके 100% सबूत हैं। एक ही निर्वाचन क्षेत्र में 50, 60 और 65 साल के हजारों-हजार नए वोटरों को सूची में जोड़ा गया है और 18 साल से ज्यादा उम्र के वोटरों को सूची से हटा दिया गया है।'

कांग्रेस सांसद ने कहा, 'हमे अभी एक सीट की जांच में यह गड़बड़ी मिली। मुझे पूरा यकीन है कि हर सीट पर यही नाटक चल रहा है। मैं चुनाव आयोग को एक मैसेज देना चाहता हूं। अगर आपको लगता है कि आप इससे बच निकलेंगे, अगर आपके अधिकारी सोचते हैं कि वे बच जाएंगे, तो ये आपकी गलतफहमी है। हम आपको बच के जाने नहीं देंगे।'

### चुनाव आयोग बोला- राजनीतिक विचारधाराओं से परे जाकर सोचिए

राहुल गांधी ने यह बातें ईसी के उस बयान के बाद कही हैं, जिसमें बिहार में वोटरों के वेरिफिकेशन प्रोसेस का बचाव किया गया था। चुनाव आयोग ने गुरुवार को एक बयान में अपने आलोचकों से सवाल पूछा कि क्या मृत और प्रवासी मतदाताओं के नाम पर फर्जी वोट डालने की अनुमति देनी चाहिए। चुनाव आयोग ने पूछा, 'रिवीजन प्रोसेस का मकसद सिर्फ अयोग्य मतदाताओं को वोटर लिस्ट से हटाना है। क्या चुनाव आयोग के पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से तैयार की जा रही प्रामाणिक मतदाता सूची निष्पक्ष चुनाव और मजबूत लोकतंत्र की आधारशिला नहीं है?'

ईसी ने कहा, 'इन सवालों पर, कभी न कभी, हम सभी को और भारत के सभी नागरिकों को, राजनीतिक विचारधाराओं से परे जाकर, गहराई से सोचना होगा। और शायद आप सभी के लिए यह सोचने का सबसे अच्छा समय अब आ गया है।'

ईसी ने बताया है कि बिहार में 99% वोटरों को एसआईआर के तहत वेरिफाई कर लिया गया है। इनमें 21.6 लाख मृत मतदाताओं का पता चला है। 31.5 लाख वोटर्स हमेशा के लिए पलायन कर गए हैं। 7 लाख वोटर्स एक से ज्यादा जगहों पर रजिस्टर्ड हैं। वहीं, 1 लाख मतदाता लापता हैं। चुनाव आयोग ने बताया कि डोर-टू-डोर वेरिफिकेशन के बावजूद, करीब 7 लाख मतदाताओं के फॉर्म अभी तक नहीं मिले हैं।

### संसद में विपक्ष की नारेबाजी, लोकसभा कार्यवाही सिर्फ 12 मिनट चली

इधर, विपक्ष ने गुरुवार को भी बिहार एसआईआर के विरोध में चुनाव आयोग और भाजपा सरकार के खिलाफ संसद में मानसून सत्र के दौरान नारेबाजी की। सुबह 11 बजे लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सांसद हंगामा करने लगे। कांग्रेस सहित कई विपक्षी सांसद वेल में आकर पोस्टर लहराने लगे। हंगामे के बीच लोकसभा की कार्यवाही सिर्फ 12 मिनट चल सकी। वहीं राज्यसभा की कार्यवाही सिर्फ 1:45 मिनट चल पाई। हंगामे के कारण दोनों सदनों का कार्यवाही शुक्रवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। विपक्ष ने संसद के बाहर मकर द्वार पर भी विरोध-प्रदर्शन किया। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, डीएमके सहित दूसरे विपक्षी दलों का आरोप है कि एसआईआर बिहार के पिछड़े समुदायों के लोगों को वोटिंग से रोकने की एक कोशिश है। इसके जरिए लोगों के नाम वोटर्स लिस्ट से हटाए जा रहे हैं, जिसका असर इस साल होने वाले विधानसभा चुनावों के नतीजों पर पड़ सकता है।

# बिहार वोटर वेरिफिकेशन मामला- संसद में विपक्ष की नारेबाजीःलोकसभा कार्यवाही सिर्फ 12 मिनट चली

नई दिल्लीः संसद के मानसून सत्र का गुरुवार को चौथा दिन है। सुबह 11 बजे लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सांसद बिहार वोटर वेरिफिकेशन मामले पर हंगामा करने लगे। कांग्रेस सहित कई विपक्षी सांसद वेल में आकर पोस्टर लहराने लगे। स्पीकर ओम बिरला ने कहा- तख्तियां लेकर आने पर सदन नहीं चलेगा। उन्होंने कांग्रेस सांसदों से कहा- ये आपके संस्कार नहीं हैं। हंगामे के बीच लोकसभा की कार्यवाही आज सिर्फ 12 मिनट चल सकी। इसे शुक्रवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। वहीं राज्यसभा की कार्यवाही सिर्फ 1:45 मिनट चल पाई। उधर संसद के बाहर मकर द्वार पर बिहार वोटर वेरिफिकेशन मामले पर लगातार तीसरे दिन प्रदर्शन किया गया। सोनिया गांधी भी इसमें शामिल हुईं। प्रियंका गांधी ने खतरे में लोकतंत्र लिखा पोस्टर लहराया।

### रविशंकर प्रसाद बोले- हम चर्चा को तैयार, वे भाग रहे

भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा, विपक्ष और खासकर कांग्रेस सदन को चलने नहीं दे रही है। वे बाहर आकर कहते हैं कि उन्हें बोलने नहीं दिया जा रहा है, लेकिन वे सदन में चर्चा में भाग नहीं लेते, इसका क्या मतलब है? हम चर्चा के लिए तैयार हैं, वे चर्चा से भाग रहे हैं।

### कांग्रेस सांसद बोले- एसआईआर देश की नींव को नुकसान पहुंचा रहा

कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कहा, एसआईआर हमारे देश की नींव को नुकसान पहुंचा रहा है क्योंकि, जब आप पिछले 70 सालों की विरासत को देखते हैं, तो हर बार बुनियादी चुनावी सुधारों में संशोधन किया गया है, नए लोगों को केवल अपना पहचान पत्र दिखाने की आवश्यकता होती है। आज जेडी(यू) सांसद गिरधारी यादव ने भी दावा किया कि उन्होंने सभी दस्तावेज जुटाने में काफी समय लग रहा है, सोचिए आम लोगों की स्थिति क्या होगी।

### रामदास अठावले बोले- बिहार में तेजस्वी ने पहले ही हार मान ली

बिहार एसआईआर के खिलाफ विपक्ष के विरोध पर केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कहा, अगर वे (तेजस्वी यादव) चुनाव बहिष्कार की बात कर रहे हैं, तो इसका मतलब है कि वे हार मान रहे हैं। बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने पटना में बुधवार शाम कहा था कि विपक्ष विधानसभा चुनाव का बायकॉट कर सकता है। इसे लेकर महागठबंधन की सभी पार्टियों के बीच विचार करेंगे।

### भाजपा सांसद कंगना बोलीं- विपक्ष हंगामा करके लोकतंत्र का गला घोंट रहा

भाजपा सांसद कंगना रनोट ने कहा, विपक्ष की कुछ जिम्मेदारियां होती हैं। देश संसद में उनके व्यवहार को देख रहा है। वे सदन में अनावश्यक हंगामा करके लोकतंत्र और संविधान का गला घोंटते हैं। वे रोज वेल में घुस जाते हैं। मंत्री रोज पूरी तैयारी से आते हैं, लेकिन वे किसी को मुद्दों पर बोलने नहीं देते।

## अहमदाबाद प्लेन क्रैश के बाद 112 पायलटों ने छुट्टी लीः एअर इंडिया को डीजीसीए के 4 नोटिस

अहमदाबाद प्लेन क्रैश के 4 दिन बाद एअर इंडिया के 112 पायलटों ने बीमारी की छुट्टी ली। यह जानकारी सिविल एविएशन मिनिस्टर राम मोहन नायडू ने गुरुवार को संसद में दी। उन्होंने बताया कि 16 जून को 61 सीनियर पायलट और 51 फ्लाइट ऑफिसरों ने छुट्टी के लिए अप्लाई किया था। राम मोहन नायडू कहा- इस तरह के हादसे के बाद पायलटों के मानसिक स्वास्थ्य को पहचानना और ठीक करने के लिए प्रबंधन करना बहुत जरूरी है। मंत्री ने बताया कि अब एयरलाइनों को सलाह दी गई है कि वे पायलटों के लिए सपोर्ट ग्रुप बनाएं। इधर, डीजीसीए (डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन) ने एअर इंडिया को 4 कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं। ये नोटिस केबिन क्रू के आराम और ड्यूटी नियमों, ट्रेनिंग रूल्स, और ऑपरेशनल प्रोसीजर के उल्लंघन को लेकर हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, डीजीसीए ने एअर इंडिया को 23 जुलाई को नोटिस जारी किए गए। एअर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा, 'हमें पिछले एक साल में दी गई स्वैच्छिक जानकारी के आधार पर ये नोटिस मिले हैं। हम निर्धारित समय में इनका जवाब देंगे। हमारी प्राथमिकता हमारे क्रू और यात्रियों की सुरक्षा है।' इससे पहले एयरलाइन ने 20 और 21 जून को डीजीसीए को कुछ उल्लंघनों की जानकारी दी थी। सोर्स के अनुसार, तीन कारण बताओ नोटिस 20 जून को दी गई जानकारी के आधार पर है। इनमें कम से कम चार फ्लाइट्स में केबिन क्रू की ड्यूटी और आराम के नियमों के उल्लंघन की बात सामने आई है।

अहमदाबाद विमान हादसे को लेकर 21 जुलाई को सिविल एविएशन मिनिस्टर राममोहन नायडू ने राज्यसभा में कहा था- फिलहाल हादसे के बारे में पूरी सच्चाई जांच की अंतिम रिपोर्ट के बाद ही सामने आएगी। एएआईबी पूरी तरह से निष्पक्ष, पारदर्शी और नियमों के अनुसार काम कर रहा है। राममोहन नायडू ने कहा कि कुछ भारतीय और विदेशी मीडिया इस हादसे को लेकर अपनी-अपनी कहानियां और नजरिया दिखा रहे हैं, लेकिन सरकार सिर्फ सच्चाई पर टिके रहना चाहती है।

## निर्यात, निवेश और इनोवेशन के साथ मुंबई में उतरेगी योगी सरकार की 'टीम यूपी'

**देश** की आर्थिक राजधानी मुंबई अब उत्तर प्रदेश की औद्योगिक और कारोबारी ताकत की साक्षी बनने जा रही है। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2025 से पहले देश के प्रमुख औद्योगिक शहरों में आयोजित किए जा रहे रोड शो की श्रृंखला में यह चौथा मेगा आयोजन 25 जुलाई को मुंबई के चर्चगेट स्थित आईएमसी चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के वालचंद हीराचंद हॉल में आयोजित होगा। दिल्ली, हैदराबाद और बेंगलुरू जैसे शहरों में हुए आयोजनों में निवेशकों, अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों और उद्योगजगत से जुड़े लोगों ने उत्तर प्रदेश की नीतियों पर जिस भरोसे और उत्साह के साथ सहभागिता की, उसने यूपी को एक नई पहचान दी है। अब मुंबई में यह आयोजन न केवल निवेश की नई संभावनाओं को खोलेगा, बल्कि यूपी के व्यापारिक विजन को देश और दुनिया के सामने और मजबूती से रखेगा।

### ग्लोबल ट्रेड हब बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

इस मेगा रोड शो का उद्देश्य उत्तर प्रदेश सरकार के निर्यात विजन 2025 को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर तक पहुंचाना है। इस आयोजन का नेतृत्व राज्य सरकार के एमएसएमई, खादी व ग्रामोद्योग मंत्री राकेश सचान करेंगे। 'टीम योगी' के अधिकारी राज्य में हो रहे बुनियादी बदलावों, बेहतर अधोसंरचना, उद्योग मित्र नीतियों और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' के सुधारों की जानकारी प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम में विदेशी राजनयिक, दूतावास अधिकारी, उद्योग संगठन, अंतरराष्ट्रीय खरीदार, निवेशक, तकनीकी स्टार्टअप्स और एमएसएमई बड़ी संख्या में भाग लेंगे।

### बेंगलूरू के बाद मुंबई में दिखेगी यूपी की टेक, फूड और टेक्सटाइल पावर

रोड शो में उत्तर प्रदेश के टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी, इलेक्ट्रिक व्हीकल, एग्रो और फूड प्रोसेसिंग तथा ओडीओपी जैसे ब्रांड्स की दमदार प्रस्तुतियां होंगी। बेंगलुरू में यूपी की औद्योगिक शक्ति को मिली सराहना के बाद अब मुंबई में यह एक और बड़ा मंच होगा जहां यूपी के इनोवेशन और इंटीग्रेशन का प्रभाव देखने को मिलेगा। उत्तर प्रदेश सरकार का ध्यान स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाजार से जोड़ने पर है। ओडीओपी के माध्यम से हर जिले की पहचान को अंतरराष्ट्रीय पटल पर पहुंचाया जा रहा है। यह रोड शो न केवल व्यापारिक अवसरों को बढ़ावा देगा, बल्कि उत्तर प्रदेश को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी भी स्थापित करेगा। मुंबई के बाद इस रोड शो श्रृंखला का अंतिम आयोजन 30 जुलाई को अहमदाबाद में होगा। इन सभी आयोजनों का मकसद 25 से 29 सितंबर 2025 के बीच ग्रेटर नोएडा में प्रस्तावित यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2025 के प्रति उत्साह और भागीदारी सुनिश्चित करना है। यह ट्रेड शो 'इनोवेट, इंटीग्रेट, इंटरनशनलाइज' के विजन के साथ उत्तर प्रदेश को ग्लोबल कारोबारी मानचित्र पर एक मजबूत पहचान देने की दिशा में महत्वपूर्ण होने जा रहा है।

## ओडिशा में आग के हवाले की गई लड़की की हालत अब भी गंभीर, दिल्ली एम्स में सर्जरी हुई

पुरी,(ईएमएस)। पुरी जिले में आग के हवाले की गई 16 वर्षीय लड़की की हालत गंभीर बनी हुई है। उसका दिल्ली अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में उपचार चल रहा है। एम्स दिल्ली ने बताया कि गंभीर रूप से झुलसे हुए हिस्से के इलाज के लिए लड़की की सर्जरी की गई है। बयान में कहा गया है, वह फिलहाल ऑक्सीजन सपोर्ट पर है और उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। डॉक्टरों की एक विशेष टीम उसकी हालत पर कड़ी नजर रख रही है। लड़की को एम्स भुवनेश्वर से विमान से 20 जुलाई को एम्स दिल्ली के बर्न्स एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग में भर्ती किया गया था। पुलिस ने बताया कि शनिवार को बाइक सवार तीन युवकों ने लड़की को रोक लिया और लड़की को भार्गवी नदी के किनारे जबरन ले गए, उस पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा दी।

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने मामले पर कहा कि देश को अपने सबसे कमजोर लोगों की रक्षा के लिए कदम उठाने चाहिए। इस स्थिति को शर्मनाक बताकर अदालत ने कहा कि स्कूली छात्राओं, गृहणियों और ग्रामीण बच्चों को सशक्त बनाने के लिए तत्काल और दीर्घकालिक दोनों तरह के कदम उठाने की आवश्यकता है।

## रेणुकास्वामी मर्डर, सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक हाईकोर्ट को दोबारा फटकारा

नई दिल्लीः सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कर्नाटक हाईकोर्ट को कन्नड़ एक्टर दर्शन थुगुदीपा को जमानत देने के फैसले पर दूसरी बार फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा- हाईकोर्ट ने रेणुकास्वामी मर्डर केस में ज्यूडिशियल पावर का गलत इस्तेमाल किया है। इससे पहले 17 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट से एक्टर दर्शन को मिली जमानत पर सवाल उठाए थे। इस दौरान कहा था कि लगता है हाईकोर्ट ने अपने विवेक का सही इस्तेमाल नहीं किया। फिलहाल सुप्रीम कोर्ट ने एक्टर की जमानत रद्द करने का फैसला सुरक्षित रखा है। दरअसल, एक्टर दर्शन को रेणुकास्वामी मर्डर केस में 13 दिसंबर 2024 को हाईकोर्ट से जमानत मिली थी, जिसके बाद वो जेल से रिहा हुए थे। इसी के खिलाफ कर्नाटक सरकार ने हाईकोर्ट के फैसले को मार्च में सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी।

### सुप्रीम कोर्ट बोला- ट्रायल कोर्ट से ऐसी गलती स्वीकार्य, हाईकोर्ट जज से नहीं

जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने गुरुवार को कहा- वे हाईकोर्ट वाली गलती नहीं करेंगे। उन्होंने मुख्य आरोपी पवित्रा गौड़ा के वकील से कहा- हम दोषसिद्धि या बरी करने का कोई फैसला नहीं देंगे। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के दिसंबर 2024 के जमानत आदेश की भाषा पर भी नाराजगी जताई। कहा- यह बहुत दुखद है। क्या हाईकोर्ट दूसरे मामलों में भी ऐसे आदेश देता है। खासकर यह कहना कि हत्या के मामले में गिरफ्तारी के आधार नहीं दिए गए। बेंच ने आगे कहा- ट्रायल कोर्ट के जज से ऐसी गलती स्वीकार्य हो सकती है, लेकिन हाईकोर्ट के जज से नहीं। कन्नड़ एक्टर दर्शन थुगुदीपा पर फैन रेणुकास्वामी की हत्या का आरोप है। रेणुकास्वामी की लाश 9 जून को बेंगलुरु के कामाक्षीपाल्या इलाके के एक अपार्टमेंट के पास मिली थी। जब पुलिस ने क्राइम सीन के आसपास की जांच की तो उन्हें CCTV फुटेज में दर्शन और पवित्रा क्राइम सीन से निकलते दिखे।

# आरएसएस प्रमुख भागवत की मुस्लिम धर्मगुरुओं के साथ बैठक हुईःमहासचिव होसबाले, इमाम चीफ उमर अहमद मौजूद रहे; इससे पहले 2022 में मिले, मस्जिद गए थे

**नई दिल्लीः** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत गुरुवार को दिल्ली के हरियाणा भवन में मुस्लिम धर्मगुरुओं के साथ बैठक की। आरएसएस की टॉप लीडरशिप और 70 से ज्यादा मुस्लिम धर्मगुरुओं, बुद्धिजीवियों, मौलानाओं, स्कॉलर के बीच करीब 3 घंटे बातचीत हुई। इस बैठक में ऑल इंडिया इमाम ऑर्गेनाइजेशन के प्रमुख उमर अहमद और आरएसएस महासचिव दत्तात्रेय होसबाले, सह सरकार्यवाह कृष्ण गोपाल, राम लाल, इंद्रेश कुमार सहित आरएसएस के अन्य पदाधिकारी शामिल हुए हैं। इससे पहले सितंबर 2022 में मोहन भागवत ने कई मुस्लिम धर्मगुरुओं से मुलाकात की थी। बैठक में ज्ञानवापी विवाद, हिजाब विवाद और जनसंख्या नियंत्रण जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हुई थी। इस दौरान भागवत दिल्ली के एक मस्जिद में भी गए थे।

दरअसल, आरएसएस अपनी सहयोगी संस्था मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के जरिए मुस्लिम मौलवियों, धर्मगुरुओं और समुदाय के प्रमुख लोगों के साथ बातचीत करता है। 2023 में MRM ने कहा था- वह एक राष्ट्र, एक झंडा, एक राष्ट्रगान के लिए पूरे देश में अभियान चलाएगा।

### मुस्लिम विद्वानों के कार्यक्रम में संघ प्रमुख ने कहा था- हिन्दुओं-मुसलमानों के पूर्वज एक जैसे

सितंबर 2021 में मुस्लिम विद्वानों के एक कार्यक्रम में संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा था- भारत में रहने वाले हिन्दुओं और मुसलमानों के पूर्वज एक समान हैं। मुस्लिमों को भारत में डरने की जरूरत नहीं है। हमें मुस्लिम वर्चस्व की नहीं बल्कि भारत वर्चस्व की सोच रखनी होगी।

भागवत ने आगे कहा था- हिंदू यह कोई जाति या भाषा वाचक संज्ञा नहीं है। यह हर व्यक्ति के विकास, उत्थान का मार्गदर्शन करने वाली परंपरा का नाम है। फिर चाहे वह किसी भी भाषा, पंथ, धर्म के हों, वे हिंदू हैं। इसलिए समझदार मुस्लिम नेताओं को कट्टरपंथियों के विरुद्ध मजबूती से खड़ा हो जाना चाहिए।

### आरएसएस नेता इंद्रेश कुमार निजामुद्दीन दरगाह पहुंचे थे

संघ के नेता इंद्रेश कुमार 2022 में हजरत निजामुद्दीन दरगाह पहुंचे। यहां उन्होंने चादर चढ़ाई और मिट्टी के दीये जलाए थे। इस दौरान उन्होंने कहा था- निजामुद्दीन दरगाह में 'मिट्टी के दीये' जलाना शांति, समृद्धि और सांप्रदायिक सद्भाव का संदेश देता है। इंद्रेश कुमार आरएसएस के राष्ट्रीय मुस्लिम मंच के संरक्षक हैं।

### मुस्लिम, मुसलमानों और मस्जिद पर भागवत के 2 बयान

दिसंबर 2024: हर दिन मंदिर-मस्जिद विवाद उठाया जा रहा मोहन भागवत ने कहा था- अयोध्या के राम मंदिर के निर्माण के बाद कुछ लोग ऐसा मानते हैं कि वे ऐसे मुद्दे उठाकर हिंदुओं के नेता बन जाएंगे। इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। भारत को यह दिखाने की जरूरत है कि हम एक साथ रह सकते हैं। हम लंबे समय से सद्भावना के साथ रह रहे हैं।

जनवरी 2023: इस्लाम सिर्फ भारत में सुरक्षित संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा था- इस्लाम की पूजा सिर्फ भारत में सुरक्षित तरीके से चलती है। कुछ धर्म भारत के बाहर के थे, बाहर वाले तो चले गए। अब उसमें सुधार करना हमारी जिम्मेदारी है। पूरी दुनिया में इस्लाम का आक्रमण हुआ, यह स्पेन से मंगोलिया तक छा गया।

# सीमा विवाद के चलते थाईलैंड और कंबोडिया की सेना ने एक दूसरे पर बरसाई गोलियां

बैंकॉक,(ईएमएस)। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच लंबे समय से सुलग रहे सीमा विवाद ने गुरुवार को एक बार फिर हिंसक रूप ले लिया। सुबह-सुबह सुरिन प्रांत के विवादित चोंग बोक इलाके में दोनों देशों की सेनाओं के बीच जमकर गोलीबारी हुई। यह वही इलाका है जहां मई में भी गोलीबारी में एक कंबोडियाई सैनिक की मौत हो गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक ताजा झड़प उस समय हुई जब कंबोडियाई सैनिकों ने कथित तौर पर थाई सैन्य ठिकाने की ओर बढ़ते हुए फायरिंग शुरू की। थाई सेना के मुताबिक, घटना से ठीक पहले एक कंबोडियाई ड्रोन ने इलाका स्कैन किया और छह भारी हथियारों से लैस सैनिक थाई चौकी के करीब पहुंच गए। जवाब में थाईलैंड की सेना ने मोर्चा संभालते हुए फील्ड गन से फायरिंग की।

हालांकि, कंबोडिया ने थाईलैंड के आरोपों को खारिज करते हुए दावा किया कि फायरिंग पहले थाई सैनिकों ने की और उनकी सेना ने आत्मरक्षा में जवाब दिया। कंबोडिया के रक्षा मंत्रालय की प्रवक्ता माली सोचेटा ने कहा, थाई सेना ने हमारी सीमा में घुसपैठ की और हमारी संप्रभुता का उल्लंघन किया, जिसके बाद हमारे सैनिकों को मजबूरी में पलटवार करना पड़ा। इस झड़प में किसी के घायल होने की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन इसके नतीजे बेहद गहरे साबित हो रहे हैं। बुधवार को एक लैंडमाइन विस्फोट में पांच थाई सैनिक घायल हो गए थे, जिसके बाद थाईलैंड ने कंबोडिया के राजदूत को निष्कासित कर दिया और फ्नोम पेन्ह से अपने दूत को वापस बुला लिया। जवाब में कंबोडिया ने भी अपने राजनयिकों को वापस बुला लिया और थाईलैंड से रिश्तों को 'नीचे स्तर' पर ले जाने की घोषणा कर दी।

यह झड़प थी, उस वक्त हुई जब एक दिन पहले थाईलैंड ने कंबोडिया के राजदूत को निष्कासित कर दिया था। इस कदम के पीछे एक माइन विस्फोट की घटना जिसमें एक थाई सैनिक घायल हो गया था। गुरुवार सुबह करीब 8:20 बजे प्रासात ता मुएन थोम मंदिर के करीब 650 फीट पूर्व में फायरिंग की आवाजें सुनी गईं। यह प्राचीन शिव मंदिर खमेर-हिंदू विरासत का हिस्सा है और लंबे समय से विवादित सीमा क्षेत्र में स्थित है। थाई सेना ने दावा किया कि घटना से कुछ समय पहले सैनिकों ने ड्रोन की आवाज सुनी और छह हथियारबंद कंबोडियाई सैनिकों को इलाके में देखा। हालांकि, फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। कंबोडिया की तरफ से इस पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। सीमा विवाद के इस ताजा दौर ने थाईलैंड की राजनीति को भी हिला दिया है। इससे पहले प्रधानमंत्री पैटोंगटर्न शिनवात्रा को इस विवाद को लेकर कोर्ट ने अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। कोर्ट में उनके खिलाफ नैतिक लापरवाही के आरोपों की जांच हो रही है और उन्हें 31 जुलाई तक अपना पक्ष रखने को कहा गया है। दिलचस्प बात यह है कि उन्होंने तनाव कम करने के लिए कंबोडिया के पूर्व नेता हुन सेन से फोन पर बातचीत की थी, लेकिन वह कॉल लीक हो गई और देश में भारी विरोध शुरू हो गया।

## रेस्तरां मालकिन ने भारतीय स्टाफ पर लगाए आरोप, फिर घर पर मिली लाश

सिंगापुर, (ईएमएस)। सिंगापुर में एक स्थानीय रेस्तरां मालकिन जेन ली की रहस्यमयी मौत ने सबको चौंका दिया। खासबात यह है कि जेन ने अपनी मौत से ठीक एक दिन पहले फेसबुक पर अपनी भारतीय कर्मचारी सरन कौर पर गंभीर आरोप लगाए थे। उनका कहना था कि सरन किरनजीत कौर ने मुआवजे की खातिर झूठमूठ का हादसा रचा। जेन सुमो सलाद नाम के रेस्तरां की मालकिन थीं। उन्होंने लिखा कि सरन ने नौकरी खत्म होने के दो दिन पहले कचरा फेंकने के बहाने एस्केलेटर पर गिरने का नाटक किया। जेन 40 की उम्र में दो बच्चों की मां थीं। वो अपने दोस्तों के बीच मेहनती और नेकदिल इंसान के तौर पर जानी जाती थीं। उनकी मौत ने सिंगापुर के कारोबारी समुदाय में शोक की लहर दौड़ा दी। मंत्रालय ने कहा कि वे सरन के मुआवजा दावे की जांच कर रहे हैं और धोखाधड़ी पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई करेंगे। यह मामला न सिर्फ मुआवजा धोखाधड़ी पर सवाल उठाता है बल्कि जेन की मौत की गुत्थी ने भी लोगों को हैरान कर रखा है। क्या यह तनाव की वजह से हुआ या इसके पीछे कोई और राज है? जेन को शक हुआ कि यह सब मुआवजे के लिए सोची-समझी साजिश थी। जेन ने अपने पोस्ट में दावा किया कि सरन किरनजीत कौर और उनके पति ने पहले भी छोटे कारोबारियों को निशाना बनाया है। दावा किया गया कि उनके पास वीडियो सबूत भी थे, जिसमें सरन बिना किसी तकलीफ के काम करती दिख रही थी। आरोप लगाया कि भारतीय महिला डॉक्टरों के सामने लंगड़ाकर चलने का नाटक कर रही थी। जेन ने सिंगापुर के मंत्रालय और पुलिस से इसकी जांच की गुहार लगाई थी। मगर अगले ही दिन यानी 19 जुलाई को उनकी अचानक मौत हो गई। सिंगापुर पुलिस इसे अप्राकृतिक मौत मानकर जांच कर रही है।

## पत्नी पर अपमानजनक दावे से भड़के फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों, किया मानहानि का केस

पेरिस(ईएमएस)। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और उनकी पत्नी ब्रिजित मैक्रों पिछले कुछ समय से लगातार सुर्खियों में रहे हैं। पिछले दिनों एक अमेरिकी पॉडकास्टर ने दावा किया था कि फ्रांसीसी राष्ट्रपति की पत्नी पहले पुरुष हुआ करती थीं। उस अपमानजनक दावे पर मैक्रों ने अब अदालत का रुख किया है। इमैनुएल मैक्रों और उनकी पत्नी ब्रिगिट ने बुधवार को उसी अमेरिकी पॉडकास्टर कैंडेस ओवेन्स के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया है। सोशल मीडिया एक्स और यूट्यूब पर कैंडेस ओवेन्स के लाखों फॉलोअर्स हैं।

बता दें कि 72 वर्षीय ब्रिगिट मैक्रों ने भी अपने पुरुष के रूप में पैदा होने के दावों के खिलाफ फ्रांस की अदालतों का रुख किया है। इसी तरह के एक अन्य मामले में पिछले साल सितंबर में फ्रांस की निचली अदालत ने दो महिलाओं (अमंडाइन रॉय और नताशा रे) को दोषी ठहराया था। दिसंबर 2021 में एक यूट्यूब वीडियो पोस्ट करके इन महिलाओं पर झूठे दावे फैलाने का आरोप लगाया गया था। वीडियो में आरोप लगाया गया था कि ब्रिगिट मैक्रों कभी जीन-मिशेल ट्रोग्नेक्स नाम का एक पुरुष थीं - जो वास्तव में मैक्रों के भाई हैं। बाद में इस फैसले को पेरिस की एक अपील अदालत ने पलट दिया। अब मैक्रों ने इस महीने की शुरुआत में सर्वोच्च अदालत में अपील की है।

मैक्रों ने डेलावेयर सुपीरियर कोर्ट में कैंडेस ओवेन्स के खिलाफ 218 पन्नों की शिकायत दर्ज कराई है और उनसे हर्जाने की मांग की है। अपने वकील द्वारा जारी एक बयान में मैक्रों ने कहा कि उन्होंने यह मुकदमा तब दायर किया, जब ओवेन्स ने बीकमिंग ब्रिगिट नामक आठ-भाग वाली यूट्यूब और पॉडकास्ट श्रृंखला में दिए गए झूठे और मानहानिकारक बयानों को वापस लेने के अनुरोधों को बार-बार नजरअंदाज कर दिया। उन्होंने कहा, ओवेन्स ने यह मानहानिकारक अभियान हमें और हमारे परिवार को परेशान करने, पीड़ा पहुँचाने, मानहानि करने, लोगों का ध्यान खींचने, पैसे कमाने और हमें बदनाम करने के लिए चलाया था। इसके बावजूद हमने उन्हें इन दावों से पीछे हटने का हर मौका दिया, लेकिन उन्होंने हर बार इनकार कर दिया। अब सारे रास्ते बंद हो चुके हैं। उन्होंने कहा, हमें पूरी उम्मीद है कि यह मुकदमा सारी बातें साफ कर देगा और मानहानि के इस अभियान को हमेशा के लिए खत्म कर देगा।

## मालदीवः आजादी की 60वीं वर्षगांठ समारोह के मुख्य अतिथि होंगे पीएम मोदी

माले,(ईएमएस)। डेढ़ साल पहले जब मालदीव की सत्ता बदली तो भारत से कूटनीतिक तनाव बढ़ गया। अब दोनों के रिश्ते सामान्य हो रहे हैं। इस बीच पीएम मोदी 25 और 26 जुलाई को मालदीव की राजकीय यात्रा पर जा रहे हैं। दोनों देशों के रिश्तों को सामान्य करने का यह सबसे महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। पीएम मोदी का यह दौरा मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के आमंत्रण पर हो रहा है। मालदीव अपनी आजादी की 60वीं वर्षगांठ मना रहा है और पीएम मोदी को मुख्य अतिथि के तौर पर इसमें बुलाया गया है।

मालदीव के पूर्व विदेश मंत्री अब्दुल्ला शाहिद ने इस यात्रा से उम्मीद जताई है कि यह दोनों देशों के रिश्तों में नया मोड़ लाएगी। उन्होंने कहा, जब भी मालदीव को मदद की जरूरत पड़ी, भारत सबसे पहले सामने आया है। भारतीयों का दिल बड़ा होता है, और यही वजह है कि भारत ने हमेशा हमारा साथ दिया है। पूर्व मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि भारत ने कूटनीतिक तनाव के बावजूद दोनों देशों के बीच 'पीपल टू पीपल' रिश्ते को जिंदा रखा। उनके अनुसार, सरकारें बदलती हैं, लेकिन दोस्ती की बुनियाद नहीं हिलनी चाहिए। पीएम मोदी ने अपनी यात्रा से पहले जारी बयान में कहा, इस साल दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 60वीं वर्षगांठ भी है। मैं राष्ट्रपति मुइज्जू और अन्य राजनीतिक नेतृत्व के साथ अपनी बैठकों के लिए उत्सुक हूं, ताकि एक व्यापक आर्थिक और समुद्री सुरक्षा साझेदारी के हमारे संयुक्त दृष्टिकोण को आगे बढ़ाया जा सके और हिंद महासागर क्षेत्र में शांति, समृद्धि और स्थिरता के लिए हमारे सहयोग को मजबूत किया जा सके।

शाहिद ने यह भी कहा कि भारत के साथ तनाव के चलते मालदीव में भारतीय पर्यटकों की संख्या घटी, जो आर्थिक रूप से एक झटका था। उन्होंने उम्मीद जताई कि पीएम मोदी की इस यात्रा से यह नुकसान सुधरेगा। 'हमारे बगल में एक बड़ी अर्थव्यवस्था मौजूद है और हमें स्वाभाविक रूप से इसका लाभ उठाना चाहिए। मुझे पूरा भरोसा है कि यह दौरा संबंधों को पटरी पर लाएगा।'अब्दुल्ला शाहिद ने यह भी कहा कि मालदीव की राजनीति में भारत जैसे पड़ोसी देश को चुनावी मुद्दा बनाना गलत था। 'हमें अपने दोस्तों को राजनीतिक सहूलियत के लिए 'पंचिंग बैग' नहीं बनाना चाहिए। असलियत बहुत जल्दी सामने आ जाती है, और आज यही हो रहा है।' उन्होंने मौजूदा मालदीव सरकार से उम्मीद जताई कि वह भारत को फिर से सच्चा दोस्त मानेगी। उन्होंने कहा, 'यह कोई औपचारिक दौरा नहीं है। यह एक संकेत है कि रिश्ते अब फिर से गहराने वाले हैं।

वेनेजुएला पहुंचने पर अपने दोस्तों से बात करते हुए एंड्री हरनाडेज , हरनाडेज को अमेरिका ने ट्रन डी आरागुआ गिरोह का सदस्य बताते हुए लंबे समय तक जेल में रखा था।

# रूसी प्लेन चीन सीमा के पास क्रैशःसभी 49 लोगों की मौत, कुछ घंटे पहले कंट्रोल रूम से संपर्क टूटा था

मास्को. रूस का एक यात्री विमान चीन की सीमा के पास क्रैश हो गया है। हादसे में विमान में सवार 49 लोगों की मौत हो गई है। इसमें 43 यात्री और 6 क्रू मेंबर सवार थे। यात्रियों में 5 बच्चे भी शामिल थे बचावकर्मियों को टिंडा से लगभग 16 किलोमीटर दूर एक पहाड़ी पर रूसी यात्री विमान का मलबा मिला है।। रॉयटर्स के मुताबिक ये विमान रूस के पूर्वी अमूर क्षेत्र में उड़ रहा था। अमूर के गवर्नर वासिली ओरलोव ने टेलीग्राम पर बताया कि लापता विमान अंगारा एयरलाइंस का है। लोकल इमरजेंसी मिनिस्ट्री ने बताया कि विमान खाबरोवस्क, ब्लागोवेशचेंस्क होते हुए टिंडा जा रहा था। यह चीन की सीमा के पास है। टिंडा पहुंचने से पहले वह रडार से गायब हो गया और उसका संपर्क टूट गया।

### दूसरी बार लैंडिंग की कोशिश में गायब

इंटरफैक्स की रिपोर्ट के अनुसार, विमान पहले टिंडा एयरपोर्ट पर उतरने की कोशिश में नाकामयाब रहा। जब उसने दूसरी बार लैंडिंग की कोशिश की, तभी वह रडार से गायब हो गया। तास समाचार एजेंसी ने एक सूत्र के हवाले से बताया कि यह विमान टिंडा एयरपोर्ट से कुछ किलोमीटर पहले एक तय चेकपॉइंट पर भी संपर्क नहीं कर पाया। टिंडा शहर रूस की राजधानी मॉस्को से करीब 6,600 किलोमीटर दूर पूर्व में स्थित है। सोवियत संघ ने 1967 में An-24 विमान को छोटे इलाकों में उड़ने के लिए बनाया था। तब इसमें 32 सीटें होती थीं, जो 450 किमी प्रति घंटे की गति से 400 किलोमीटर तक उड़ान भरती थी। इसके अलावा यह 4 टन तक का वजन (पेलोड) ले जा सकती थी। इसे ऐसे रनवे से उड़ान भरने लायक भी बनाया गया था जो केवल 1200 मीटर लंबे और पक्के नहीं हों। इतना ही नहीं, अगर विमान का एक इंजन भी खराब हो जाए, तो भी यह टेकऑफ कर सके। अप्रैल 1962 में इसकी टेस्टिंग कामयाब हुई जिसके बाद अक्टूबर 1962 से इस विमान ने यात्रियों को ले जाना शुरू कर दिया। An-24 के कुल 1367 विमान बनाए गए। सोवियत संघ में इस विमान का निर्माण 1979 तक जारी रहा, लेकिन इसके बाद भी ये विमान सेवा में बने रहे। आज भी An-24 का इस्तेमाल कुछ जगहों पर हो रहा है।

## शांति वार्ता होती इससे पहले रूसी ड्रोन ने किए हमले, यूक्रेन की दो लाख आबादी अंधेरे में डूबी

कीव, (ईएमएस)। रूस-यूक्रेन के बीच बीते तीन साल से जंग चल रही है। कई बार शांति वार्ता हुई लेकिन नतीजा शून्य ही रहा। कई बार ऐसे मौके भी आए जब इधर शांति की बात और उधर धमाके होते रहे। हाल ही में वार्ता से ठीक पहले रूस ने यूक्रेन के सुमी क्षेत्र में एक पॉवर स्टेशन पर ड्रोन हमला कर दिया, जिससे 220,000 लोग अंधेरे में डूब गए। हालांकि, यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की ने बताया कि अधिकांश क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई है। बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूस को चेतावनी दे चुके हैं कि अगर उसने 50 दिनों के भीतर युद्ध नहीं रोका, तो कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाए जाएंगे। लेकिन क्रेमलिन की ओर से किसी तरह का झुकाव अब तक नहीं दिखा है। यह हमला ऐसे वक्त में हुआ है जब दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडल इस्तांबुल में आमने-सामने बैठने वाले थे। इससे पहले मई और जून में हुई बैठकों में सिर्फ बंदियों और सैनिकों के शवों के आदान-प्रदान पर सहमति बन सकी थी।रूस ने इस बार की वार्ता को लेकर उम्मीदें काफी कम कर दी हैं। क्रेमलिन प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा, कोई आसान रास्ता नहीं है, ये वार्ता बहुत मुश्किल होगी। रूसी प्रतिनिधिमंडल मंगलवार दोपहर इस्तांबुल पहुंचा, जबकि यूक्रेन के प्रतिनिधियों ने इससे पहले अंकारा में तुर्की अधिकारियों से मुलाकात की। यूक्रेन की ओर से इस वार्ता में दो प्रमुख मुद्दे रखे गए हैं बंदियों की रिहाई और ज़ेलेंस्की तथा पुतिन के बीच संभावित बैठक की तैयारी। यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल के एक अधिकारी ने कहा कि अगर रूस अल्टीमेटम की भाषा छोड़कर रचनात्मक रुख अपनाता है, तभी इस बैठक से किसी ठोस नतीजे की उम्मीद की जा सकती है। हालांकि रूस का कहना है कि ज़ेलेंस्की और पुतिन के बीच किसी भी बैठक से पहले कई स्तर की बातचीत और तैयारी की जरूरत है।

# रूस-यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध का हल नहीं निकला, पर कैदियों की अदला-बदली पर बनी सहमति

इंस्ताबुल,(ईएमएस)। रूस और यूक्रेन के बीच पिछले तीन साल से चल रहे युद्ध को रुकवाने के लिए कई प्रयास हुए हैं। बीते रोज भी तीसरे दौर की सीधी बातचीत दोनों देशों के बीच हुई है, लेकिन नतीजा पूरी तरह वैसा नहीं आया जैसी अपेक्षा दी। फिलहाल युद्ध का कोई हल नहीं निकला है। लेकिन अच्छी बात ये रही कि दोनों देश कैदियों की अदला-बदली पर सहमत हो गए हैं। लेकिन युद्ध विराम और नेताओं की बैठक जैसे बड़े मुद्दों पर कोई ठोस नतीजा नहीं निकल सका।

यह मीटिंग महज एक घंटे से भी कम चली। दोनों देशों में बातचीत ऐसे समय पर हुई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस को 50 दिनों का अल्टीमेटम दे दिया है। उन्होंने रूस से कहा है कि या तो शांति करो, या फिर बेहद सख्त टैरिफ और प्रतिबंधों का सामना करने के लिए तैयार रहो। हालांकि, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने न तो ट्रंप की चेतावनी का जवाब दिया, और न ही अपनी कार्रवाई रोकी उल्टे ड्रोन और मिसाइल हमलों से यूक्रेन के शहरों को लगातार निशाना बनाते रहे। हाल ही में रूस ने अपनी ड्रोन फैक्ट्री दिखाई। यूक्रेन की तरफ से पूर्व रक्षा मंत्री रुस्टेम उमेरोव ने बातचीत की अगुआई की और अगस्त के अंत तक पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की की सीधी मुलाकात का प्रस्ताव रखा। साथ ही, उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगान की भागीदारी को बेहद अहम बताया। लेकिन रूस के प्रतिनिधि व्लादिमीर मेदिन्स्की जो पुतिन के वरिष्ठ सलाहकार हैं ने कहा कि दोनों राष्ट्राध्यक्षों की मुलाकात तभी मुमकिन है, जब कोई लिखित समझौता तैयार हो।

सीजफायर को लेकर मतभेद गहरे हैं। जहां यूक्रेन 'पूर्ण और बिना शर्त युद्धविराम' की मांग कर रहा है, वहीं रूस चाहता है कि सिर्फ सीमावर्ती क्षेत्रों में 24 से 48 घंटे के लिए अस्थायी युद्धविराम हो, जिससे घायलों और शवों को हटाया जा सके। फिर भी, कैदियों की अदला-बदली पर दोनों पक्षों ने सहमति जताई। रूस ने बताया कि लगभग 250-250 युद्धबंदियों की अदला-बदली यूक्रेन-बेलारूस सीमा पर पूरी हो चुकी है।

यूक्रेन के खारकीव में भष्ट्राचार के खिलाफ एक नये कानून का विरोध करते हुए लोग।

# ईरान ने फिर दिखाया दमखम, अमेरिकी युद्धपोत को मीलों दूर तक खदेड़ा

तेहरान(ईएमएस)। ईरान और अमेरिका के बीच चल रहा तनाव एक बार फिर बढ़ गया। बुधवार सुबह करीब 10 बजे ओमान की खाड़ी में ईरानी और अमेरिकी सेनाओं के बीच जबरदस्त तनाव देखने को मिला। ईरानी मीडिया के मुताबिक, एक अमेरिकी युद्धपोत जब ईरान की समुद्री सीमा की ओर बढ़ने की कोशिश कर रहा था, तब ईरानी नौसेना का एक हेलिकॉप्टर तुरंत सक्रिय हुआ और अमेरिकी पोत को रोकने पहुंच गया। रिपोर्ट के मुताबिक हाल ही में इजरायल और ईरान के बीच चले 12 दिनों के युद्ध के बाद यह पहली बार है जब अमेरिका और ईरान की सेनाएं आमने सामने आई हैं।

ईरानी वायुसेना ने तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए घोषणा की कि हेलिकॉप्टर अब उनके एकीकृत एयर डिफेंस सिस्टम की पूरी सुरक्षा में है। ईरानी रिपोर्ट के मुताबिक, इस दबाव के बाद यूएसएस फिजराल्ड ने दक्षिण की ओर वापसी कर ली। हालांकि, अमेरिका की सेंट्रल कमांड ने इन दावों को पूरी तरह खारिज कर दिया। उनका कहना है कि यह मुठभेड़ 'सुरक्षित और प्रोफेशनल' थी और इससे अमेरिकी पोत के मिशन पर कोई असर नहीं पड़ा। कमांड ने यह भी कहा कि ईरान की ओर से फैलाई जा रही भ्रामक सूचनाओं पर भरोसा न किया जाए। फिलहाल इस बात की स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पाई है। गाजा युद्धविराम और बंधक रिहाई समझौते पर हमास की हालिया प्रतिक्रिया ने मध्यस्थों को काफी नाराज कर दिया है। देर रात दिए गए जवाब को कई मध्यस्थों ने 'अस्वीकार्य' बताया है। हमास ने न केवल इजरायली सेनाओं की और पीछे हटने की मांग की, बल्कि युद्ध फिर से शुरू न हो पाए इसके लिए अधिक कड़े अंतरराष्ट्रीय गारंटी की शर्तें भी रख दीं। साथ ही उसने गजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन को समाप्त करने और हर बंधक के बदले ज्यादा सुरक्षा बंदियों की रिहाई की भी मांग की। मिस्र और कतर ने हमास से सख्ती से कहा है कि वे इस प्रस्ताव को अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ के पास नहीं ले जाएँगे।

### अमेरिका ने बनाया था निशाना

12 दिनों के युद्ध के दौरान अमेरिका ने अपने बी-52 बॉम्बर्स से ईरान के परमाणु ठिकानों को निशाना बनाया था। ईरान का दावा है कि यूएसएस फिजराल्ड नाम का अमेरिकी नेवी डेस्ट्रॉयर ईरानी सीमा के पास पहुंच गया था। इसके जवाब में ईरान की नौसेना ने हेलिकॉप्टर रवाना किया जिसने अमेरिकी जहाज के ऊपर उड़ान भरते हुए चेतावनी दी कि वो ईरानी जलक्षेत्र से दूरी बनाए रखे। हालात तब और तनावपूर्ण हो गए जब अमेरिकी जहाज की ओर से जवाब में धमकी दी गई कि अगर ईरानी हेलिकॉप्टर पीछे नहीं हटा तो उस पर हमला किया जाएगा।

# ऑस्ट्रेलिया में मंदिर में की तोड़फोड़ दीवारों पर लिख दिए नफरती नारे

बोरोनिया। ऑस्ट्रेलिया के बोरोनिया में मौजूद श्रीस्वामीनारायण मंदिर की दीवारों पर आपत्तिजनक नारे लिखे गए। यह मंदिर वॉधहर्स्ट ड्राइव पर मौजूद है और दीवारों पर लाल रंग से नफरत भरे संदेश लिखे गए थे। रिपोर्ट के मुताबिक आसपास के दो एशियाई रेस्तरां पर भी वही स्लोगन पाए गए, जो मंदिर में ते। ऐसे में इन घटनाओं को आपस में जुड़ा माना जा रहा है। बता दें कि इससे पहले जनवरी, 2023 में मेलबर्न के मिल पार्क में बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर पर खालिस्तानी समर्थकों ने हिंदुस्तान मुर्दाबाद और मोदी हिटलर जैसे नारे लिखे थे। मई, 2023 में सिडनी के रोसहिल बीएपीएस मंदिर पर भी पीएम मोदी को लेकर आपत्तिजनकर नारे लिखे गए थे। इस घटना ने ऑस्ट्रेलिया में रहने वाले हिंदू समाज की चिंता बढ़ा दी है। हिंदू काउंसिल ऑफ ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख मकरंद भगवत ने इस इसकी निंदा करते हुए कहा कि हमारा मंदिर शांति, भक्ति और एकता का स्थान है। इसका अपमान हमारे धर्म और पहचान पर हमला है। उन्होंने बताया कि मंदिर में रोजाना प्रार्थनाएं, सामूहिक भोजन और सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं, जिसमें मेलबर्न के भारतीय समुदाय से लोग भाग लेते हैं। विक्टोरिया पुलिस ने बताया कि बोरोनिया और बेजवॉटर में चार घटनाओं की जांच की जा रही है, जिसमें मंदिर और दो रेस्टोरेंट शामिल हैं। दूसरी तरफ कनाडा के सरे शहर में अप्रैल महीने में लक्ष्मी नारायण मंदिर की दीवारों पर खालिस्तान समर्थक स्लोगन लिखे गए थे। यह घटना रात को 3 बजे हुई, जब दो अज्ञात लोगों ने मंदिर की दीवार पर स्प्रे पेंट से स्लोगन लिखे और वहां लगे सुरक्षा कैमरे को भी हटा दिया। एक कनाडाई पत्रकार ने मंदिर का दौरा किया और कहा कि यह तीसरी बार है जब मंदिर को निशाना बनाया गया है।

# उठने लगे सवालः पाकिस्तान पर इतने मेहरबान क्यों हैं डोनाल्ड ट्रंप?

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पाकिस्तान की यात्रा करें न करें इससे उसे कोई फर्क नहीं पड़ता है। लेकिन पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ जल्द ही अमेरिका जा सकते हैं। यह जानकारी अमेरिकी विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस की ओर से शेयर की गई है। पहले अटकलें लगाई जा रही थीं कि खुद डोनाल्ड ट्रंप साउथ एशिया के दौरे पर आने वाले हैं और वो इसी बीच पाकिस्तान भी जाएंगे। इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया लेकिन अब अमेरिका की ओर से पाकिस्तान के न्यौते की बात जरूर उजागर हुई है।

अमेरिकी विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस से कश्मीर मुद्दे और ट्रंप के भारत-पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता के दावे पर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा – 'पाकिस्तान की एक प्रतिनिधिमंडल वॉशिंगटन आने वाला है और हम उससे द्विपक्षीय बातचीत होने वाली है। मुझे इसका इंतजार है। टैमी ब्रूस के इस संकेत के बाद ये अटकलें लगाई जा रही हैं कि ट्रंप कश्मीर के मुद्दे पर पाकिस्तान के साथ मिलकर वैश्विक बनाना चाहते हैं, जबकि भारत इसे द्विपक्षीय मुद्दा मानता रहा है। पहले यह खबर आई थी कि ट्रंप सितंबर में पाकिस्तान का दौरा करेंगे, लेकिन बाद में इन खबरों को खारिज कर दिया गया। पाकिस्तान के मीडिया ने पहले ये रिपोर्ट चलाई थी लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हो सकी। वहीं व्हाइट हाउस ने भी स्पष्ट किया कि डोनाल्ड ट्रंप की पाकिस्तान यात्रा की कोई योजना फिलहाल नहीं है। अमेरिकी अधिकारी ने मीडिया के सामने साफ किया कि राष्ट्रपति का इस समय पाकिस्तान जाने का कोई कार्यक्रम नहीं है। इसके बाद मीडिया रिपोर्ट्स भी वापस ले ली गईं। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता शफकत अली खान ने भी इस यात्रा के बारे में जानकारी से इनकार किया था।

अगर पाकिस्तान की बात करें, तो इस यात्रा और बातचीत से उसकी पूरी कोशिश होगी कि वो कश्मीर मुद्दे में ट्रंप की मध्यस्थता करा सके क्योंकि भारत इसे द्विपक्षीय मुद्दा मानता रहा है। वहीं पाकिस्तानी सिंधु जल समझौते के मुद्दे को भी उठा सकता है, जिसमें उसे अमेरिका की मध्यस्थता चाहिए। पाकिस्तान और अमेरिका के बीच ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भी शुरू से ही साठगांठ रही है। ट्रंप आज तक कहीं न कहीं सीजफायर में अपने क्रेडिट और भारत के सैन्य नुकसान की बात करते रहते हैं और पाकिस्तान इसके लिए उन्हें शुक्रिया करते नहीं थकता। अमेरिका इसके पहले पाकिस्तान के सेना प्रमुख और फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को अमेरिका बुलाकर उनका व्हाइट हाउस में स्वागत किया था, जिसने काफी सुर्खियां बटोरी थीं। लगभग दो दशक पहले साल 2006 में तत्कालीन राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू। बुश ने पाकिस्तान का दौरा किया था। उसके बाद से कोई भी अमेरिकी राष्ट्रपति पाकिस्तान नहीं गया है। डोनाल्ड ट्रंप तो वहां नहीं जा रहे लेकिन उन्होंने पाकिस्तानी पीएम से मीटिंग जरूर फिक्स कर ली है, जिसके संकेत विदेश मंत्रालय की ओर से दिए गए हैं।

### पाकिस्तान से क्या चाहते हैं डोनाल्ड ट्रंप?

पिछली बार जब आसिम मुनीर अमेरिका की यात्रा पर गए थे, तो उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप के लिए नोबल शांति पुरस्कार की मांग कर डाली थी। वहीं ट्रंप ने उसे शाही दावत देकर विदा किया और पाकिस्तान के दोस्त ईरान पर 12000 किलो के बम दाग दिए। इस यात्रा ने साफ कर दिया था कि अमेरिका ने आसिम मुनीर को बुलाया ही इसलिए था, ताकि वो ईरान के खिलाफ इजरायल के युद्ध में समर्थन हासिल कर सकें। ऐसे हालात में कहा ये भी गया कि पाकिस्तान ने अमेरिका से ईरान का सौदा कर डाला क्योंकि वो इसके बाद मुस्लिम देश होने के बाद भी उसके समर्थन में नहीं खड़ा हुआ।

# शास्त्री के पसंदीदा पांच खिलाड़ियों में सचिन पहले नंबर पर

मुम्बई (ईएमएस)। पूर्व क्रिकेटर और कोच रवि शास्त्री के पसंदीदा शीर्ष पांच क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर, सुनील गावस्कर, कपिल देव, विराट कोहली और एमएस धोनी हैं। शास्त्री ने इनमें से गावस्कर और कपिल और सचिन के साथ खेला है जबकि बाकि दो के वह कोच रहे हैं। उनके अनुसार सचिन सबसे प्रभावशाली क्रिकेटर रहे हैं। शास्ती ने अपने करियर में 80 टेस्ट और 150 वनडे मैच खेले, जिसमें 3830 और 3108 रन बनाए। उन्होंने टेस्ट में 151 और एकदिवसीय में 129 विकेट लिए।
शास्त्री एक कार्यक्रम में इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन और एलेस्टेयर कुक के साथ बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान जब शास्त्री से भारतीय क्रिकेट के सबसे प्रभावशाली और महान खिलाड़ियों के नाम पूछे गए तो उन्होंने कहा कि कि। इन पांच खिलाड़ियों ने अलग-अलग तरीकों से और विभिन्न पीढ़ियों पर प्रभाव छोड़कर भारतीय क्रिकेट का चेहरा बदला। शास्त्री ने सचिन से शुरुआत की, जिन्होंने 20 से ज्यादा साल तक भारतीय फैंस की उम्मीदों का भार संभाला। वह 100 अंतरराष्ट्रीय शतक लगाने वाल एकमात्र खिलाड़ी हैं। उन्होंने 34357 सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय रन बनाए हैं। वहीं गावस्कर ने भारतीय क्रिकेट को एक नया आत्मविश्वास दिया। वह 10 हजार टेस्ट रनों का आंकड़ा हासिल करने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी थे। कपिल देव ने महान कप्तान और ऑलराउंडर के तौर पर भारत को 1983 का विश्व कप जिताया। वहीं विराट ने अपने आक्रामक अंदाज से कप्तान और कोच के तौर पर भारत को टेस्ट क्रिकेट में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। कोहली भारत के लिए सबसे ज्यादा टेस्ट मैच जीतने वाले कप्तान हैं। उन्होंने 67 टेस्ट मैचों में कप्तानी करने के बाद 40 जीते। उन्होंने मई 2025 में टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया। वहीं पूर्व कप्तान धोनी ने भारत को तीन आईसीसी ट्रॉफी जिताई।

### शास्त्री ने इंजीनियर को अपने समय का पिन-अप बॉय बनाया

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज फारुख इंजीनियर को अपने समय का पिन-अप बॉय बताया है। शास्त्री का ये बयान सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ है। मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच से पहले इंजीनियर को सम्मानित किया गया था। इस दौरान उनके नाम का एक स्टैंड भी बनाया गया। इंजीनियर ने अपने नाम के इस स्टैंड में ही बैठकर मैच देखा। इस दौरान कमेंट्री कर रहे शास्त्री ने कहा, फारुख अपने समय के पिन-अप बॉय थे। वे बहुत लोकप्रिय थे। वह शुरुआत से लेकर अब तक वे वैसे ही हैं, बिल्कुल नहीं बदले। वे एक बहुत अच्छे स्टोरी टेलर है पर उनकी जो एक सबसे बड़ी खूबी ये है कि वह खाते बहुत ज्यादा हैं। आप देखेंगे कि खाने के समय उनकी प्लेट हमेशा भरी रहती है। इस पर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने मजाकिया अंदाज में कहा, वह उस पूरे दिन चलने वाले बुफे लाइन में आपके ठीक पीछे होंगे, रवि।
गौरतब है कि लंकाशायर काउंटी क्रिकेट क्लब ने ओल्ड ट्रैफर्ड क्रिकेट ग्राउंड में इंजीनियर और वेस्टइंडीज के महान कप्तान क्लाइव लॉयड के नाम पर एक स्टैंड का अनावरण कर इन्हें सम्मानित किया। इंजीनियर ने लंकाशायर की ओर से ही साल 1968 से 1976 के बीच इंग्लिश काउंटी क्रिकेट खेला था।

जर्मनी में केट ओकोनूर महिलाओं की हेप्टाएथलॉन में भाग लेती हुई।

## आयुष ने नया रिकार्ड बनाया, मैकुलम को स्ट्राइक रेट मामले में पीछे छोड़ा

चेम्सफोर्ड (ईएमएस)। भारतीय अंडर-19 क्रिकेट टीम के कप्तान आयुष म्हात्रे ने इंग्लैंड-अंडर 19 टीम के खिलाफ अंतिम यूथ टेस्ट मैच में सबसे अधिक स्ट्राइक रेट का एक नया रिकार्ड बनाया है। आयुष ने सीरीज के दूसरे और अंतिम टेस्ट मैच की दूसरी पारी में 64 गेंदों पर ही अपने सौ रन पूरे कर लिए। ये इस सीरीज में आयुष का इस यह दूसरा शतक है। इससे पहले आयुष ने पिछले सप्ताह बेकेनहैम के केंट काउंटी क्रिकेट मैदान में खेले गए पहले टेस्ट मैच की पहली पारी में 102 रन बनाए थे। आयुष ने दूसरी पारी में 80 गेंदों पर ही 13 चौकों और छह छक्कों की मदद से 126 रन बनाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 157.50 रहा। वहीं पहली पारी में उन्होंने 90 गेंदों पर 88.89 के स्ट्राइक रेट से 80 रन बनाये थे। इस बल्लेबाज ने इस प्रकार दोनो ही पारियों को मिला दिया जाये तो 170 गेंदों पर 206 रन बनाए और उनका स्ट्राइक रेट 121.17 रहा। इस प्रकार आयुष ने न्यूज़ीलैंड के पूर्व कप्तान और स्टार बल्लेबाज ब्रेंडन मैकुलम के 24 साल पुराने बल्लेबाजी स्ट्राइक रेट के रिकॉर्ड को तोड़ दिया. गौरतब है कि मैकुलम ने साल 2001 में लिंकन में खेले गए न्यूजीलैंड-दक्षिण अफ्रीका युवा टेस्ट मैच के दौरान 108.41 के स्ट्राइक रेट से 200 से अधिक रन बनाए थे। वहीं आयुष स्ट्राइक रेट के मामले में मैकुलम के रिकॉर्ड से कहीं आगे हैं।वहीं 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी दूसरे युवा टेस्ट की दूसरी पारी में शून्य पर ही आउट हो गये।

सिंगापुर में विश्व एक्वेटिक चैम्पियनशिप में स्पेन की एलीना रुइज़ ने वाटर पोलो में कांस्य पदक जीता।

## शुभमन के बयान की हंसी उड़ाने वाले हुसैन को कार्तिक ने करारा जवाब दिया

मैनचेस्टर (ईएमएस)। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने भारतीय कप्तान शुभमन गिल के उस बयान का माजक उड़ाया है जिसमें शुभमन ने लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट में इंग्लैंड के बल्लेबाजों जैक क्रॉली और बेन डकेट के जानबूझकर समय बर्बाद करने की आलोचना की थी। इस मामले को लेकर शुभमन की इन मेजबान खिलाड़ियों से बहस भी हुई थी। हुसैन ने कहा कि इस मामले पर गिल के बयान को हास्यास्पद बताया है। जिसपर भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने हुसैन को करार जवाब दिया। मैनचेस्टर टेस्ट के पहले दिन हुसैन और कार्तिक लॉर्ड्स की घटना पर बात कर रहे थे। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ने कहा, 'मुझे लगता है कि अंतिम ओवर में अंपायर रोशनी को लेकर चिंता में थे। शुभमन की प्रेस कॉन्फ्रेंस पर मुझे हंसी आ रही है। ये सही है कि इंग्लैंड ने देरी करके खेल भावना नहीं दिखायी वह भी एक ओवर के लिए पर हर टीम ये करती है और भारतीय टीम भी यही करेगी। इस पर कार्तिक ने हुसैन को करारा जवाब दिया। उन्होंने कहा, 'अंतर है, मुझे नहीं लगता कि भारतीय टीम 90 सेकंड की देरी करेगी और बल्लेबाजी नहीं करना चाहेगी। मुझे लगता कि शुभमन गिल को इसीलिए समस्या दिखी और उन्होंने अपनी बात कही। यह तथ्य है कि वे स्ट्राइक लेने के लिए देरी से आए और गिल को इससे समस्या है।'

### राहुल इंग्लैंड में 1000 टेस्ट रन बनाने वाले पांचवे भारतीय बने

भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज केएल राहुल ने इंग्लैंड के खिलाफ यहां चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में 11 रन बनाते ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर ली। इसी के साथ ही राहुल ने इंग्लैंड में अपने 1000 टेस्ट रन पूरे कर लिए हैं। अब राहुल इंग्लैंड में अपने 1000 टेस्ट रन पूरे करने के मामले में सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, सुनील गावस्कर और विराट कोहली जैसे खिलाड़ियों के क्लब में शामिल हो गये हैं। इस सूची में 1575 रनों के साथ तेंदुलकर पहले स्थान पर हैं, वहीं द्रविड़ 1376, गावस्कर 1152 और कोहली 1096 रनों के साथ ही दूसरे तीसरे और चौथे सथान पर हैं। राहुल ने इंग्लैंड में 12 टेस्ट मैचों में चार शतक और दो अर्धशतक लगाये हैं। इंग्लैंड में उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 149 रन है। राहुल ने इससे पहले सर्वश्रेष्ठ टेस्ट सीरीज 2016-17 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू मैदान पर खेली थी जिसमें उन्होंने चार मैचों और सात पारियों में 65.50 की औसत से 393 रन बनाए हैं, जिसमें उनके नाम 6 अर्धशतक और 90 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल है। वह एशिया के बाहर भारत के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में से एक हैं, क्योंकि उनके 10 में से 9 टेस्ट शतक घर से बाहर आए हैं।

## विश्वकप के लिए नये सिरे से तैयारी करनी होगी : हरमनप्रीत

लंदन (ईएमएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत ने कहा है कि अब उनकी टीम स्वदेश लौटने के बाद एकदिवसीय विश्वकप की तैयारियां करेगी। इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में जीत से उत्साहित हरमनप्रीत ने कहा कि इससे टीम का मनोबल बढ़ा है पर हमें यहीं नहीं रुकना है क्योंकि हर बार के हालात अलग होते हैं। इसलिए विश्वकप की शुरुआत नये सिरे से करनी होगी। भारतीय टीम ने इंग्लैंड में एकदिवसीय के अलावा टी20 प्रारुप भी जीता है। वहीं अब भारतीय टीम 14 सितंबर से घरेलू मैदान पर तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में ऑस्ट्रेलिया से मुकाबला करेगी। इसके बाद 30 सितंबर से दो नवंबर तक भारत और श्रीलंका में महिला एकदिवसीय विश्व कप खेला जाएगा। जिसमें उसका लक्ष्य जीत हासिल करना रहेगा।

हरमनप्रीत ने कहा, ''हर मैच और हर परिस्थिति अलग होती है। यहां परिस्थितियां बिल्कुल अलग थीं, पिच भी अलग थी, माहौल भी अलग था। वहीं विश्वकप के दौरान घरेलू मैदान पर हालात अलग होंगे।'' उन्होंने कहा, ''जब भी आपको जीत मिलती है तो आपकी मानसिकता सकारात्मक हो जाती है। इस तरह की चीज आपको अच्छी स्थिति में रखती हैं।'' हरमनप्रीत ने कहा, ''पर जब भी आप अगला मैच खेल रहे हों, तो आपको हमेशा पहली गेंद से ही शुरुआत करनी होती है और मुझे लगता है कि इस सीरीरज से निश्चित रूप से हमारा मनोबल बढ़ेगा लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि हम आत्ममुग्ध हो जायें। जब हम स्वदेश लौटेंगे तो हमें फिर से नई शुरुआत करनी होगी।' भारतीय कप्तान ने इंग्लैंड दौरे में सफलता का श्रेय टीम वर्क को दिया। उन्होंने कहा कि हमारी टीम पिछले कई वर्षों से कड़ी मेहनत कर रही थी जिसका परिणाम अब मिल रहा है।

## बेहद गरीबी से निकलकर क्रिकेट स्टार बने रसेल

जमैका (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने वाले वेस्टइंडीज के स्टार क्रिकेटर आंद्रे रसेल आंद्रे ने अपने क्रिकेट करियर में जहां कई शानदार पारियां खेली हैं और प्रशंसकों का भरपूर मनोरंजन किया है। वहीं रसेल के क्रिकेटर बनने का सफर बेहद कठिन रहा है। रसेल आज जहां आलिशान जिंदगी जीते हैं। वहीं उनका बचपन गरीबी में बीत है। खेल में अपनी मेहनत के बल पर ही वह यहां तक पहुंचे हैं। रसेल के परिवार की आर्थिक स्थिति खराब थी। ऐसे में उनकी मां चाहती थी कि वह पढ़ लिखकर कोई काम तलाश लें पर रसेल जानते थे कि अगर उन्हें अपने परिवार की हालत

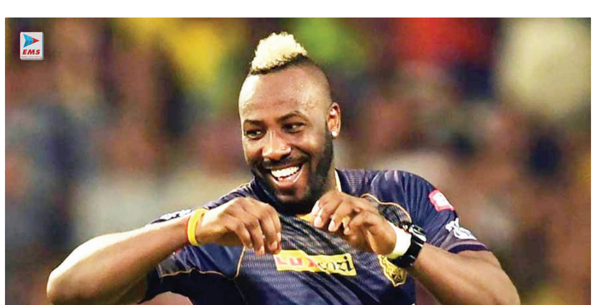

सुधारनी है तो कुछ बड़ा करना होगा। ऐसे में वह क्रिकेट से जुड़ गये। इसके लिए उन्होंने परिवार से दो साल का समय लिया था।
रसेल के पिता एक फैक्ट्री में मजदूरी करते थे और उनकी मां नहीं चाहती थी कि उनका बेटा क्रिकेटर बने पर रसेल ने अपनी मां से दो साल का समय मांगा और कहा कि अगर वह सफल नहीं हुए तो जो वह कहेंगी वहीं करेंगे। रसेल तय समय तक सफल तो नहीं हो पाए पर परिवार को लगा कि वह मेहनत कर रहा है और एक दिन जरूर सफल होगा। इसलिए परिवार ने उनका साथ दिया। साल 2007 में जमैका की टीम से पहली बार फर्स्ट क्लास क्रिकेट खेलने के दौरान ही रसेल ने चयनकर्ताओं को अपने खेल से प्रभावित कर दिया। आक्रामक बल्लेबाजी और घातक गेंदबाजी के बल पर उन्हें वेस्टइंडीज की टीम जगह मिली गयी और इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। सफल होने के बाद रसेल एक स्टार बन गये और उनकी जीवनशैली भी बदल गयी। रसेल की पत्नी जस्सिम लॉरा एक और फैशन इंफ्लूएंसर और मॉडल है।

स्विटजरलैंड में जर्मनी की सोफिया कलीनहर्न सहित अन्य खिलाड़ी स्पेन के खिलाफ महिला यूरो कप फुटबॉल में खेलती हुई।

## वोक्स की गेंद लगने से चोटिल हुए ऋषभ, डॉसन बोले, अब इस सीरीज में नहीं खेल पायेंगे

मैनचेस्टर (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत इंग्लैंड के खिलाफ चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में घायल हो गये। ऋषभ को बल्लेबाजी के दौरान रिवर्स स्वीप के प्रयास में इंग्लैंड के तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स की एक गेंद लग गयी थी जिसके बाद उन्हें मैदान से बाहर ले जाया गया। इस विकेटकीपर बल्लेबाज के दाहिने पैर में चोट लगी। तब वह 48 गेंद में 37 रन बनाकर खेल रहे थे। पहले उन्हें मैदान पर ही चिकित्सा दी गई पर राहत नहीं मिलने पर गोल्फ कार्ट से मैदान से बाहर ले जाया गया। उनके दाहिने पैर के अंगूठे खून निकलता हुआ दिखा और पैरो में काफी सूजन भी नजर आयी। उनकी चोट कितनी गंभीर है अभी इस बारें में डॉक्टरों ने कोई जानकारी नहीं दी है। वोक्स की फुल लेंथ गेंद उनकेपैर के अंगूठे पर लगी थी जिसके बाद इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने पगबाधा की अपील की पर रिव्यू में अंपायरों ने इस अपील को खारिज कर दिया। इस सीरीज में ऋषभ दूसरी बार चोटिल हुए हैं। लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट के दौरान विकेटकीपिंग करते हुए उनकी उंगली में भी चोट लग गई थी जिसके कारण वह इंग्लैंड की दूसरी पारी में विकेटकीपिंग नहीं कर पाए थे और ध्रुव जुरेल ने उनकी जगह पर विकेटकीपिंग की थी। वहीं इंग्लैंड के स्पिनर लियाम डॉसन ने कहा है कि ऋषभ इस टेस्ट में अब नहीं खेल पाएंगे। डॉसन ने कहा, उम्मीद करता हूं वो ठीक होगा। चोट हालांकि ज्यादा लग रही थी, मेरी प्रार्थना उसके साथ है। वह भारत का एक बड़ा खिलाड़ी है पर मुझे नहीं लगता हम उसको आगे अब इस टेस्ट मैच में खेलते हुए देख पाएंगे।

### ऋषभ की जगह पर सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी विकेटकीपिंग कर सकेगा, बल्लेबाजी नहीं

भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत इंग्लैंड के खिलाफ चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले दिन बल्लेबाजी के दौरान रिटायर्ड हर्ट होने के कारण पेवेलियन लौट गये। ऋषभ की चोट कितनी गंभीर है इसका अभी पता नहीं चला है। ऐसे में वह बल्लेबाजी के लिए उतरेंगे या नहीं ये भी अभी पक्के तौर पर नहीं कहा जा सकता है। वहीं कहा जा रहा है कि अगर जांच रिपोर्ट में सबकुछ ठीकठाक रहा तो वह दोबारा बल्लेबाजी कर सकते हैं। वहीं अगर उनकी चोट गंभीर रही तो स्थानपन्न खिलाड़ी उनकी जगह पर विकेटकीपिंग तो कर पायेगा लेकिन बल्लेबाजी नहीं कर सकेगा। स्थानापन्न खिलाड़ी तभी बल्लेबाजी कर सकता है जब सिर पर चोट लगी हो। ऐसे में कन्कशन सब्स्टीट्यूट की सुविधा मलती है।
ऋषभ तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स की गेंद पर रिवर्स स्वीप खेलना चाहते थे पर गेंद उनके बल्ले पर नहीं आयी और पैर पर जाकर लगी। इसी कारण वह दर्द से कराहते दिखे। इसके बाद फिजियो मैदान के अंदर आए और उन्हें अस्पताल ले जाया गया। जहां उनकी चोट का स्कैन हुआ है। इस मैच में अगर पंत आगे नहीं खेल पाते हैं तो फिर उनकी जगह ध्रुव जुरेल इंग्लैंड की पारी में विकेटकीपिंग करते हुए नजर आ सकते हैं पर जुरेल बल्लेबाजी नहीं कर सकते क्योंकि पंत को पैर में चोट लगी है, ऐसे में भारत को ब्स्टीट्यूट फील्डर मिल सकता है। सुदर्शन के साथ बल्लेबाजी कर रहे पंत इस मैच में 48 गेंद में 37 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुए। भारतीय टीम ने मैच में पहले दिन 4 विकेट पर 264 रन बनाए।

## जॉन सीना को मैकइंटायर ने मुकाबले के लिए ललकारा

न्यूजर्सी (ईएमएस)। डब्ल्यूडब्लयूई रेसलर जॉन सीना को स्कॉटिश पेशेवर रेसलर मैकइंटायर ने मुकाबले की चेतावनी दी है। मैकइंटायर का वास्तविक नाम एंड्र्यू मैकलीन गैलोवे है। सीना को समरस्लैम 2025 में कोडी रोड्स के खिलाफ डब्यूडब्यलूई चैंपियनशिप का बचाव करना है। वहीं अब बीच में मैकइंटायर आ गये है। मैकइंटायर ने सीना का मजाक उड़ाते हुए डब्ल्यूडब्लयूई चैंपियनशिप जीतने के लिए अपनी दावेदारी पेश की है। सीना का अंतिम मुकाबला संन्यास से पहले गुंथर से होना था। वहीं अब मैकइंटायर ने कहा कि मैं पांच हफ्ते के लिए बाहर था। मैं वापस आया हूं। मैं उन व्यक्तिगत मुद्दों में शामिल नहीं हो रहा हूं जिनमें मैं पिछले दो सालों से शामिल था। मैं अब खिताब वापस जीतना चाहता हूं। रैंडी ऑर्टन पर जीत से मेरी शुरुआत होगी।
जॉन सीना डब्ल्यूडब्लयूई के बड़े स्टार हैं। उन्होंने कई सालों तक डब्ल्यूडब्लयूई में काम किया है। उनके बहुत सारे प्रशंसक हैं। सीना का रिटायरमेंट डब्ल्यूडब्लयूई के लिए एक बड़ा नुकसान होगा। ड्रू मैकइंटायर भी डब्ल्यूडब्लयूई के बड़े स्टार हैं। उन्होंने कई चैंपियनशिप जीती हैं। मैकइंटायर चैंपियनशिप में सीना को हराने में सक्षम माने जाते हैं। वहीं सीना और रोड्स के बीच मुकाबला बहुत ही रोमांचक होने वाला है। इस मैच को देखने के लिए प्रशंसक बहुत उत्साहित हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि कौन यह मैच जीतता है।

### एशिया कप सात सितंबर से दुबई में खेला जाएगा !

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) की बैठक में शामिल होने के लिए तैयार होने से अब एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट के आयोजन की राह साफ हुई है। एक रिपोर्ट के अनुसार ये टूर्नामेंट 7 सितंबर से शुरु होने की संभावना है। टी20 प्रारुप में होने वाला ये टूर्नामेंट दो शहरों में खेला जा सकता है। इसका आयोजन दुबई और अबू धाबी में किये जाने की संभावना है। टूर्नामेंट की रूप रेखा तय की जा रही है पर ये साफ हो गया है कि है इस बार 8 टीमों के साथ ये टूर्नामेंट खेला जाएगा। इसमें सदस्य देशों के साथ ही एसीसी प्रीमियर कप के 3 विजेता भी रहेंगे। पूर्ण सदस्य देशों की बात करें तो इसमें भारत के अलावा पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान की टीमें भी शामिल है जबकि एसीसी प्रीमियर कप के 3 विजेता यूएई, ओमान और हॉन्ग कॉन्ग थे। इस तरह कुल 8 टीमें इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाली हैं। रिपोर्ट के अनुसार 7 सितंबर से 21 सितंबर तक एशिया कप 2025 खेला जा सकता है। टी20 विश्व कप 2026 को ध्यान में रखते हुए इस बार एशिया कप टी20 फॉर्मेट में होगा। पिछली बार एकदिवसीय विश्व कप का आयोजन बड़े प्रारुप में हुआ था। हाइब्रिड मॉडल के तहत तब पाकिस्तान और श्रीलंका में मैच आयोजित किए गए थे।

### एसीसी बैठक में वर्चुअल तौर पर शामिल होगा बीसीसीआई

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अपने पहले वाले फैसले से पलटते हुए एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) की बैठक में भाग लेने के लिए तैयार हो गया है। बीसीसीआई ढाका में होने वाली बैठक में वर्चुअल तौर पर शामिल होगा। इससे पहले बीसीसीआई ने बांग्लादेश के खराब हालातों को देखते हुए पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक का बहिष्कार करने की बात कही थ पर अब वह इसमें वर्चुअल रूप से भाग लेने तैयार हो गया है। इससे एशिया कप के आयोजन को लेकर संशय कम होने की उम्मीद है। एशिया कप के आयोजन स्थल को लेकर गतिरोध का मामला भी इस बैठक में उठेगा क्योंकि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के दुबई, अबुधाबी और शारजाह में मैदान होने के कारण यह एक मजबूत दावेदार के रूप में उभर रहा है। मेजबानी की दौड़ में श्रीलंका है भी शामिल हैं क्योंकि भारत ने बांग्लादेश के दौरे के लिए पहले ही मना कर दिया था। एसीसीसी के एक अधिकारी ने कहा, ''बीसीसीआई का प्रतिनिधित्व उसके उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला वर्चुअल रूप से करेंगे जो एसीसी बोर्ड के नामित सदस्य हैं। एशिया कप के आयोजन स्थल पर अंतिम निर्णय लिया जाना है, इसलिए भी बोर्ड ने वर्चुअल रूप से बैठक में भाग लेने का फैसला किया है।'' बीसीसीआई ने इससे पहले खराब राजनीतिक हालातों को देखते हुए अगस्त में अपने बांग्लादेश दौरे को स्थगित कर दिया था।

### फातिमा सना की कप्तानी में आयरलैंड दौरे पर जाएगी पाकिस्तान टीम

लाहौर (ईएमएस)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अगले माह छह अगस्त से शुरु होने वाले आयरलैंड दौरे के लिए अपनी अपनी 15 सदस्यीय महिला क्रिकेट टीम घोषित कर दी है। इस दौरे में तीन मैचों की टी-20 सीरीज खेली जाएगी। इसमें फातिमा सना पाक टीम की कप्तानी करेंगी। टीम में अनकैप्ड बल्लेबाज एमान फातिमा को भी शामिल किया गया है। इस टी-20 सीरीज के मैच डबलिन में क्रिकेट खेले जाएंगे। फातिमा को राष्ट्रीय महिला टी-20 टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन के कारण टीम में शामिल किया गया है। उन्होंने आठ मैचों में 155.14 के स्ट्राइक रेट से 287 रन बनाए हैं। टीम सीरीज के लिए आयरलैंड रवाना होने से पहले एक प्रशिक्षण शिविर में भाग लेगी। पाक टी20 टीम : फातिमा सना (कप्तान), आलिया रियाज, डायना बेग, एमान फातिमा, गुल फिरोजा, मुनीबा अली, नजीहा अल्वी, नशरा सुंधू, नतालिया परवेज, रमीन शमीम, सदफ शमास, सादिया इकबाल, सिदरा अमीन, तुबा हसन और वहीदा अख्तर।

### वैभव इंग्लैंड दौरे के अंतिम टेस्ट में विफल रहे

लंदन (ईएमएस)। भारतीय अंडर-19 टीम की ओर से खेल रहे 14 साल के वैभव सूर्यवंशी के लिए इंग्लैंड दौरे का दूसरा और अंतिम टेस्ट मैच अच्छा नहीं रहा। इसमें वैभव पहली ही गेंद पर आउट हो गये। एकदिवसीय सीरीज में जमकर छक्के लगाने वाले वैभव टेस्ट मैच में विफल रहे। वह 4 पारियों में केवल एक अर्धशतक ही लगा पाये। वैभव के लिए अंतिम पारी अच्छी नहीं रही और वह उसमें खाता भी नहीं खोल पाये। वहीं इससे पहले वैभव ने एकदिवसीय सीरीज में 29 छक्के लगाये थे। सीरीज के इस दूसरे टेस्ट मैच में इंग्लैंड अंडर-19 ने भारतीय टीम को जीत के लिए 355 रन का लक्ष्य दिया। इसका पीछा करते हुए वैभव सूर्यवंशी और कप्तान आयुष म्हात्रे से दूसरी पारी में अच्छी शुरुआत की उम्मीद थी पर वैभव विफल रहे और पारी की पहली गेंद पर ही पवेलियन लौट गए। वैभव ने तेज गेंदबाज एलेक्स ग्रीन की पहली ही गेंद पर बड़ा शॉट खेलने का प्रयास किया पर गेंद बल्ले का किनारा लेकर विकेटों में लग गयी। वैभव पहली बार अपने करियर में पहली ही गेंद पर आउट हुए हैं। पहली पारी में भी वह 14 गेंदों पर 20 रन बना पाये थे। वैभव ने एक अर्धशतक सहित दो मैचों की टेस्ट सीरीज की 4 पारियों में 90 रन बनाए हैं। उनका औसत 22.50 का रहा है। वहीं वैभव एकदिवसीय सीरीज में काफी सफल रहे थे और उन्होंने 355 रन बनाए थे। इस दौरान उन्होंने शतक भी बनाया था। पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज में वैभव का बल्लेबाजी औसत रहा है।

### न्यूज़ीलैंड के इंकार के बाद एफआईएच ने प्रो लीग के लिए पाक को आमंत्रित किया

लुसाने (ईएमएस)। अंतररष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने 2025-26 प्रो लीग के लिए नेशंस कप उपविजेता पाकिस्तान को आमंत्रित किया है। पाक को इसलिए अवसर मिल रहा है क्योंकि एफआईएच हॉकी नेशंस कप विजेता न्यूजीलैंड ने भाग लेने से इंकार कर दिया था। ऐसे में एफआईएच ने नियमों के अनुसार नेशंस कप उपविजेता होने के कारण पाकिस्तान को बुलाया है। पाकिस्तान हॉकी संघ को निमंत्रण पर फैसल लेने के लिए अगले 12 अगस्त तक का समय दिया गया है। एफआईएच ने कहा कि पाक हॉकी महासंघ को तय अवधि में बताना पड़ेगा कि वह भाग ले रही हैं या नहीं। साल 2024-25 एफआईएच हॉकी प्रो लीग में डच महिला और पुरुष दोनों टीमों को चैंपियन घोषित किया गया था। न्यूजीलैंड पहले जहां एफआईएच विश्व रैंकिंग में पांचवें स्थान पर था, वहीं अब वह 12वें स्थान पर फिसल गया है जबकि ओलंपिक खेलों में वह नौवें स्थान पर रहा था।

# सेंसेक्स 542 अंक गिरकर 82,184 पर बंद: निफ्टी भी 158 अंक लुढ़का; आईटी, एफएमसीजी और रियल्टी शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट

**मुंबई:** हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन गुरुवार (24 जुलाई) को सेंसेक्स 542 अंक गिरकर 82,184 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में 158 अंक की गिरावट रही, ये 25,062 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 5 में तेजी और 25 में गिरावट रही। ट्रेंट, टेक महिंद्रा और बजाजा फिनसर्व के शेयर्स 4% तक गिरे। जोमैटो, टाटा मोटर्स और सनफार्मा 3.5% तक चढ़े।

निफ्टी के 50 शेयरों में से 16 में तेजी और 34 में गिरावट रही। एनएसई के निफ्टी आईटी इंडेक्स 2.21%, एफएमसीजी 1.12% और रियल्टी 1.04% गिरे। मेटल, फार्मा और सरकारी बैंकों का इंडेक्स 1.2% तक चढ़े।

### ग्लोबल मार्केट में तेजी

एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई 1.59% ऊपर 41,826 के स्तर पर और कोरिया का कोस्पी 0.21% ऊपर 3,190 पर कारोबार कर रहा है। हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 0.51% ऊपर 25,667 पर और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.65% चढ़कर 3,606 पर कारोबार कर रहा है। 23 जुलाई को अमेरिका का डाउ जोन्स 1.14% चढ़कर 45,010 पर बंद हुआ। वहीं, नैस्डेक कंपोजिट 0.61% ऊपर 21,020 पर और एसएंडपी 500 0.78% ऊपर 6,359 पर बंद हुए।

### 23 जुलाई डीआईआई ने 4,359 करोड़ रुपए के शेयर्स खरीदे

- 23 जुलाई को विदेशी निवेशकों ने कैश सेगमेंट में 4,209.11 करोड़ रुपए के शेयर्स बेचे। वहीं, घरेलू निवेशकों ने 4,358.52 करोड़ रुपए की नेट खरीदारी की।
- जुलाई महीने में अब तक विदेशी निवेशकों ने 26,395.01 करोड़ रुपए के शेयर्स बेचे हैं। वहीं, घरेलू निवेशकों ने इस दौरान 35,070.24 करोड़ रुपए की नेट खरीदारी की है।
- जून महीने में विदेशी निवेशकों की नेट खरीदारी 7,488.98 करोड़ रुपए रही। वहीं, घरेलू निवेशकों ने भी महीनेभर में 72,673.91 करोड़ की नेट खरीदारी की थी।

### कल 540 अंक चढ़कर 82,727 पर बंद हुआ सेंसेक्स

हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार (23 जुलाई) को सेंसेक्स 540 अंक चढ़कर 82,727 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में 159 अंक की तेजी रही, ये 25,220 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 22 में तेजी और 8 में गिरावट रही। टाटा मोटर्स, एयरटेल और बजाज फाइनेंस के शेयर 2.55% तक चढ़े। हल, इंफोसिस और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर्स गिरकर बंद हुए। निफ्टी के 50 शेयरों में से 39 में तेजी और 11 में गिरावट है। एनएसई का निफ्टी मेटल, ऑटो, बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज और फार्मा इंडेक्स चढ़कर बंद हुए। रियल्टी इंडेक्स करीब 3% नीचे आ गया।

## आदित्य इन्फोटेक का 1,300 करोड़ रुपये का आईपीओ 29 से खुलेगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। वीडियो सुरक्षा उत्पादों के लिए प्रसिद्ध 'सीपी प्लस' ब्रांड की मूल कंपनी आदित्य इन्फोटेक अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) ला रही है। कंपनी का लक्ष्य इससे 1,300 करोड़ रुपये जुटाने का है। आईपीओ का प्राइस बैंड 640 से 675 रुपए प्रति शेयर तय किया गया है। यह निर्गम 29 जुलाई को खुलेगा और 31 जुलाई को बंद होगा। आईपीओ में 500 करोड़ के नए शेयर और 800 करोड़ की बिक्री पेशकश शामिल है। जुटाई गई राशि में से 375 करोड़ कर्ज चुकाने में और बाकी सामान्य कॉर्पोरेट जरूरतों में खर्च किए जाएंगे। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज और आईआईएफएल सिक्योरिटीज इस निर्गम के प्रमुख प्रबंधक हैं। कंपनी के शेयर 5 अगस्त 2025 को स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध हो सकते हैं। यह निर्गम निवेशकों के लिए सुरक्षा तकनीक क्षेत्र में हिस्सेदारी का एक अच्छा अवसर हो सकता है।

# वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच मजबूत बनी भारतीय अर्थव्यवस्था: रिपोर्ट

- **भारत के पास वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में अपनी भागीदारी बढ़ाने का सुनहरा अवसर**

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक व्यापार और टैरिफ को लेकर जारी अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत मैक्रोइकोनॉमिक फंडामेंटल्स के चलते स्थिर बनी हुई है। आरबीआई के बुलेटिन में प्रकाशित स्टेट ऑफ द इकोनॉमी रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में मुद्रास्फीति में कमी, खरीफ सीज़न की अच्छी संभावनाएं, सरकारी खर्च में तेजी, और अनुकूल वित्तीय स्थितियां आगे चलकर समग्र मांग को समर्थन देंगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि भू-आर्थिक विखंडन और व्यापारिक अनिश्चितताओं के बीच भारत के पास वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में अपनी भागीदारी बढ़ाने का सुनहरा अवसर है। साथ ही ढांचागत निवेश और उत्पादकता बढ़ाने वाले संरचनात्मक सुधार भविष्य में विकास को मजबूती प्रदान करेंगे। इस बीच मॉर्गन स्टेनली ने अनुमान जताया है कि भारत 2028 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। वहीं एशियाई विकास बैंक (एडीबी) का अनुमान है कि भारत की जीडीपी वृद्धि दर 2025 में 6.5 फीसदी और 2026 में 6.7 फीसदी रहेगी। मुद्रास्फीति भी आरबीआई के अनुमानित लक्ष्य के भीतर रहने की संभावना है। हालांकि आरबीआई ने चेतावनी दी है कि 1 अगस्त 2025 से लागू होने वाली नई आयात शुल्क दरों को लेकर वैश्विक वित्तीय बाजारों में अनिश्चितता बनी हुई है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं अभी भी अस्थिर हैं, जिससे वैश्विक आर्थिक संभावनाओं पर असर पड़ सकता है।

# अजय सेठ बने इरडाई के नए चेयरमैन, 33 साल का है प्रशासनिक अनुभव; मार्च 2025 से पद था खाली

केंद्र सरकार ने अजय सेठ को इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (इरडाई) का नया चेयरमैन नियुक्त किया है। सूत्रों के मुताबिक, सेठ अगले तीन साल तक इस अहम पद पर रहेंगे। यह नियुक्ति इसलिए खास है, क्योंकि मार्च 2025 से इरडाई का चेयरमैन पद खाली था, जब देबाशीष पांडा ने अपने तीन साल के कार्यकाल के बाद इस्तीफा दे दिया था। अजय सेठ इससे पहले वित्त मंत्रालय में डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक अफेयर्स के सचिव के तौर पर काम कर चुके हैं।

सेठ 1987 बैच के कर्नाटक कैडर के IAS अधिकारी हैं। वे 2021 से DEA सचिव के रूप में अपनी सेवा दे रहे थे। इस दौरान उन्होंने देश की आर्थिक नीतियों को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई। मार्च 2025 में सरकार ने उन्हें राजस्व सचिव का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया था, जब तुहिन कांता पांडे को SEBI का चेयरपर्सन बनाया गया। सेठ के पास पब्लिक सर्विस में 33 साल से ज्यादा का अनुभव है, जिसने उन्हें इस जिम्मेदारी के लिए एक मजबूत दावेदार बनाया।

### आर्थिक नीतियों और सुधारों में सेठ का अहम योगदान

अजय सेठ ने अपने करियर में आर्थिक विकास, वित्तीय प्रबंधन, बुनियादी ढांचे के लिए फंडिंग और डिजिटल पेमेंट जैसे क्षेत्रों में कई अहम फैसले लिए हैं। उन्होंने पब्लिक फाइनेंस, टैक्स नीतियों, बजट तैयार करने, विदेशी निवेश, प्रोजेक्ट मूल्यांकन और पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप जैसे क्षेत्रों में 18 साल तक काम किया है। इसके अलावा, उन्होंने सामाजिक क्षेत्र, स्कूल शिक्षा, स्वास्थ्य, शहरी परिवहन और बुनियादी ढांचे में भी करीब तीन-तीन साल तक अपनी सेवाएं दीं। सेठ ने भारत सरकार, कर्नाटक सरकार और एशियन डेवलपमेंट बैंक के साथ भी काम किया है। उनके काम को मान्यता देते हुए 2013 में उन्हें कर्नाटक के कमर्शियल टैक्स सिस्टम में सुधार लाने के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। सेठ ने यूनिवर्सिटी ऑफ रुड़की (अब Iआईटी रुड़की) से पढ़ाई की है और इसके अलावा उन्होंने अटेनियो डी मनीला यूनिवर्सिटी से भी शिक्षा हासिल की है। उनकी इस पृष्ठभूमि और अनुभव को देखते हुए माना जा रहा है कि वे इरडाई को नई दिशा देंगे।

## भारत का स्मार्टफोन बाजार अप्रैल-जून 2025 में 7% बढ़ा

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत का स्मार्टफोन बाजार अप्रैल-जून 2025 की तिमाही में 7 प्रतिशत की सालाना वृद्धि के साथ 3.9 करोड़ यूनिट्स तक पहुंच गया है। इस तेजी के पीछे मुख्य कारण इन्वेंट्री की चुनौतियों में कमी और विक्रेताओं की फिर से सक्रियता है। पहली तिमाही में इन्वेंट्री के उच्च स्तर के कारण नए स्मार्टफोन लॉन्च में देरी हुई थी, जबकि दूसरी तिमाही में कई नए मॉडल लॉन्च होने से बिक्री में वृद्धि हुई। कैनालिस की रिपोर्ट के अनुसार इस तिमाही में वीवो (आईक्यूओओ को छोड़कर) ने सबसे अधिक शिपमेंट की, जो 81 लाख यूनिट्स के साथ 21 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी पर काबिज रहा। इसके बाद सैमसंग 62 लाख यूनिट्स और 16 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ दूसरे स्थान पर रहा। ओप्पो (वनप्लस को छोड़कर) और श्याओमी दोनों ने लगभग 50 लाख यूनिट्स की शिपिंग की जबकि रियलमी 36 लाख यूनिट्स के साथ शीर्ष पांच में शामिल हुआ। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि भारत के स्मार्टफोन बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है। एक विश्लेषक के अनुसार प्रीमियम ब्रांड और डिजाइन-आधारित कंपनियां अपनी रणनीतियों में सुधार कर बाजार में अपनी पकड़ मजबूत कर रही हैं। एप्पल ने इस तिमाही में छठा स्थान हासिल किया है। आईफोन 16 सीरीज ने एप्पल के कुल शिपमेंट में 55 प्रतिशत से अधिक योगदान दिया, वहीं आईफोन 15 और 13 सीरीज की मांग भी बरकरार रही।

# ट्रंप ने अमेरिकी कंपनियों को दी खुली चेतावनी- चीन में मैन्युफैक्चरिंग यूनिट और भारत से हायरिंग बंद करो

**अमेरिकी** राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने टेक्नोलॉजी कंपनियों को चीन में मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगाने और भारत से कर्मचारियों को हायर करने को लेकर सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में अब ऐसा नहीं चलेगा। बुधवार को हुए एआई समिट में ट्रंप ने कहा कि अमेरिका की कई टेक कंपनियों ने 'रेडिकल ग्लोबलिज्म' का रास्ता अपनाया, जिससे करोड़ों अमेरिकियों को धोखा और विश्वासघात महसूस हुआ। उन्होंने कहा, बहुत लंबे समय तक अमेरिका की टेक इंडस्ट्री ने ऐसे रास्ते चुने जिससे देश के लोग खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं।

ट्रंप ने बड़ी टेक कंपनियों पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने अमेरिका की आज़ादी का फायदा उठाया, लेकिन फैक्ट्रीज़ चीन में लगाईं, वर्कर्स भारत से लिए और मुनाफा आयरलैंड जैसे देशों में कम टैक्स देकर बढ़ाया। इन कंपनियों ने अमेरिका के लोगों को नजरअंदाज किया, यहां तक कि उनकी आवाज को दबाया भी। लेकिन ट्रंप के कार्यकाल में अब ऐसा नहीं होगा। ट्रंप ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की रेस में अमेरिका को जीत दिलाने के लिए टेक कंपनियों को देशहित को प्राथमिकता देनी होगी। उन्होंने कहा, एआई की रेस जीतने के लिए हमें टेक्नोलॉजी इंडस्ट्री में एक नई देशभक्ति और राष्ट्रीय निष्ठा की ज़रूरत है, खासकर सिलिकॉन वैली में। उन्होंने कहा, हमें चाहिए कि अमेरिकी टेक कंपनियां पूरी तरह से अमेरिका के लिए काम करें। बस हम यही चाहते हैं कि आप 'अमेरिका फर्स्ट' को अपनाएं।

एआई समिट के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने तीन एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर साइन किए, जिनका मकसद अमेरिका की एआई इंडस्ट्री को मजबूती देना है। इनमें एक व्हाइट हाउस एक्शन प्लान है और दूसरा अमेरिका की एआई टेक्नोलॉजी को ग्लोबली प्रमोट करने की नेशनल स्ट्रैटेजी है। इसके तहत अमेरिका में बनी पूरी एआई सॉल्यूशंस को एक्सपोर्ट करने को बढ़ावा मिलेगा जिससे अमेरिका की लीडरशिप ग्लोबल लेवल पर और मजबूत हो सकेगी।

### अमेरिकी कंपनियों के लिए भारत और चीन में निवेश के दिन लद गए: ट्रंप

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी टेक कंपनियों को विदेशों में कारोबार फैलाने को लेकर सख्त चेतावनी दी है। एआइ (कृत्रिम मेधा) शिखर सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल में ऐसी कंपनियों के लिए भारत और चीन जैसे देशों में फैक्ट्री लगाना और नौकरियां भेजना अब स्वीकार्य नहीं होगा। ट्रंप ने खासतौर पर उन कंपनियों की आलोचना की जो चीन में कारखाने लगाती हैं, भारत में लोगों को नौकरी देती हैं और टैक्स बचाने के लिए आयरलैंड का सहारा लेती हैं। उन्होंने कहा कि यह नीतियां अमेरिकी श्रमिकों के साथ धोखा हैं और इससे देश को नुकसान हुआ है। ट्रंप ने यह भी कहा कि अमेरिकी टेक्नोलॉजी इंडस्ट्री लंबे समय से कट्टरपंथी वैश्वीकरण के रास्ते पर चल रही है, जिससे लाखों अमेरिकी ठगा हुआ महसूस करते हैं।

## दैनिक पंचांग

**25 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति**

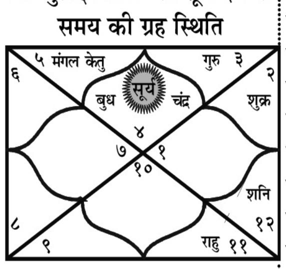


| ग्रह स्थिति | | लग्नारंभ समय | |
|---|---|---|---|
| सूर्य | कर्क में | सिंह | 07.10 बजे से |
| चंद्र | कर्क में | कन्या | 09.22 बजे से |
| मंगल | सिंह में | तुला | 11.33 बजे से |
| बुध | कर्क में | वृश्चिक | 13.48 ब.से |
| गुरु | मिथुन में | धनु | 16.04 बजे से |
| शुक्र | वृष में | मकर | 18.09 बजे से |
| शनि | मीन में | कुंभ | 19.55 बजे से |
| राहु | कुंभ में | मीन | 21.28 बजे से |
| केतु | सिंह में | मेष | 22.59 बजे से |
| राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक | | वृष | 00.39 बजे से |
| | | मिथुन | 02.37 बजे से |
| | | कर्क | 04.50 बजे से |

**शुक्रवार** 2025 वर्ष का 206 वा दिन
**दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
**विक्रम संवत्** 2082
**शक संवत्** 1947
**मास** श्रावण **पक्ष** शुक्ला
**तिथि** प्रतिपदा 23.24 बजे को समाप्त।
**नक्षत्र** पुष्य 16.01 बजे को समाप्त।
**योग** वज्र 07.28 बजे को समाप्त।
**करण** किस्तुघ्न 11.58 बजे तदनन्तर बव 23.24 बजे को समाप्त।
**चन्द्रायु** 0.2 घण्टे
**रवि क्रान्ति** उत्तर 19° 38'
**सूर्य** उत्तरायन
**कलि अहर्गण** 1872416
**जूलियन दिन** 2460881.5
**कलियुग संवत्** 5126
**कल्पारंभ संवत्** 1972949123
**सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123
**वीरनिर्वाण संवत्** 2551
**हिजरी सन्** 1446
**महीना** मोहर्रम
**तारीख** 29

| दिन का चौघड़िया | | | रात का चौघड़िया | | |
|---|---|---|---|---|---|
| चर | 05.55 से | 07.23 बजे तक | रोग | 05.38 से | 07.1 बजे तक |
| लाभ | 07.23 से | 08.51 बजे तक | काल | 07.11 से | 08.43 बजे तक |
| अमृत | 08.51 से | 10.19 बजे तक | लाभ | 08.43 से | 10.15 बजे तक |
| काल | 10.19 से | 11.47 बजे तक | उद्वेग | 10.15 से | 11.47 बजे तक |
| शुभ | 11.47 से | 01.15 बजे तक | शुभ | 11.47 से | 01.19 बजे तक |
| रोग | 01.15 से | 02.43 बजे तक | अमृत | 01.19 से | 02.51 बजे तक |
| उद्वेग | 02.43 से | 04.10 बजे तक | चर | 02.51 से | 04.23 बजे तक |
| चर | 04.10 से | 05.38 बजे तक | रोग | 04.23 से | 05.55 बजे तक |

**चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

## शब्द पहेली - 7357

**बाएँ से दाएँ**

1. अचंभा, आश्चर्य-4
3. अच्छी रुचि, कलात्मक रुचि-3
6. पिता के छोटे भाई, काका-2
7. माह, मास-3
9. धावक(अंग्रेजी-3)
11. नया जीवन, उद्धार होना-5
12. लक्ष्मी, धन की देवी-3
15. बुरी आदत-2
16. पैर, पाँव-2
18. देवमुनि, देवर्षि-3
20. शिकायत करना-5
22. रनिवास-3
24. बेकार, आंवारा-3
26. छोटा टुकड़ा-2
27. अभिनय, कथा मंचन-3
28. सुगंध फैलाना-4

**ऊपर से नीचे**

1. सहसा, अकस्मात-4
2. एक प्रकार की शराब-2
3. प्रतिभाशाली-3
5. मननशील-5
6. चतुर्थ-2
8. नाव खेना-2,3
10. पासे फैंक कर भविष्य जानने की विद्या-3
13. पैर मारना-5
14. मन की इच्छा-5
17. प्रकार-3
19. टूटना, बिखरना-4
21. पराजित होना, हारना-3
23. चालीस किलो के वजन को यह भी कहते हैं-2
25. पथ, रास्ता, मार्ग-2

**शब्द पहेली -7356 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अ | च | क | न | ■ | ■ | आ | ब | रु |
| जू | ■ | ■ | व | र | दा | न | ■ | ख |
| बा | ल | ■ | ■ | वा | दा | ■ | ■ | सा |
| ■ | ल | त | ■ | ना | ■ | म | ग | र |
| ■ | का | र | ण | ■ | क | ल | फ | ■ |
| ह | र | फ | ■ | आ | ■ | बा | ल | ■ |
| वा | ■ | ■ | दा | वा | ■ | ■ | त | ह |
| ला | ■ | रा | ह | ज | नी | ■ | ■ | व |
| त | मी | ज | ■ | ■ | र | स | खा | न |

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

## आज का इतिहास

1971 डॉ. क्रिश्चियन बर्नार्ड ने केपटाउन में एक व्यक्ति में हृदय और दोनों फेफड़े का प्रत्यारोपण किया.
1982 ज्ञानी जैलसिंह ने राष्ट्रपति पद की शपथ ली.
1987 वेंकटरामन द्वारा राष्ट्रपति पद की शपथ.
1990 साइबेरिया के विद्रोहियों ने मोनोरोविया के हवाई अड्डे पर हमला कर उसका संपूर्ण विश्व से संबंध काट दिया.
1997 राबड़ी देवी बिहार की प्रथम महिला मुख्यमंत्री बनी.
1999 अस्थायी पुल टूटने से राजस्थान के धौलपुर जिले के गाँव पर सलाघाट पर 47 लोग चंबल नदी में बह गए.
2002 डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम को देश के 12वें राष्ट्रपति पद की शपथ दिलाई गई.
2002 महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल पी. सी. एलैग्जैंडर राज्यसभा के लिए चुने गए.

## अंकजाल - 6898

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ■ | 22 | 14 | 18 | ■ | 36 | 19 | 15 | 14 | ■ |
| 15 | 7 | | 3 | ■ | 8 | | 7 | | 20 |
| 12 | | 2 | | ■ | | 9 | | 4 | 25 |
| 18 | 9 | | 7 | ■ | 5 | | 3 | | 23 |
| 21 | | 5 | | 5 | | ■ | ■ | ■ | ■ |
| ■ | ■ | ■ | ■ | | 9 | | 3 | | 30 |
| 21 | | 6 | | 3 | ■ | 6 | | 5 | 15 |
| 16 | 2 | | 6 | | ■ | | 8 | | 23 |
| 23 | | 8 | | 4 | ■ | 6 | | 7 | 21 |
| ■ | 12 | 19 | 19 | 23 | ■ | 21 | 23 | 28 | ■ |

**अंकजाल 6897 का हल**

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ■ | 20 | 22 | 22 | ■ | 23 | 16 | 11 | 18 | ■ |
| 14 | 3 | 4 | 7 | ■ | 8 | 5 | 4 | 9 | 26 |
| 14 | 2 | 7 | 5 | ■ | 8 | 7 | 5 | 3 | 23 |
| 17 | 8 | 2 | 7 | ■ | 3 | 4 | 2 | 6 | 15 |
| 28 | 7 | 9 | 3 | 7 | 2 | ■ | ■ | ■ | ■ |
| ■ | ■ | ■ | ■ | 5 | 2 | 5 | 7 | 8 | 27 |
| 18 | 2 | 3 | 8 | 5 | ■ | 6 | 7 | 3 | 16 |
| 17 | 6 | 4 | 5 | 2 | ■ | 5 | 6 | 8 | 19 |
| 23 | 5 | 8 | 6 | 4 | ■ | 6 | 8 | 7 | 21 |
| ■ | 13 | 15 | 19 | 23 | ■ | 22 | 28 | 26 | ■ |

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

## अष्टयोग - 5842

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | 5 | | 1 | 6 | | 4 |
| | 37 | | 37 | | 29 | 3 |
| 2 | 4 | | 7 | | 6 | 1 |
| | 31 | 1 | 28 | | 32 | |
| | 6 | | 2 | | 3 | 7 |
| 1 | 28 | 4 | 27 | | 33 | |
| | 1 | | 3 | | 4 | 6 |

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

**अष्टयोग 5841 का हल**

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 6 | 1 | 7 | 4 | 3 | 5 | 2 |
| 2 | 28 | 4 | 40 | 7 | 35 | 4 |
| 1 | 2 | 5 | 6 | 4 | 7 | 3 |
| 5 | 28 | 3 | 38 | 6 | 34 | 1 |
| 4 | 2 | 6 | 3 | 5 | 1 | 7 |
| 3 | 31 | 2 | 24 | 1 | 30 | 6 |
| 7 | 6 | 1 | 4 | 2 | 3 | 5 |

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

## गणित पहेली - 5202

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 11 | | 5 | | 40 | | 1 | = | 15 |
| | ■ | | ■ | | ■ | | ■ | |
| 20 | | 20 | | 20 | | 20 | = | 40 |
| | ■ | | ■ | | ■ | | ■ | |
| 10 | | 5 | | 45 | | 25 | = | 25 |
| | ■ | | ■ | | ■ | | ■ | |
| 60 | | 4 | | 3 | | 20 | = | 25 |
| = | ■ | = | ■ | = | ■ | = | ■ | = |
| 81 | | 16 | | 45 | | 25 | = | 5 / 45 |

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

### संकेत

खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (x) व (÷) के निशान लगाने हैं जिनका उत्तर (=) पूर्णतः मेल खाता हो.

**गणित पहेली - 5201**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 50 | ÷ | 2 | - | 5 | x | 2 | = | 40 |
| - | ■ | + | ■ | + | ■ | + | ■ | - |
| 40 | x | 4 | - | 80 | - | 50 | = | 30 |
| + | ■ | - | ■ | - | ■ | - | ■ | + |
| 80 | + | 5 | - | 50 | - | 25 | = | 10 |
| - | ■ | x | ■ | + | ■ | - | ■ | - |
| 40 | - | 20 | x | 4 | ÷ | 4 | = | 20 |
| = | ■ | = | ■ | = | ■ | = | ■ | = |
| 50 | + | 20 | - | 39 | - | 23 | = | 0 / 8 |

## शब्दजाल - 6889

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| स | रा | जें | द्र | कु | मा | री | वा | ज | पे | यी |
| द | स | ल | प्रे | व | जी | स | द | ह | कां | रा |
| वि | स | रो | म | र | ज | नी | पा | ल | ख | म |
| शा | स | स | जि | दि | वा | स | ध | चं | श | दु |
| र | आ | र | ग | नी | ज | ना | तू | द्रा | झ | ला |
| दा | ल | ला | र | दि | ना | उ | ती | व | घ | री |
| मु | व | ग्रे | मी | या | प | य | ज | ती | व | सि |
| ख | एं | वा | ई | द | ब | क | डू | ए | श | न्हा |
| र्जी | ड | ल | कु | म | द | बे | न | जो | शी | आ |
| क | गॉ | ल | प | लि | जी | शी | ला | कौ | ल | द |
| वि | ज | य | ल | क्ष्मी | पं | डि | त | ब | प | म |

शब्द जाल में 10 महिला राज्यपालों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

सरोजिनी नायडू, विजयलक्ष्मी पंडित, शारदा मुखर्जी, कुमुदबेन जोशी, सरला ग्रेवाल, रामदुलारी सिन्हा, चंद्रावती, शीला कौल, राजेंद्रकुमारी वाजपेयी, रजनी पाल

**शब्दजाल - 6888 का हल**

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अ | क | ल | इं | दि | रा | गां | धी | इं | ल | ज |
| र | ट | ल | दे | व | गौ | ड़ा | इं | द्र | ट | वा |
| त | स | ल | ल | र्म | छ | मो | रा | कु | ख | ह |
| च | ज | ज | बि | पु | र | रा | प | मा | ली | र |
| मे | र | दो | ग | हा | लं | र | तू | र | झ | ला |
| न | क | ण | प | ह | री | जी | ना | गु | घ | ल |
| मो | अ | स | सिं | या | प | दे | श | ज | ला | ने |
| ह | ता | दा | ई | ह | ब | सा | फ | रा | श | ह |
| न | बा | चे | न | ब्रा | जी | ई | री | ल | प | रु |
| सिं | पा | ला | ल | ब | हा | दु | र | शा | स्त्री | ता |
| ह | रा | जी | व | गां | धी | रा | बा | द | प | न |

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

## संक्षिप्त खबरें...

### राज्य कैबिनेट के द्वारा उर्दू शिक्षक बहाली करने का फैसला का स्वागतः कांग्रेस

रांचीः झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष मन्जूर अंसारी ने कहा कि विभाग के द्वारा उर्दू शिक्षकों की बहाली की मांग लंबे समय से की जा रही थी। अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद जनाब इमरान प्रतापगढ़ी साहब एवम प्रदेश प्रभारी जीनल एन गाला ने भी कल्याण दौरे के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी से भेंट कर उर्दू शिक्षकों की बहाली का आग्रह किया था। यह प्रस्ताव राज्य कैबिनेट द्वारा पारित कर दिया गया है, जिसके लिए झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का हृदय से आभार प्रकट करता है। राज्य के प्रारंभिक विद्यालयों में उर्दू सहायक शिक्षकों के पूर्व से सृजित 3712 पदों का प्रत्यर्पण करते हुए प्रथम चरण में इण्टरमीडिएट प्रशिक्षित सहायक आचार्य (उर्दू) के 3287 पद एवं मध्य विद्यालयों में स्नातक प्रशिक्षित सहायक आचार्य (उर्दू) के 1052 पद—कुल 4339 पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई है।

### साइबर क्राइम से बचाव एवं सुरक्षा के लिए जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

जमशेदपुर। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत आज दिनांक-24.07.2025 को गोलमुरी -सह- जुगसलाई परियोजना अंतर्गत किशोरियों एवं महिलाओं के लिए साइबर क्राइम से बचाव एवं सुरक्षा के लिए समाज कल्याण एवं जमशेदपुर पुलिस एवं साइबर पीस आर्गेनाइजेशन के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य वर्तमान में प्रचलित अपराध जैसे डिजिटल अरेस्ट, फिशिंग, लोन एप फ्रॉड एवं स्कैम्स को लेकर जागरूक करना रहा। कार्यशाला में उपस्थित लोगो को डिजिटल क्षेत्र में बढ़ती हुई चुनौतियां और डिजिटल कल्याण( digital well being ) को बढ़ावा देने जागरूक किया गया। श्रीनिवास कुमार, साइबर थाना प्रभारी, बिस्टुपुर, कुणाल राजा इंस्पेक्टर साइबर थाना बिस्टुपुर, तारक दास स्टेट कोऑर्डिनेटर, साइबर पीस आस्था तिवारी, ट्रेनर, साइबर पीस के द्वारा उपस्थित लोगो को साइबर क्राइम एवं बचाव के सम्बन्ध में जागरूक किया गया। आयोजित कार्यशाला में किशोरी, आंगनवाड़ी सेविका, स्वास्थ्य विभाग के एएनएम, स्वयं सहायता समूह के महिलाओं, परियोजना कार्यालय के महिला पयवेक्षिका, वन स्टॉप सेंटर के केंद्र प्रशासक आदि उपस्थित थे।

### फैकल्टी विकास कार्यक्रम के चौथे दिन दो तकनीकी सत्र आयोजित

रांचीः BIT मेसरा, लालपुर एक्सटेंशन में आयोजित फैकल्टी विकास कार्यक्रम के चौथे दिन दो तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। पहले सत्र में डॉ. वंदना भट्टाचार्य (प्रमुख एवं प्रोफेसर, सेंटर फॉर क्वांटिटेटिव इकॉनॉमिक्स एंड डेटा साइंस विभाग, BIT मेसरा, रांची) ने "मशीन लर्निंगः डिजिटल व्यवसाय में रूपांतरण की क्रांति" विषय पर व्याख्यान दिया और मशीन लर्निंग की भूमिका को आधुनिक व्यापारिक प्रक्रियाओं में क्रांतिकारी बदलाव के रूप में प्रस्तुत किया। दूसरे सत्र में डॉ. अभिजीत मुस्ताफ़ी (प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग, BIT मेसरा, रांची) ने "सोशल मीडिया डेटा के विश्लेषण एवं पूर्वानुमान की एक मशीन लर्निंग आधारित पद्धति" विषय पर विस्तृत जानकारी दी, जिसमें सोशल मीडिया पर आधारित डेटा सेट्स के व्यवहार और संभावित रुझानों की व्याख्या की गई। कार्यक्रम में संस्थान के फैकल्टी इंचार्ज डॉ. प्रणब कुमार की सक्रिय उपस्थिति और सहयोग उल्लेखनीय रहा। समन्वयक डॉ. अमृता प्रियम और डॉ. महुआ बनर्जी द्वारा कार्यक्रम का सुचारु संचालन किया गया। इस अवसर पर स्वयंसेवक के रूप में शिवांगी तिवारी, सृष्टि पुष्कर, अनुब्रत सरकार एवं रोहित कुमार ने अत्यंत सराहनीय भूमिका निभाई। सत्र के पांचवे दिन सभी प्रतिभागियों को इंड्स्ट्रियल विजिट के तहत CMPDI मुख्यालय का भ्रमण दिनांक 25 जुलाई को कराया जाएगा।

### वाणीशवरी अस्पताल मेसरा की लापरवाही से महिला की मौत, ग्रामीणों ने की जोरदार हंगामा

ओरमांझी(मोहसीन आलम):बीआईटी मेसरा मोड़ स्थित वाणीशवरी हॉस्पिटल में अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही से बृहस्पतिवार की संध्या लगभग 7 बजे मेसरा गांव निवासी रहमान अंसारी के 35 वर्षीया पत्नी नुसरत खातून की मौत हो गई, डॉक्टरों की लापरवाही से हुई मौत की खबर सुनकर सैकड़ो स्थानीय ग्रामीण अस्पताल पहुंचे और अस्पताल प्रबंधन पर नाराजगी जताते हुए जोरदार हंगामा किया और कहा कि मृतक के आश्रितों को मुआवजा राशि दी जाए,मृतिका के पति ने बताया कि इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया था, जहां गलत इलाज के दौरान मेरी पत्नी की मौत हुई है, ओवरडोज देने की वजह से महिला की मौत हुई है. परिजनों ने थाने में प्राथमिकी दर्ज कराया है। हम हंगामा के बाद अस्पताल में पुलिस तैनात कर दी गई।

### भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) के भारतीय उद्योग प्रतिनिधिमंडल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ ऐतिहासिक यूके यात्रा में भाग लिया

रांचीः भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) के भारतीय उद्योग प्रतिनिधिमंडल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ ऐतिहासिक यूके यात्रा में भाग लिया। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यूनाइटेड किंगडम की एक ऐतिहासिक यात्रा की, जिसका समापन भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर के साथ हुआ।

# देश में नंबर 1 बना रांची सदर अस्पताल, मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना में रचा इतिहास

## डॉ. इरफान अंसारी बोले – रिम्स टू बनेगा देश का सर्वश्रेष्ठ अस्पताल

रांचीः रांची सदर अस्पताल ने आयुष्मान भारत - मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के क्रियान्वयन में देशभर में पहला स्थान प्राप्त कर एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की है। इस उपलब्धि पर झारखंड के स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने आज प्रेस वार्ता कर प्रसन्नता व्यक्त की।
डॉ. अंसारी ने कहा की "यह गौरवपूर्ण क्षण है कि राँची सदर अस्पताल ने पूरे देश में पहला स्थान प्राप्त कर झारखंड को गौरवान्वित किया है। यह अस्पताल इस बात का प्रमाण है कि राज्य में स्वास्थ्य क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन हो रहा है। सदर से अब अन्य अस्पताल भी प्रेरणा लेंगे और झारखंड को हम 'निरामय राज्य' के रूप में स्थापित करेंगे।
प्रेस वार्ता के दौरान अपर मुख्य सचिव श्री अजय कुमार सिंह और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (NHM) के प्रबंध निदेशक श्री अबू इमरान भी उपस्थित रहे। मंत्री ने बताया कि सदर अस्पताल में अब 44 निजी डॉक्टर सेवा दे रहे हैं जो निःस्वार्थ भाव से मरीजों की सेवा में समर्पित हैं। उन्होंने अस्पताल के समस्त चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों को देश में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने पर हार्दिक बधाई भी दी।

अपर मुख्य सचिव श्री अजय कुमार सिंह ने जानकारी दी कि राँची सदर अस्पताल ने अब तक दो लाख से अधिक आयुष्मान कार्डधारकों को निःशुल्क उपचार प्रदान किया है। इसके अतिरिक्त, अस्पताल में सुपर स्पेशलिटी सेवाएं प्रारंभ हो चुकी हैं, जिनमें हृदय, छाती, किडनी रोग जैसे गंभीर बीमारियों के विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध हैं।

**वर्तमान में अस्पताल में निम्न विशेषज्ञ कार्यरत हैं:**

1. 25 सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टर
2. 7 विशेषज्ञ चिकित्सक
3. 12 मेडिकल ऑफिसर – निजी तौर पर इंपैनल्ड
4. आगे मंत्री डॉ. अंसारी ने यह भी बताया कि:
5. राज्य में 104 निजी डॉक्टरों को आयुष्मान योजना के अंतर्गत इंपैनल्ड किया गया है।
6. बाइक एंबुलेंस सेवा शीघ्र शुरू की जाएगी, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों तक त्वरित स्वास्थ्य सुविधा पहुँचेगी।
7. सदर अस्पताल में बेड की संख्या बढ़ाने की प्रक्रिया पर कार्य हो रहा है।
8. रिम्स टू परियोजना निश्चित रूप से पूरी होगी और एक विश्वस्तरीय चिकित्सा संस्थान के रूप में विकसित होगी।

अंत में मंत्री ने कहा की झारखंड स्वास्थ्य के क्षेत्र में क्रांति के दौर से गुजर रहा है। सदर अस्पताल इसका उदाहरण है और हम पूरे राज्य में इस मॉडल को दोहराने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

### समाजसेवी विजय सिंह बने उम्मीद फाऊंडेशन के संस्थापक संरक्षक

**कोयलांचल संवाद संवाददाता, रांची** : उम्मीद फाऊंडेशन के संस्थापक संरक्षक विजय सिंह मनोनीत किए गए. श्री सिंह पिछले दो दशक से सक्रिय रूप से सामाजिक कार्य करते आ रहे हैं.
मनोनयन संस्था के संस्थापक अध्यक्ष और सचिव निरंजन भारती ने किया. जानकारी देते हुए संस्था के सचिव निरंजन भारती ने बताया कि संस्था पिछले पांच वर्षों से वंचित, समाज के वंचित वर्गों, बच्चों, महिलाओं एवं बुजुर्गों के लिए कार्य कर रही है. संस्थापक संरक्षक पद पर विजय सिंह की नियुक्ति से संस्था को नई ऊर्जा, मार्गदर्शन और सामाजिक विश्वास प्राप्त होगा.
श्री विजय सिंह विजय सिंह मूलतः हजारीबाग के रहने वाले हैं और विगत कई वर्षों से सामाजिक कार्यों में सक्रिय हैं. शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, नशा उन्मूलन, बाल अधिकार, महिला सशक्तिकरण जैसे अनेक क्षेत्रों में उनके द्वारा किए गए कार्य अनुकरणीय हैं. उनका जीवन स्वयं एक प्रेरणा है – उन्होंने सेवा को अपना धर्म और समाज को अपना परिवार माना है.

संरक्षक के रूप में उनकी भूमिका केवल एक औपचारिक पद तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि वे संस्था को अपनी दूरदर्शिता, अनुभव और सामाजिक संबंधों से आगे बढ़ाने में सक्रिय योगदान देंगे. यह उम्मीद की जाती है कि उनके मार्गदर्शन में संस्था अपनी गतिविधियों को और अधिक प्रभावी एवं व्यापक बनाएगी
इस अवसर पर श्री सिंह ने उम्मीद संस्था परिवार के सदस्यों के प्रति आभार जताया और कहा कि समाज की सेवा ही सच्चा धर्म है. और इस मूलभावना को आत्मसात करते हुए लगातार समाज के बीच में कार्य करते आ रहा हूं और जिस उम्मीद से उम्मीद फाउंडेशन ने हमे अपना परिवार का हिस्सा बनाया और जो जिम्मेवारी दी है उस दायित्व पर हर संभव खरा उतरने की कोशिश करूंगा.
इस अवसर पर मुन्ना टोप्पो, प्रतीक, रितेश उरांव, राजेश टोप्पो, निरंजन भारती, अनिरुद्ध पांडेय इत्यादि संस्था के पदाधिकारी उपस्थित रहे.

### सीसीएल के कुजू क्षेत्र में शिकायत निवारण शिविर का हुआ आयोजन

**कोयलांचल संवाद संवाददाता, रांची** : सीसीएल के कुजू क्षेत्र में एक शिकायत निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिकायत निवारण शिविर के दौरान सी.सी. एल के कुजू क्षेत्र में कुजू एवं हजारीबाग एरिया के लंबित मामलों के निपटान और कम्पनी के कर्मचारियों, कर्मचारियों के आश्रितों, ठेका श्रमिकों एवं अन्य हितग्राहियों की शिकायतों के समाधान हेतु बैठक हुई।
इस शिविर में कुल 25 शिकायतें दर्ज की गई। इस शिविर में प्राप्त शिकायत ज्यादातर सीएमपीएफ, पेंशन, सेवानिवृत बकाया राशि के भुगतान से संबंधित थी एवं इसके अलावा कुछ नौकरी/सेवा मामले तथा ठेका श्रमिकों से संबंधित थी। संबंधित क्षेत्र के शिकायतकर्ताओं के लंबित मामलों को जानने के बाद कुछ मामलों का समाधान किया गया एवं शिकायतों के समयबद्ध और विशिष्ट समाधान का आश्वासन दिया गया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों तथा अन्य हितधारकों की शिकायतों का त्वरित समाधान था।
इस शिविर में सीसीएल मुख्यालय, राँची से श्रीमती कविता गुप्ता, महाप्रबंधक(मा.सं./श्रमशक्ति/समाधान), श्री संजय कुमार चौबे (मुख्य प्रबंधक - मा. सं, पेंशन विभाग), श्री गौतम चौधरी, मुख्य प्रबंधक(मा.सं/समाधान सेल), श्री राजीव कुमार सिन्हा, महाप्रबंधक कुजू क्षेत्र, श्री सुमित सारंगी, स्टाफ अधिकारी कार्मिक , श्री भूसन यादव, उप प्रबन्धक( कार्मिक) तथा श्रमिक संगठन के प्रतिनिधि थें।

### टाटा स्टील के पूर्व वरिष्ठ अधिकारी प्रभात शर्मा पीआरसीआई ईस्ट ज़ोन के निदेशक बने

जमशेदपुर। टाटा स्टील के पूर्व वरिष्ठ अधिकारी प्रभात शर्मा को पब्लिक रिलेशंस काउंसिल ऑफ इंडिया (PRCI) के ईस्ट जोन का निदेशक नियुक्त किया गया है। इस संबंध में आधिकारिक अधिसूचना बेंगलुरु स्थित पीआरसीआई मुख्यालय द्वारा जारी की गई है। प्रभात शर्मा कॉरपोरेट क्षेत्र के अनुभवी पेशेवर हैं, जिन्हें रणनीतिक योजना, संचार, परियोजना प्रबंधन, हितधारक समन्वय और जोखिम मूल्यांकन जैसे क्षेत्रों में 35 वर्षों से अधिक का अनुभव प्राप्त है। उन्होंने विभिन्न संगठनों को रणनीति निर्माण, प्रभावी संचार और जोखिम प्रबंधन के माध्यम से सफलता की ओर मार्गदर्शित किया है। कॉरपोरेट दुनिया में उनकी गहरी समझ और जोखिम प्रबंधन में विशेषज्ञता ने कई कंपनियों को टिकाऊ विकास और संकटों से उबरने में मदद की है। उनके नेतृत्व में की गई रणनीतियों ने संगठनों को स्थायित्व और प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त दिलाई है। उन्हें वर्ष 2022 में पीआरसीआई द्वारा "चाणक्य अवॉर्ड फॉर एक्सीलेंस इन स्टेकहोल्डर मैनेजमेंट" से सम्मानित किया गया था। वे एक नियमित कॉलम लेखक भी हैं और कॉरपोरेट रणनीति एवं प्रबंधन पर अपने लेखों के लिए जाने जाते हैं। टाटा स्टील में 35 वर्षों से अधिक की सेवा के बाद सेवानिवृत होकर प्रभात शर्मा वर्तमान में कई कंपनियों को परामर्श सेवाएं दे रहे हैं। उनके नेतृत्व में पूर्वी भारत में पीआरसीआई की गतिविधियों को नई दिशा मिलने की उम्मीद है, जिससे झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और आसपास के राज्यों में जनसंपर्क और कॉरपोरेट संचार के क्षेत्र में नई ऊर्जा और गुणवत्ता का संचार होगा।

### शहीदों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा, हम झारखंड के आदिवासी मूलवासी समाज के हक ,अधिकार और सम्मान की रक्षा के लिए हर कीमत पर लड़ेंगे

**डोमिसाइल आंदोलन के अमर शहीदों के सपनों को पूरा करेंगे- विजय शंकर नायक, राजू महतो**

रांची : डोमिसाइल आंदोलन के अमर शहीदों—कैलाश कुजूर, विनय तिग्गा, और संतोष कुंकल की 23वीं पुण्यतिथि के अवसर पर माल्यार्पण समारोह और संकल्प सभा के आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम त्रिमूर्ति चौक, मेकॉन कॉलोनी, डोरंडा, रांची में आयोजित किया गया , जिसमें शहीदों को श्रद्धा-सुमन अर्पित किए गए और आदिवासी-मूलवासी समाज के अधिकारों व डोमिसाइल नीति को लागू करने के लिए अटल संकल्प लिया गया। इस अवसर पर झारखंडी सूचना अधिकार मंच के केंद्रीय अध्यक्ष सह आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष विजय शंकर नायक, आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केन्द्रीय अध्यक्ष राजू महतो ने "24 जुलाई 2002 को डोमिसाइल स्थानीयता के आंदोलन में झारखंडी समाज के हक, अधिकार, और झारखंड के मूलनिवासी समाज के हिस्सेदारी के लिए संघर्ष करते हुए कैलाश कुजूर, विनय तिग्गा, और संतोष कुंकल ने अपने प्राणों की आहुति दी। इन शहीदों का बलिदान झारखंड के आदिवासी-मूलवासी समाज के लिए एक अमर प्रेरणा है। हम उनके सपनों को साकार करने और स्थानीय नीति को लागू करने के लिए अंतिम सांस तक संघर्ष करेंगे।"

माल्यार्पण करने वालो मे अजित उरांव, रंजीत उरांव, कर्मा लिंडा, इकबाल हसन, गोपाल महतो, राजेश वर्मा, विनीता खलखो, एरिन कच्छप,परवीन सहाय ,बिल्कुल डांग, दीपक पासवान, अशोक राम,मंटू राम, अजय नाग, सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

### टाटा स्टील आईडी शतरंज 2025 प्रतियोगिता का रोमांचक समापन

जमशेदपुर। जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स स्थित चेस ट्रेनिंग सेंटर में आयोजित टाटा स्टील आईडी चेस 2025 टूर्नामेंट का आज समापन हुआ। प्रतियोगिता में 16 आईडी यूनिट्स के 85 प्रतिभावान खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया और शानदार खेल कौशल का प्रदर्शन किया।
शेयर्ड सर्विसेज के आदर्श कुमार ने बेहतरीन खेलते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। टीएसके के संजय कुमार स्वेन दूसरे स्थान पर रहे, जबकि शेयर्ड सर्विसेज के ही झा कौशल कुमार ने तीसरा स्थान हासिल किया। समापन समारोह में टाटा स्टील की इवेंट मैनेजमेंट और प्रोटोकॉल हेड मर्लिन फ़िरदौस अंकलेसारिया ने मुख्य अतिथि के रूप में खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता का संचालन अनुभवी निर्णायकों की टीम ने किया, जिसमें मुख्य निर्णायक जयंत भुइयां के साथ विशाल कुमार मिंज, विक्रम कुमार, सौरभ कुमार प्रामाणिक, शुभांगी वर्मा और चिरंजी लाल शामिल थे। खेल विभाग की ओर से अनन्या लेपी और रेणु भदौरिया ने भी अपनी सक्रिय उपस्थिति दर्ज कराई और आयोजन को सफल बनाने में योगदान दिया। यह टूर्नामेंट न केवल खिलाड़ियों की रणनीतिक समझ और विश्लेषण क्षमता का परिचायक रहा, बल्कि उनके खेल के प्रति समर्पण और उत्साह को भी दर्शाता है।

### अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी अल्पसंख्यक विभाग ने झारखण्ड के सभी जिला में प्रभारी किया नियुक्त

रांची : अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी के सहमति एवं झारखंड प्रभारी जीनल एन गाला जी के निर्देशानुसार झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी अल्पसंख्यक विभाग के चेयरमैन मंजूर अंसारी ने संगठन की मजबूती हेतु अंतरिम प्रदेश संगठन महासचिव, महासचिव सह प्रवक्ता, महासचिव सह कार्यालय प्रभारी एवं जिलावार प्रभारी नियुक्त किया गया है। चेयरमैन मंजूर अंसारी ने पत्र जारी करते हुए कहा कि प्रदेश संगठन महासचिव मो हसनैन आलम, महासचिव सह प्रवक्ता जैतुन कुमार जॉन, महासचिव सह कार्यालय प्रभारी गुलाम रब्बानी को बनाया गया। वहीं जिला प्रभारी में रांची शहरी -मंजूर आलम, मो. जावेद इक़बाल (सफदर), रांची ग्रामीण गुलरेज अख्तर ,गुलाम सर्वर पिंकू ,खूंटी जॉन दिलीप तिग्गा, लोहरदगा तौकीर अख्तर, .शहनाज खातून सिमडेगा कुमुदिनी प्रभावती ,मोहम्मद असलम, गुमला - तनवीर खान पलामू -अरसादुल क़ादरी, रौनक इक़बाल गढ़वा - मोहम्मद सगीर अंसारी हाजी सिकंदर अंसारी लातेहार -हसनैन जैदी, कैसर खान रामगढ़ -अब्दुल बारिक अंसारी, कमरुल हसन हजारीबाग -मोहम्मद सलीम गुलजार अंसारी, चतरा -इम्तियाज अंसारी बाबर ,तस्लीम अंसारी बोकारो - सतपाल सिंह , साने रहमत धनबाद-मुर्सरत जबी. सराफत अंसारी जामताड़ा - गुलाम मुस्तफा, अयूब अंसारी गिरिडीह- मोहम्मद जावेद अंसारी,. एस.एम अरफिन रिजवी कोडरमा -अब्दुल करीम अंसारी ,विकाश जैन देवघर - सोहराब अंसारी साहेबगंज - महमूद अली पाकुर -नूर मोहम्मद सरायकेला- फजल खान , गुरदीप सिंह पश्चिम सिंहभूम- तस्लीमा मल्लिक रिजवान खान पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर)-खालिद खान, सरदार संतोष सिंह गोड्डा - नेसाब अहमद. मरगुब आलम दुमका - एस.एस.रिजवी,रुस्तम अली बनाया गया है।

### यूनियन की कमेटी मीटिंग आयोजित, 28 को भव्य रूद्राभिषेक कार्यक्रम

जमशेदपुर : टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन के कार्यकारिणी की बैठक पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत बुधवार को यूनियन परिसर स्थित गोपेश्वर हॉल में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष शशि भूषण प्रसाद ने किया। वहीं बैठक के दौरान विषय प्रवेश महामंत्री आरके सिंह ने कराया। बैठक में आगामी 28 जुलाई के प्रस्तावित रूद्राभिषेक कार्यक्रम तथा बोनस को लेकर चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए महामंत्री आरके सिंह ने कहा टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन के सौजन्य से तथा आप सबों के सहयोग से आयोजित रक्तदान शिविर एवं रूद्राभिषेक कार्यक्रम शहर में चर्चा का विषय बन चुका है। अतः आप सब अपने सुझाव एवं सहयोग से इस बार भी आगामी 28 जुलाई को निर्धारित रूद्राभिषेक कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग करेंगे ऐसी अपेक्षा है। बैठक के दौरान यह तय हुआ कि बोनस ससमय संपन्न हो इसके लिए यूनियन की ओर से प्रबंधन को जल्द ही मांग पत्र सौंपा जाएगा। बैठक का संचालन प्रकाश विश्वकर्मा ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन अनिल शर्मा ने किया। बैठक में यूनियन के तमाम पदाधिकारी, कमेटी मेंबर, आरके सिंह फैंस क्लब के तमाम सदस्य मौजूद थे।
सेवादारों का हुआ सम्मान। विगत दिनों यूनियन जत्था के बाबाधाम यात्रा के दौरान सेवा कार्यों में सहयोग करने वाले सेवादारों को अध्यक्ष शशि भूषण प्रसाद व महामंत्री आरके सिंह के हाथों अंग वस्त्र भेंटकर सम्मानित किया गया।

### श्रावणी मेला के दौरान पिछले 13 दिनों में 23 लाख 73 हजार 874 कांवरियों ने किया जलार्पण

देवघर : बाबा नगरी में श्रावणी मेला चल रहा है और इस मेले में प्रत्येक वर्ष लाखों की संख्या में कांवरिया पहुंचते हैं. इस वर्ष भी श्रावणी मेला के शुभारंभ से लेकर वर्तमान तक कांवरिया लगातार पहुंच रहें हैं. ऐसे में जिला प्रशासन की ओर से श्रावणी मेला में की गई तैयारी और आय को लेकर जिला के उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा ने 11 जुलाई से 24 जुलाई तक का लेखा जोखा प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से दिया.
बीते 11 जुलाई से 23 जुलाई तक गर्भगृह सहित सभी अर्घा के माध्यम से 23 लाख 73 हजार 874 कांवरियों ने जलार्पण किया है. वहीं, बाबा मंदिर से प्राप्त नगद के रूप में 2 करोड़ 39 लाख 25 हजार 311 रुपए की आमदनी हुई है. वहीं मंदिर से 10 ग्राम की 447 चांदी के सिक्के की बिक्री हुई है. जबकि परिवहन विभाग से राज्य प्रवेश शुल्क के रूप में 90 लाख 24 हजार 925 रुपए की आमदनी हुई है. इसी क्रम में राज्य कर के रूप में 853.37 लाख रुपए की प्राप्ति हुई है.
नगर निगम के द्वारा विभिन्न बस पड़ाव तथा विभिन्न प्रकार की व्यवस्थाओं से 40 लाख 39 हजार रुपए की आमदनी हुई है. वहीं विद्युत विभाग के द्वारा अस्थाई विद्युत सम्बंध से 33 लाख 94 हजार 190 रुपये की राजस्व प्राप्ति हुई है. वहीं खाद्य सुरक्षा विभाग के द्वारा भी लगातार खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच पड़ताल की जा रही है.

वहीं, पुलिस विभाग के द्वारा मेला क्षेत्र में की गई पुलिसिंग व्यवस्था की पूरी पूरी जानकारी दी. जिसमें एनडीआरएफ, सीआरपीएफ, जिला पुलिस बल, झारखंड जगुआर, स्वान दस्ता, अश्रु गेस दस्ता, रैफ दस्ता आदि शामिल है और सभी विधिव्यवस्था के संचालन में पूरे मेला क्षेत्र में महती भूमिका निभा रहें हैं. मौके पर उपस्थित अधिकारियों ने मेला क्षेत्र में कांवरियों की सुविधा के लिए की गई व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी दी.
स्वास्थ्य विभाग द्वारा 34 कैम्प लगवाए गए हैं जहां जरूरत के लिहाज से एम्बुलेंस की व्यवस्था की गई है और सभी कैंपो में चिकित्सक के साथ-साथ अन्य सहयोगी स्टाफ भी उपस्थित रहते हैं. प्रेस कांफ्रेंस के दौरान उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा, एसडीओ रवि कुमार, नगर आयुक्त रोहित सिन्हा, सीएस युगल किशोर चौधरी, डीपीआरओ राहुल कुमार, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी रोहित विद्यार्थी, निर्भय ओझा, राजेश कुमार सहित सम्बंधित विभाग के कर्मी उपस्थित थे.

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, प्लॉट नं. 535 एवं 1272, लालगुटुआ, रांची से मुद्रित एवं फर्स्ट फ्लोर, 105, नायल कॉम्प्लेक्स, कांटाटोली, रांची-834001 (झारखण्ड) से प्रकाशित, आर.एन.आई. नं. JHAHIN/2013/50549 फोन नं. 8084372014, Email : koylanchalsamvad@gmai.com & koylanchal.hindi@gmail.com *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट तहत जिम्मेदार।